भारतीय रेल

नवम्बर–2021

₹20

आत्मनिर्भर बनती भारतीय रेल

स्वदेशी फुल–स्पैन लॉन्चिंग मशीन – स्ट्रैडल कैरियर

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विजिट करें : www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क. (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	–
एक प्रति (विशेषांक)		70	–
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद **देय** – 'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला.....

राज्य..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी : हाँ / नहीं वर्तमान सदस्यता (हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001,
टेलीफोन: 011-47845378, 23382531, 45380 (रेलवे) **bmpr310rb@gmail.com**

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

नवम्बर 2021 | आरंभ : 1960 | वर्ष : 62 | अंक : 4 | मूल्य : ₹20

संपादक मंडल

श्री सुनीत शर्मा
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

श्री नरेश सालेचा
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री आर. एन. सिंह
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री राजेश दत्त बाजपेई
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक

योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय

संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 337-बी, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क

श्री प्रशान्त कुमार पट्टनायक
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001
टेलीफोन: 23303665, 23382531
bmpr310rb@gmail.com

सदस्यता शुल्क

सर्वसाधारण - ₹250
रेलकर्मियों के लिए - ₹200
(विदेशी) सी-मेल द्वारा - ₹ 1,250
(विदेशी) एयर-मेल द्वारा - ₹ 2,500

संपादन सहयोग

श्री रणमत सिंह

आवरण :

मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना : स्वदेशी निर्मित फुल-स्पैन लॉन्चिंग इक्विपमेंट-स्ट्रैडल कैरियर का दृश्य

फॉलो करें

Twitter : @bhartiyarailrb
Instagram : bhartiyarailpatrika

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

प्रधानमंत्री ने वाराणसी रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज का लोकार्पण किया

6

7 रेल मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पूर्व रेलवे की विविध ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ किया
8 रेल मंत्री ने किया रेल कौशल विकास योजना का शुभारंभ
12 मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना
17 रेल मंत्री ने एलएचबी रैक युक्त हीराखंड एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी
18 ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना
20 नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेल मंत्री ने 'स्वच्छता पखवाड़े' का शुभारंभ किया
21 रेल राज्यमंत्री द्वारा संगलदान रेलवे स्टेशन की इमारत का शिलान्यास
21 रेल राज्यमंत्री ने जम्मू एवं कश्मीर में चल रही राष्ट्रीय रेल परियोजना की जानकारी ली
22 रेल राज्यमंत्री द्वारा पश्चिम रेलवे की रेल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा
23 मणिपुर के मुख्यमंत्री तथा रेल राज्यमंत्री द्वारा जिरिबाम-सिलचर पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारम्भ
24 रेल राज्यमंत्री ने 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत का नया संस्करण राष्ट्र को समर्पित किया
25 रेल राज्यमंत्री द्वारा सूरत स्टेशन पर विभिन्न सुविधाओं का उद्घाटन
26 रेल राज्यमंत्री ने सूरत-महुवा सुपरफास्ट ट्रेन को दिखाई हरी झंडी
27 रेल राज्यमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर राज्य में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं के संबंध में चर्चा की
28 मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर ने रफ्तार पकड़ी
29 रेल अस्पतालों में लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट्स राष्ट्र को समर्पित
34 रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने आरडीएसओ का दौरा किया
43 यूटीएस मोबाइल ऐप अब हिंदी में भी
44 अपनी तरह का पहला 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स' स्थापित
44 पर्यटकों में लोकप्रिय हो रही 'स्टीम जंगल टी सफारी'
45 पहले हाई स्पीड एनएमजीएच ऑटोमोबाइल कैरियर कोच की शुरुआत
46 156 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली शुरू
48 रेलों के अंचल से
60 'आजादी का अमृत महोत्सव'
64 राजभाषा हिंदी : समस्याएं एवं समाधान
67 साइक्लिंग फिटनेस के नए आयाम
70 छत्तीसगढ़ के महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल

रेल मंत्री द्वारा राई का बाग स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का लोकार्पण

10

टोक्यो ओलम्पिक : भारतीय रेल के खिलाड़ियों को रेल मंत्री ने किया सम्मानित

40

श्री विपिन पवार
लेफ्टिनेंट शशि किरण
श्री साकेत रंजन

FLUID CONTROLS®
ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY

ENGINEERING COMPREHENSIVE SOLUTIONS FOR **RAIL & METRO BRAKE PIPING**

IRIS® CERTIFIED

Fluid Controls® has over 45 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. We offer customers comprehensive solutions for locomotive, coach & metro brake piping arrangements – from design and engineering services to supply of high-performance connectors and installation services.

- Design & Engineering
- High Performance Connectors
- Onsite Installation
- Swaging Services
- Pre-Piped Assemblies

DOUBLE FERRULE FITTINGS • DIN SINGLE FERRULE CONNECTORS
ACROSS FRAME™ CONNECTORS • THREADED ADAPTORS
FLEXIGRIP™ CONNECTORS • QUICK RELEASE CONNECTORS
VALVES • CLAMPS

+91-22-68238000 railways@fluidcontrols.com fluidcontrols.com

संपादकीय

'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करती भारतीय रेल

भारतीय रेल पिछले कुछ सालों से प्रगति की दिशा में अलग ही अंदाज में चल रही है। इक्कीसवीं सदी की भारतीय रेल भविष्य को ध्यान में रखकर योजनाएं बना रही है, जिनमें डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, मुंबई–अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना, विद्युतीकरण आदि प्रमुख परियोजनाएँ हैं। इन परियोजनाओं में देशी तकनीक का अधिकतम उपयोग कर 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में इसका जीता–जागता उदाहरण मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए स्ट्रैंडल कैरियर और गर्डर ट्रांसपोर्टर का निर्माण कर पेश किया गया। इन मशीनों को रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 9 सितंबर, 2021 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इनके डिजाइन तथा निर्माण करने में अब भारत भी इटली, नार्वे, कोरिया और चीन जैसे देशों के समूह में शामिल हो गया है।

स्ट्रैंडल कैरियर और गर्डर ट्रांसपोर्टर के उपयोग से मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारे में मेहराबदार ढांचे के निर्माण में तेजी आएगी। स्ट्रैंडल कैरियर पहले से तैयार पूरे आकार के गर्डरों को ढालने से लेकर भंडार तक और वहाँ से उसे ऊपरी ढांचे को आधार देने के लिए लगाने तक का काम करता है। यह 80 पहियों पर चलने वाली क्रेन है जो 1,100 मीट्रिक टन तक वजन उठा सकती है जबकि गर्डर ट्रांसपोर्टर पूरे आकार के पहले से तैयार गर्डरों को उठाकर लगाए जाने वाले स्थान तक ला सकता है। यह 27 एक्सेल टायर से चलने वाली है और इसकी क्षमता भी 1,100 मीट्रिक टन है। इस परियोजना के लिए अत्याधुनिक देशी–विदेशी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। 508 किमी लंबे मेहराबदार निर्माण के लिए उत्कृष्ट प्रणाली इस्तेमाल की जा रही है।

एक और कदम आगे बढ़ते हुए कॉरिडोर के गुजरात के नवसारी कास्टिंग यार्ड में 40 मीटर स्पैन के एक और फुल स्पैन प्री–स्ट्रेस्ड कंक्रीट बॉक्स गर्डर की कास्टिंग का शुभारंभ रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने किया है।

यहाँ पर उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री श्री शिंजो आबे ने 14 सितम्बर, 2017 को अहमदाबाद में मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना का शिलान्यास किया था। इस परियोजना को समय पर पूर्ण करने के सारे प्रयास नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किए जा रहे हैं। वर्तमान में 508 किमी लंबे इस गलियारे में अहमदाबाद से 325 किमी तक रूट पर काम तेजी चल रहा है। परियोजना के लिए गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली 97 प्रतिशत और महाराष्ट्र में 30 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण का कार्य भी हो चुका है। इस परियोजना तथा उसके आस–पास के इलाके की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है। निर्माण कार्य में हजारों ट्रकों, डंपरों, खुदाई करने वाली मशीनों, बैचिंग संयंत्रों, सुरंग बनाने के उपकरणों इत्यादि की आवश्यकता पड़ रही है। एक अनुमान के मुताबिक इस निर्माण में 7.5 मिलियन टन सीमेंट, 2.1 मिलियन टन इस्पात और 70 हजार टन इमारती इस्पात लगेगा। इससे 90 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, जिनमें तकनीशियनों, कुशल और अकुशल मजूदरों सहित 51 हजार रोजगार शामिल हैं। वर्तमान में 6,000 से अधिक कामगार काम कर रहे हैं, जिसमें अधिकांशतः स्थानीय युवा हैं।

'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' के तत्वावधान में भारतीय रेल ने भी 'रेल कौशल विकास योजना' का शुभारंभ किया है। इस योजना का शुभारंभ रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने किया। इसके तहत भारतीय रेल उत्पादन इकाइयों में 50 हजार से अधिक उम्मीदवारों को 100 घंटे का बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाना है। प्रथम चरण में 100 उम्मीदवारों को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के पश्चात् प्रशिक्षुओं को प्रमाण–पत्र तथा जरूरी टूलकिट भी दी जा रही है, जिससे वे स्व–रोजगार का सृजन कर सकें।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ। आपके अमूल्य सुझाव पत्रिका को और अधिक पठनीय तथा समृद्ध बनाने में मददगार साबित हो रहे हैं। ■

प्रधानमंत्री ने वाराणसी रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज का लोकार्पण किया

भारत के प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अक्टूबर, 2021 को वाराणसी रेलवे स्टेशन पर नए एग्जीक्यूटिव लाउंज का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्य नाथ, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री सुनीत शर्मा, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल, आईआरसीटीसी की अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, श्रीमती रजनी हसीजा, मंडल रेल प्रबंधक, लखनऊ, श्री एस.के. सपरा और वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर रेलवे वाराणसी रेलवे स्टेशन पर विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने में प्रयासरत है। इसी सिलसिले में, अत्याधुनिक एग्जीक्यूटिव लाउंज उपलब्ध कराया है, जिसे आईआरसीटीसी द्वारा तैयार कर प्रबंधन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यात्रियों के प्रतीक्षा समय को सुखद और आरामदायक बनाना है। इस सुविधा का डिजाइन पंचतत्व – पृथ्वी, आकाश, वायु, अग्नि और जल, जोकि सभी जीवित वस्तुओं में मौजूद हैं, की भारतीय अवधारणा पर आधारित है।

इस लाउंज में आगंतुकों को मानार्थ अथवा भुगतान आधार पर म्यूजिक, वाई-फाई इंटरनेट कनेक्शन, टी.वी., रेल सूचना डिस्प्ले, गर्म व शीतल पेय, विविध पद्धतियों के भोजन, आरामकुर्सियां, बड़े स्थानों वाले लगेज रैक व लॉकर, वॉश एवं

वाराणसी रेलवे स्टेशन पर निर्मित एग्जीक्यूटिव लाउंज का लोकार्पण करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

चेंज आदि सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। दिल्ली में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वाराणसी रेलवे स्टेशन पर विस्तृत यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे यात्रा, पर्यटन और धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व वाले स्टेशनों के विकास पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। इससे न केवल रोजगार के अवसर सृजित होंगे बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। ■

नए एग्जीक्यूटिव लाउंज के अंदर का दृश्य

रेल मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पूर्व रेलवे की विविध ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ किया

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूर्व रेलवे से जुड़ीं आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस, जसीडीह-पुणे एक्सप्रेस एवं जसीडीह-वास्को-डि-गामा एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ किया

जसीडीह-पुणे एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, साथ में हैं अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सुनीत शर्मा

जसीडीह – वास्को-डि-गामा एक्सप्रेस

श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने 28 सितम्बर, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जसीडीह – वास्को-डि-गामा एक्सप्रेस को जसीडीह स्टेशन से झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि जसीडीह – वास्को-डि-गामा एक्सप्रेस झारखंड और गोवा के बीच सीधे संपर्क का एक और मार्ग खोल देगी। इसके अलावा, बैद्यनाथधाम स्थित भगवान शिव के मंदिर के निकटवर्ती अन्य क्षेत्रों से आनेवाले तीर्थयात्री भी इस ट्रेन के शुरू होने से लाभान्वित होंगे। श्री निशिकांत दुबे, सांसद, लोकसभा, श्री नारायण दास, विधायक और श्री बाबूलाल मरांडी, विपक्षी नेता, झारखंड विधान सभा और निवर्तमान मुख्यमंत्री, झारखंड, श्री दीपक प्रकाश, सांसद, राज्यसभा, श्रीमती लुईस मरांडी, निवर्तमान मंत्री, झारखंड, श्री रणधीर कुमार सिंह, विधायक, सारठ, झारखंड और श्री संजय यादव, मधुपुर नगर निगम के पूर्वाध्यक्ष ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे।

आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 26 सितम्बर, 2021 को मधुपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा झंडी दिखाकर 09436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस स्पेशल की उद्घाटनिक यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि इस ट्रेन के शुभारंभ से प्रख्यात 'सोमनाथ और बैद्यनाथधाम ज्योतिर्लिंग' तीर्थ स्थलों के बीच आवागमन का एक सुगम संपर्क स्थापित हो जाएगा।

इस अवसर पर श्री निशीकांत दुबे, सांसद, श्री हाफिजुल हसन, मंत्री-अल्पसंख्यक कल्याण, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, खेलकूद एवं युवा मामले, पंजीकरण विभाग, झारखंड, श्री रणधीर सिंह, विधायक, सारठ, झारखंड उपस्थित थे।

अपने अभिभाषण में श्री दुबे ने कहा कि यह नई ट्रेन इस क्षेत्र के लिए पर्यटन एवं सामाजार्थिक विकास को बढ़ावा देगी। यह 09436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन मधुपुर से होकर चलेगी, जोकि आमतौर पर तीर्थयात्रियों और खासतौर पर आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी।

जसीडीह-पुणे एक्सप्रेस

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 27 सितम्बर, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जसीडीह-पुणे एक्सप्रेस को जसीडीह स्टेशन से झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि जसीडीह-पुणे एक्सप्रेस (साप्ताहिक) झारखंड और महाराष्ट्र के बीच सीधे संपर्क का मार्ग प्रशस्त करेगी । झारखंड के लोगों को महाराष्ट्र के औद्योगिक रूप से विकसित क्षेत्रों के साथ अधिक संपर्क का लाभ मिलेगा। उच्च शिक्षा के लिए झारखंड से दूसरे राज्यों में प्रवास करने वाले छात्रों को उनके गृह नगर से अध्ययन के स्थान तक परिवहन के इस आसान साधन से अत्यधिक लाभ होगा। इसके अलावा, बैद्यनाथधाम स्थित भगवान शिव के मंदिर के आसपास के अन्य क्षेत्रों के तीर्थयात्री भी इस ट्रेन के शुरू होने से लाभान्वित होंगे। श्री निशिकांत दुबे, सांसद, श्री नारायण दास, विधायक और श्री संजय यादव, मधुपुर नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष भी इस अवसर उपस्थित थे। इन कार्यक्रमों में श्री अरुण अरोड़ा, महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे तथा श्री परमानंद शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल उपस्थित थे। ■

रेल मंत्री ने किया रेल कौशल विकास योजना की शुभारंभ

17 सितम्बर, 2021 को रेल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में रेल कौशल विकास योजना का शुभारंभ करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुनीत शर्मा तथा वरिष्ठ रेल अधिकारीगण भी उपस्थित थे

'आजादी का अमृत महोत्सव' के 75 साल के हिस्से के रूप में रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से उद्योग से संबंधित कौशल में प्रवेश स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने के लिए रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)' के तत्वावधान में 17 सितम्बर, 2021 को रेल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 'रेल कौशल विकास योजना' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुनीत शर्मा तथा रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा कि यह एक शुभदिन है, क्योंकि विश्वकर्मा जयंती पूरे देश में मनाई जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई भी दी। श्री वैष्णव ने प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन पर रेलवे की ओर से उपहार के रूप में 'रेल कौशल विकास योजना' को समर्पित किया। कौशल विकास का विजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन का अभिन्न अंग है और 'रेल कौशल विकास योजना' के तहत 50 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य गुणात्मक सुधार लाने के लिए युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण कौशल प्रदान करना है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 'रेल कौशल विकास योजना' के तहत दूरस्थ क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाए। रेल मंत्री ने कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण प्रक्रिया का लाभ लेना चाहिए।

तीन साल की अवधि में 50,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रारंभ में, 1,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण चार ट्रेडों में प्रदान किया जाएगा अर्थात् – इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मशीनिस्ट और फिटर तथा इसमें 100 घंटे का प्रारंभिक बुनियादी प्रशिक्षण शामिल होगा। क्षेत्रीय मांगों और जरूरतों के आकलन के आधार पर क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों द्वारा अन्य ट्रेडों में प्रशिक्षण कार्यक्रम जोड़े जाएंगे। प्रशिक्षण नि:शुल्क प्रदान किया जाएगा और प्रतिभागियों का चयन मैट्रिक में अंकों के आधार पर एक पारदर्शी तंत्र का पालन करते हुए ऑनलाइन प्राप्त किए गए आवेदनों में से किया जाएगा। 10वीं पास और 18-35 साल के बीच के उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र होंगे। हालांकि इस प्रशिक्षण के आधार पर योजना में भाग लेने वालों का रेलवे में रोजगार पाने का कोई दावा नहीं होगा।

इस योजना के लिए नोडल उत्पादन इकाइ – बनारस लोकोमोटिव वर्क्स द्वारा कार्यक्रम का पाठ्यक्रम विकसित किया गया है, जो मूल्यांकन को मानकीकृत करेगा और प्रतिभागियों के

केंद्रीकृत डेटाबेस को बनाए रखेगा। यह योजना शुरू में 1,000 प्रतिभागियों के लिए शुरू की जा रही है, जो अप्रेंटिस अधिनियम 1961 के तहत प्रशिक्षुओं को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण के अतिरिक्त होगी। प्रस्तावित कार्यक्रमों, आवेदन आमंत्रित करने वाली अधिसूचना, चयनित उम्मीदवारों की सूची, चयन के परिणाम, अंतिम मूल्यांकन, अध्ययन सामग्री और अन्य विवरण के बारे में सूचना के एकल स्रोत के रूप में एक नोडल वेबसाइट विकसित की गई है। वर्तमान में आवेदक प्रारंभिक चरण में स्थानीय रूप से जारी विज्ञापनों के प्रत्युत्तर में आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन दाखिल करना जल्द ही एक केंद्रीकृत वेबसाइट पर शुरू किया जाएगा।

प्रशिक्षुओं को एक मानकीकृत मूल्यांकन से गुजरना होगा और उनके कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान द्वारा आवंटित व्यापार में प्रमाण-पत्र तथा व्यापार के लिए यथोचित टूलकिट भी प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे इन प्रशिक्षुओं को अपनी शिक्षा का उपयोग करने और स्व-रोजगार के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों में रोजगार की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पूरे देश के युवाओं को इसमें शामिल करने के लिए उपरोक्त ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से देश भर में फैले 75 रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों को चिन्हित किया गया है। यह योजना न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार करेगी,

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बेसिक ट्रेनिंग सेंटर, मोतीबाग कारखाना, नागपुर में वेल्डिंग की ट्रेनिंग, विद्युत लोको प्रशिक्षण केंद्र उसलापुर बिलासपुर में इलेक्ट्रीशियन की ट्रेनिंग तथा बेसिक ट्रेनिंग सेंटर, वैगन रिपेयर शॉप रायपुर में फिटर, वेल्डिंग एवं मशीनिस्ट की ट्रेनिंग लेते हुए प्रशिक्षुगण

बल्कि स्वरोजगार के कौशल को भी उन्नत करेगी। साथ ही, पुनः कौशल और अप-स्किलिंग के माध्यम से ठेकेदारों के साथ काम करने वाले लोगों के कौशल में भी सुधार होगा, जिससे 'स्किल इंडिया मिशन' में योगदान मिलेगा। ■

रेल कौशल विकास योजना के तहत बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मशीनिस्ट और वेल्डर के पहले बैच के 100 घंटे का प्रशिक्षण पूरा करने वाले 54 प्रशिक्षुओं को दिनांक 13 अक्टूबर, 2021 को महाप्रबंधक सुश्री अंजली गोयल ने स्वरोजगार टूलकिट और प्रमाण-पत्र प्रदान किए

रेल कौशल विकास योजना के तहत प्रथम बैच के 46 प्रशिक्षुओं ने तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र, चिरेका से 100 घंटे का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर और प्रमाण-पत्र प्राप्त किये। श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक ने आशा व्यक्त की है कि यह प्रशिक्षुओं के व्यवसाय/पेशा की प्रगति में सहायक साबित होगा।

रेल मंत्री द्वारा राई का बाग स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का लोकार्पण

राई का बाग स्टेशन पर विभिन्न यात्री सुविधाओं को राष्ट्र को समर्पित करते हुए रेल, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 2 अक्टूबर, 2021 को उत्तर पश्चिम रेलवे के राई का बाग पैलेस जंक्शन पर आयोजित समारोह में राई का बाग पैलेस स्टेशन की नवीनीकृत बिल्डिंग, फुट ओवर ब्रिज तथा प्लेटफॉर्म नंबर 1 व 2 पर 02 लिफ्टों का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि सम्मानित मंच एवं जोधपुर वासियों ने जो मांगें रेलवे संबंधी रखी हैं, उन्हें शीघ्र ही पूरा किया जाएगा। भारतीय रेल में प्रत्येक यात्री के चेहरे पर मुस्कान हो एवं प्रत्येक व्यक्ति को रेलवे स्टेशन साफ-सुथरा, सुरक्षित एवं ट्रेनें सुविधाजनक मिले। 'राष्ट्र प्रथम-सर्वदा प्रथम' की भावना के साथ रेलवे को आगे ले जाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज अधिकांश रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया जा चुका है एवं शेष बचा कार्य तेजी से चल रहा है। रेल के विद्युतीकरण से आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना साकार हो पाएगी। जोधपुर मण्डल में लूणी-समदड़ी, समदड़ी-भीलड़ी, जोधपुर-लूणी, फुलेरा-मेड़ता आदि रेलखण्डों का विद्युतीकरण आगामी एक साल में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है एवं जनवरी, 2021 में विद्युतीकृत लाइन पर 1.5 किमी लम्बी डबल स्टैक कंटेनर ट्रेन चलाकर भारतीय रेल ने इतिहास रचा है।

रेल मंत्री ने कहा कि मुम्बई से अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। इसी प्रकार पूरे भारत में 300 प्रमुख शहरों को हाई स्पीड गलियारे से जोड़ा जाएगा। भारतवर्ष में 150 स्टेशनों का पुर्नविकास किया जाएगा, जिसमें राजस्थान के 08 स्टेशनों (जोधपुर, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, उदयपुर, अजमेर, जैसलमेर, आबूरोड एवं बीकानेर) को प्रथम फेज में विकसित किया जाएगा। उन्होंने अन्त्योदय पर जोर देते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति/परिवार को फायदा मिले एवं सभी लोगों का सर्वांगीण विकास हो, इसी सोच के साथ कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में रेल मंत्री ने महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हुए महिला रेलकर्मियों से यात्री सुविधाओं का राष्ट्र को समर्पण करवाया।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने राजस्थान के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन फालना में फालना रेलवे स्टेशन पर पहुँच कर स्वागत हेतु आये जन प्रतिनिधियों व आमजन से मुलाकात की, ज्ञापन लिए और उनकी मांगों पर उचित निर्णय लेकर पूर्ण करने का आश्वासन दिया। दौरे के अंतिम चरण में रेल मंत्री ने फालना स्टेशन से विशेष निरीक्षण यान से विंडो निरीक्षण प्रारंभ किया, जिसके अन्तर्गत अजमेर मंडल के फालना-पालनपुर (करजोड़ा) खंड का निरीक्षण कर आधुनिक यात्री सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने फालना से निरीक्षण करते हुए गुजरात के वापी तक की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने अजमेर के अतिरिक्त अहमदाबाद, वड़ोदरा और मुंबई मंडलों से सम्बंधित रेलवे के विकास कार्यों और परियोजनाओं का निरीक्षण किया, कार्य प्रगति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के कार्यों का भी निरीक्षण किया। ■

रेल मंत्री ने वातानुकूलित 3 टीयर इकोनॉमी कोच का जायजा लिया

भारतीय रेल सदैव ही यात्री अनुकूल सुविधाओं से युक्त कोच विकसित कर रेलयात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रही है। इसी क्रम की विकास यात्रा में भारतीय रेल ने वातानुकूलित 3 टीयर इकोनॉमी कोच बनाए हैं।

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 13 अक्टूबर, 2021 को इन वातानुकूलित 3 टीयर इकोनॉमी कोचों को देखने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया। मंत्री जी के साथ रेलवे बोर्ड के सदस्य, इन्फ्रा, श्री संजीव मित्तल, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल, रेलवे बोर्ड के पीईडी कोचिंग, श्री देवेन्द्र कुमार सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली श्री डिम्पी गर्ग और अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। श्री वैष्णव ने वातानुकूलित 3 टीयर इकोनॉमी कोचों की खूबियों की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह के कोचों की पूरी रेलगाड़ी को प्राथमिक आधार पर चलाया जाना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये वातानुकूलित 3 टीयर इकोनॉमी कोच किफायती किराए में वातानुकूलित यात्रा को सुखद एवं आरामदेह बनाएंगे।

कोच का अंदर का दृश्य

कोच के डिजाइन के अंतर्गत ए.सी. वाहक पाइप प्रणाली को सभी बर्थों के लिए अलग-अलग सूराख प्रदान करके नए स्वरूप में बनाया गया है। लम्बवत् और आड़ा, दोनों हिस्सों में मुड़ने योग्य स्नैक टेबल, चोट न पहुँचाने वाली जगह और पानी की बोतल व मोबाइल फोन रखने के लिए बेहतर यात्री सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। प्रत्येक बर्थ के लिए अलग से रीडिंग लाइट और यूएसबी चार्जिंग प्वाइंट दिए गए हैं। 3 ए.सी. कोच की 72 बर्थ की तुलना में नए वातानुकूलित 3 टीयर इकोनॉमी कोच में 83 बर्थ हैं। दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए कोच के दरवाजे चौड़े बनाए गए हैं। ये वातानुकूलित 3 टीयर इकोनॉमी कोच रेल यात्रा में अनेक परिवर्तन लाएंगे। इसके साथ ही 8% कम किराए के साथ यात्रा और अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और तीव्र होगी। ■

- भारतीय रेल में सबसे पहले गाड़ी सं. 02403 प्रयागराज-जयपुर सुपरफास्ट स्पेशल में 06 सितम्बर, 2021 को एसी 3 टियर इकोनॉमी के 02 कोच लगाए गए थे।
- 18 अक्टूबर, 2021 से प्रयागराज मण्डल के प्रयागराज जं. से उधमपुर के मध्य चलने वाली गाड़ी सं. 04141 प्रयागराज-उधमपुर स्पेशल में भी ये कोच लगाए गए हैं।
- ये कोच लखनऊ ए.सी. स्पेशल ट्रेन, मुंबई सेंट्रल-ओखा स्पेशल, ओखा-सोमनाथ स्पेशल आदि ट्रेनों में लगाए गए हैं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन आगमन पर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का स्वागत करते हुए उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल

मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड

रेल मंत्री ने स्वदेशी फुल-स्पैन लॉन्चिंग मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने स्वदेश में ही डिजाइन की हुई और निर्मित फुल-स्पैन लॉन्चिंग इक्विपमेंट-स्ट्रेडल कैरियर तथा गर्डर ट्रांसपोर्टर को 9 सितम्बर, 2021 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मशीनों से मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल गलियारे में मेहराबदार ढांचे के निर्माण में तेजी आएगी। मंत्री ने श्री मियां मोतो शिंगो, मंत्री, जापान दूतावास, श्री सुनीत शर्मा, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड, श्री सतीश अग्निहोत्री, प्रबंध निदेशक, एनएचआरसीएल एवं श्री एस.एन. सुब्रह्मण्यम, कार्यकारी निदेशक, लार्सन एवं टूब्रो की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इसका शुभारंभ किया।

रेल परियोजना

- इससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा मिलेगा : रेल मंत्री
- इससे मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना का निर्माण तेज होगा
- निर्मित ढांचे के ऊपर एक मेहराबदार ढांचा बनाने के लिए उत्कृष्ट फुल-स्पैन प्रणाली का इस्तेमाल
- अब भारत भी इटली, नार्वे, कोरिया और चीन जैसे देशों के समूह में शामिल हो गया।

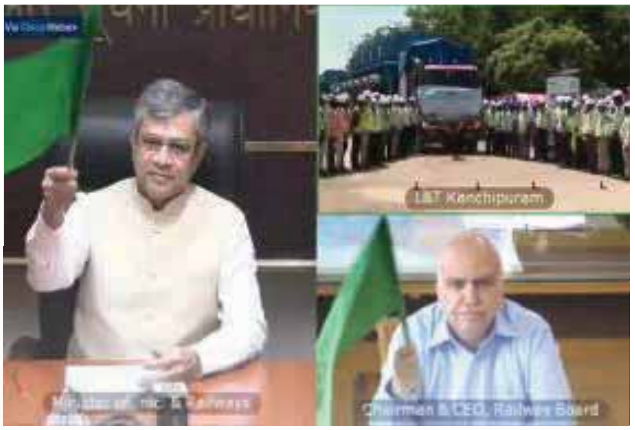

स्वदेशी फुल-स्पैन लॉन्चिंग मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, साथ में अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सुनीत शर्मा

गर्डर ट्रांसपोर्टर

स्टैडल कैरियर

उपस्थित लोगों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए रेल मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के तहत सरकार भारतीय रेल को देश के समावेशी विकास का इंजन बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय रेल एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें आम जन की भावना समाहित हैं। आज इक्कीसवीं सदी में भविष्य को दृष्टि में रखकर योजनाएं बनाने और उन्हें धरातल पर कार्यान्वित करने की जरूरत है। यह कार्यक्रम उसी नए भारत की तरफ कदम बढ़ाने का एक उदाहरण है।

उल्लेखनीय है कि मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना (एमएएचएसआर) के 508 किमी लंबे मेहराबदार निर्माण के लिए उत्कृष्ट प्रणाली इस्तेमाल की जा रही है। इस निर्माण में फुल-स्पैन लॉन्चिंग प्रणाली (एफएसएलएम) का उपयोग किया जा रहा है। इस प्रौद्योगिकी के जरिये पहले से तैयार पूरी लंबाई वाले गर्डरों को खड़ा किया जाता है, जो बिना जोड़ के पूरे आकार में बने होते हैं। इन्हें दोहरे मेहराबदार ट्रैक के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसकी मदद से निर्माण कार्य में तेजी आती है। एफएसएलएम को दुनिया भर में इस्तेमाल

मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना की प्रगति

- गुजरात में मुम्बई और अहमदाबाद के 508 किमी लंबे गलियारे में से 325 किमी पर काम चालू हो चुका है।
- परियोजना के लिए गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली में 97 प्रतिशत और महाराष्ट्र में 30 प्रतिशत जमीन का अधिग्रहण हो चुका है।
- इस परियोजना से रेल निर्माण की विभिन्न प्रौद्योगिकियों में कुशलता मिलेगी। नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कर्मचारियों और ठेकेदारों को जापानी सहयोगी प्रशिक्षण देंगे।
- परियोजना के विभिन्न निर्माण स्थलों पर 6,000 से अधिक कामगार काम कर रहे हैं। इस तरह स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बन रहे हैं।
- एक अनुमान है कि मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना से इस इलाके में 90 हजार से अधिक रोजगार पैदा होंगे, जिनमें तकनीशियनों, कुशल और अकुशल मजदूरों के 51 हजार रोजगार शामिल हैं।
- परियोजना से इलाके की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी, क्योंकि तब हजारों ट्रकों, डंपरों, खुदाई करने वाली मशीनों, बैचिंग संयंत्रों, सुरंग बनाने के उपकरणों इत्यादि की जरूरत होगी। अनुमान है कि निर्माण में 7.5 मिलियन टन सीमेंट, 2.1 मिलियन टन इस्पात और 70 हजार टन इमारती इस्पात लगेगा।
- नेशनल हाईस्पीड 'रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड' सात हाईस्पीड रेल गलियारों की परियोजनाओं का खाका तैयार कर रहा है। मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना से होने वाले अनुभव से अन्य गलियारों का काम ज्यादा तेजी से होगा।

स्ट्रैडल कैरियर और गर्डर ट्रांसपोर्टर की इंजीनियरिंग विशेषताएं

स्ट्रैडल कैरियर

इस उपकरण का डिजाइन इस तरह तैयार किया गया है कि यह पहले से तैयार पूरे आकार की गर्डरों को ढालने से ले कर भंडार तक और वहां से उसे ऊपरी ढांचे को आधार देने के लिए लगाने तक का काम करता है। यह पहियों पर चलने वाली क्रेन है, जो 1,100 मीट्रिक टन वजन उठा सकती है।

तकनीकी मापदण्ड

अपना स्वयं का भार	845 टन
आयाम	52.5x37.0x21.9 मीटर (लंबाई x चौड़ाई x ऊंचाई)
चलने की गति	1 किमी प्रति घंटा – *भार सहित* 2 किमी प्रति घंटा – *भार रहित*
हुक के ऊपर उठाने और नीचे आने की गति	0.5 मीटर/मिनट – *भार सहित* 1.5 मीटर/मिनट – *भार रहित*
पहियों की कुल संख्या	80 (20 x 4)
पहियों का आयाम	व्यास – 1.82 m
पुर्जों का स्रोत	भारत (85%), जर्मनी, स्पेन और ऑस्ट्रिया (15%)

गर्डर ट्रांसपोर्टर

इस उपकरण को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह पूरे आकार के पहले से तैयार गर्डरों को उठाकर लगाए जाने वाले स्थान तक ला सकता है। यह 27 एक्सेल टायर से चलने वाली ट्रॉली है और इसकी क्षमता 1,100 मीट्रिक टन है।

तकनीकी मापदण्ड

अपना स्वयं का भार	387 टन
आयाम	58.5 x 8.5 x 3.5 मीटर (लंबाई x चौड़ाई x ऊंचाई)
चलने की गति	5 किमी प्रति घंटा – *भार सहित*, 10 किमी प्रति घंटा – *भार रहित*
पहियों की संख्या	216 (27 x 2 x 4)
एक्सेल की संख्या और वजन	27 संख्या और 55 टन/एक्सेल
पुर्जों का स्रोत	भारत (85%), जर्मनी, स्पेन और ऑस्ट्रिया (15%)

करते हैं, जहां मेट्रो प्रणाली के लिए मेहराबदार निर्माण में इससे मदद मिलती है। ऐसी मशीनों के डिजाइन बनाने और उनका निर्माण करने में अब भारत भी इटली, नार्वे, कोरिया और चीन जैसे देशों के समूह में शामिल हो गया है।

कंक्रीट के उपयोग से पहले से तैयार चौकोर गर्डर (प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट-पीएससी) को भी लॉन्च किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इन गर्डरों का भार 700 से 975 मीट्रिक टन है और इनकी चौड़ाई 30, 35 तथा 45 मीटर की है। इन्हें भी एफएसएलएम प्रणाली के जरिये हाई-स्पीड गलियारे के लिए लॉन्च किया जाएगा। सबसे भारी-भरकम पीएससी चौकोर गर्डर का भार 975 मीट्रिक टन है और उसकी लंबाई 40 मीटर है। भारत में एमएएचएसआर परियोजना के लिए पहली बार इसका उपयोग किया जा रहा है।

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बढ़ावा देने के लिए 1,100 मीट्रिक टन क्षमता वाले एफएसएलएम उपकरण को स्वदेशी स्तर पर बनाया गया है। इसका डिजाइन भी यहीं तैयार किया गया है। मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो की चेन्नई स्थित कांचीपुरम की निर्माण इकाई में इसे बनाया गया है। इसके लिए मैसर्स एल-एंड-टी ने 55 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के साथ साझेदारी की थी। उल्लेखनीय है कि इस तरह के 20 लॉन्चिंग उपकरणों की जरूरत गुजरात के वापी और अहमदाबाद के बीच 325 किमी के मेहराबदार निर्माण के लिए होगी। ■

नवसारी में एक और 40 मीटर बॉक्स गर्डर की कास्टिंग शुरू (पेज नं. 28) ▶

रेल मंत्री ने लपटरहित इलेक्ट्रिक पैंट्री कार के जायजा लिया

उत्तर रेलवे ने परम्परागत आईसीएफ डिब्बों के डिजाइन को आधुनिक एवं प्रभावी बनाने के अपने प्रयास जारी रखे हैं। इस संबंध में लखनऊ स्थित आलमबाग कारखाने में एक एलपीजी आधारित पैंट्री कार को लपटरहित इलेक्ट्रिक डिजाइन में बदला गया है। ये डिब्बे सुरक्षित, बेहतर और पर्यावरण अनुकूल हैं। इनसे खतरनाक एवं प्रदूषणकारी जीवाश्म ईंधन (एलजीपी) के इस्तेमाल को भी समाप्त कर दिया गया है।

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने परिवर्तित किए गए पैंट्री कार के प्रोटोटाइप का नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण किया। उनके साथ रेलवे बोर्ड के सदस्य, कर्षण एवं चल स्टॉक, श्री राहुल जैन, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, श्री डी.सी. शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली, श्री डिम्पी गर्ग तथा रेल अधिकारी भी उपस्थित थे। पैंट्री कार के इस नए प्रोटोटाइप में एलएचबी पैंट्री के मानकों के अनुरूप इंडक्शन उपकरण, धुआं एवं अग्निरोधन प्रणाली लगाई गई है। इसके अंडरफ्रेम को अतिरिक्त भार वहन करने की दृष्टि से मजबूत किया गया है। विद्युत संरक्षा बचाव के सभी उपकरणों को आरडीएसओ के मानकों के अनुरूप रखा गया है। कोच के अंदर एलइडी लाइटें लगाई गई हैं। क्षेत्रीय रेलवे द्वारा अपनी परिसम्पत्तियों के उपयोग से प्रणाली को आधुनिक और बेहतर बनाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि ऐसे और भी कोच तैयार किए जाने चाहिए और उन्हें अधिकाधिक उपयोग के लिए नया रूप दिया जाना चाहिए। ■

देश द्वारा 100 करोड़ कोरोना टीकाकरण के लक्ष्य को हासिल करने के मौके पर केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल का दौरा किया। इस अवसर पर श्री वैष्णव ने चिकित्सा कर्मियों एवं टीका लगवाने आए लोगों से बात की।

इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल और मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली श्री डिम्पी गर्ग, अस्पताल की प्रबंधक निदेशक, डॉ. अमिता जैन भी उपस्थित थे। चिकित्सा केंद्रों पर रेल कर्मचारियों, उनके आश्रितों एवं अन्य लोगों को नियमित रूप से टीके लगाए जा रहे हैं। ■

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के फैजाबाद जं. रेलवे स्टेशन का नाम परिवर्तित कर अयोध्या कैन्ट (स्टेशन कोड एवाईसी) किया गया है

रेल मंत्री ने एलएचबी रैक युक्त हीराखंड एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

एलएचबी रेक के साथ हीराखंड एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं केन्द्रीय शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान

रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं केन्द्रीय शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने 10 सितम्बर, 2021 को नए आधुनिक एलएचबी रेल डिब्बों के साथ ट्रेन नंबर 08445/08446 भुवनेश्वर–जगदलपुर–भुवनेश्वर, हीराखंड एक्सप्रेस को रेल भवन, नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा, ''प्रधानमंत्री रेलवे में सुधार लाने की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। सोच एक संपूर्ण परिवर्तन करने की है न कि सिर्फ क्रमिक बदलावों की। हमारी सरकार इन परियोजनाओं को तेजी के साथ आगे बढ़ा रही है। हर साल ओडिशा में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए बजट में लगभग 6,000 से 7,000 करोड़ रुपये मंजूर किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार अपने सम्मानित यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।'' उन्होंने कहा कि हीराखंड एक्सप्रेस में नए आधुनिक एलएचबी रेल डिब्बे लगने से यात्रियों को बेहतर और सुखद यात्रा का अनुभव मिलेगा। श्री प्रधान ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस क्षेत्र में रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर और परियोजनाओं के विकास में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हीराखंड एक्सप्रेस पूर्व तट रेलवे के अंतर्गत भुवनेश्वर से जगदलपुर तक 784 किमी की यात्रा करती है जिसके बीच ट्रेन ओडिशा, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 21 स्टेशनों पर रुकती है। एलएचबी रेल डिब्बे एंटी–टेलीस्कोपिक, सुरक्षित, हल्के और अधिक आरामदायक और झटके मुक्त हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पारंपरिक आईसीएफ रेल डिब्बों को चरणबद्ध तरीके से एलएचबी रेल डिब्बों से बदलने का कार्य किया जा रहा है। ■

हिंदी में उत्कृष्ट कार्य हेतु रेल मंत्रालय सम्मानित

14 सितंबर, 2021 को विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए रेल मंत्रालय को वर्ष–2019–20 के तृतीय कीर्ति पुरस्कार एवं वर्ष 2020–21 के द्वितीय कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रेल मंत्रालय की ओर से श्री मनोज कुमार राम, कार्यपालक निदेशक, स्था (आर) ने गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा एवं श्री निशीथ प्रामाणिक से पुरस्कार ग्रहण किए। ■

ऊधमपुर–श्रीनगर–बारामुला रेल लिंक परियोजना

रेल मंत्री ने परियोजना के कार्यों की समीक्षा की

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 13 सितम्बर, 2021 को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्टेशन पर बुनियादी ढाँचे और यात्री सुविधाओं के विस्तार की आधारशिला रखी। इसके अलावा उन्होंने ऊधमपुर–श्रीनगर–बारामुला रेल लिंक परियोजना पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की। बाद में वे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस में जम्मू के लिए रवाना हुए। इस यात्रा के दौरान उन्होंने सफर कर रहे यात्रियों से भी बातचीत की। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल, ऊधमपुर–श्रीनगर–बारामुला रेल लिंक परियोजना के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, श्री एस. के. झा, मंडल रेल प्रबंधक, फिरोजपुर, डॉ. सीमा शर्मा तथा अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी साथ थे।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 13 सितम्बर, 2021 को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्टेशन के बुनियादी ढाँचे और यात्री सुविधाओं के विस्तार की आधारशिला रखी तथा ऊधमपुर–श्रीनगर–बारामुला रेल लिंक परियोजना पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की

रेल मंत्री के रूप में अपने पहले दौरे पर श्री वैष्णव ने कटड़ा–बनिहाल रेल सेक्शन, जोकि ऊधमपुर–श्रीनगर–बारामुला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है, पर ढाँचागत विकास की आधारशिला रखी। उन्होंने इस विश्व–स्तरीय स्टेशन में मौजूद विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया। देश के अलग–अलग भागों से यहां आए हुए श्रद्धालुओं से उन्होंने बातचीत की। परियोजना के इंजीनियरों द्वारा जम्मू को श्रीनगर से जोड़ने वाली ऊधमपुर- श्रीनगर–बारामुला रेल लिंक परियोजना के अंतिम चरण के कार्य की प्रगति के बारे में बताया। जम्मू से श्रीनगर घाटी को हर मौसम में जोड़ने वाली ऊधमपुर–श्रीनगर–बारामुला रेल लिंक रेल परियोजना 27,949 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही है। भूकम्प की दृष्टि से सक्रियता वाले इस हिमालयी क्षेत्र में रेल लाइन का निर्माण करना एक चुनौती रही है। बनिहाल से बारामुला के 3 सेक्शन पहले ही तैयार हो चुके हैं और सेवा प्रदान कर रहे हैं। कटड़ा–बनिहाल के बीच 111 किमी लम्बे चौथे और अंतिम चरण का कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण हैं क्योंकि इस लाइन पर 97 किमी मार्ग सुरंगों वाला है। इस रेल सेक्शन पर 7 रेलवे स्टेशन प्रस्तावित हैं। समतल भूमि की उपलब्धता न होने के कारण कुछ रेलवे स्टेशन सुरंगों अथवा पुलों पर स्थित हैं। यह रेलमार्ग पूरी तरह से विद्युतीकृत होगा, जिससे इस पर परिचालन की लागत कम होगी और यह पर्यावरण अनुकूल होगा।

इस रेल सेक्शन पर चेनाब पुल और अंजी पुल जैसे प्रतिष्ठित पुल मौजूद हैं। चेनाब नदी की घाटियों पर बने ये पुल निर्माण की दृष्टि से बेहद खूबसूरत हैं। चेनाब पुल एक मेहराबदार ढाँचे वाला पुल है जोकि नदी की तलहटी से 359 मीटर की ऊँचाई पर बना है। बनकर तैयार हो जाने पर यह दुनिया का सबसे ऊँचा पुला होगा। इस पुल के मेहराब को तैयार कर लिया गया है और इसके डैक को बनाने की प्रक्रिया हाल ही में शुरू की गई है। दूसरी ओर अंजी पुल भारत का पहला केबल स्टेड रेल पुल है। इस पुल में 195 मीटर का एक खम्बा होगा, जिसमें 37 से 42 केबल तारें होंगी। खम्बे के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

इस लाइन पर 27 मुख्य सुरंगें हैं, जिनकी कुल लम्बाई 97 किमी है। इनमें से 4 सुरंगों की लम्बाई 9 किमी से ज्यादा है और अन्य 4 सुरंगें 5 किमी से ज्यादा लम्बी हैं। अंतर्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल के अंतर्गत इन सुरंगों के साथ–साथ एस्केप सुरंगों का निर्माण भी किया जा रहा है। इस परियोजना में बनाई जाने वाली सुरंगें नवीनतम न्यू ऑस्ट्रियन सुरंग पद्धति से बनाई जा रही हैं। इन सुरंग परियोजनाओं के परामर्श और डिजाइन के लिए प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदाताओं का सहयोग लिया गया है। तैयार हो जाने पर ये सुरंगें अत्याधुनिक वेंटिलेशन सुविधा और जन उद्घोषणा प्रणाली से युक्त होंगी।

परियोजना की प्रगति पर संतोष प्रकट करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के पूरा हो जाने से जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की चिर–प्रतीक्षित आकांक्षा पूरी होगी, जिससे इस क्षेत्र को हर मौसम में सुलभ रहने वाली एक परिवहन प्रणाली उपलब्ध होगी, उन्होंने इंजीनियरों से आह्वान किया कि वे परियोजना के शेष हिस्से को मिशन मोड में तीव्रता से पूरा करें।

बाद में, रेल मंत्री कटड़ा से सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी से जम्मू के लिए रवाना हुए। उन्होंने मार्ग में सह-यात्रियों से बातचीत की और रेल सेवाओं पर उनके विचार और प्रतिक्रियाएं जानीं। कुछ यात्रियों ने रेल प्रणाली में सुधार के भी सुझाव दिए। अनेक लोगों ने हाल के वर्षों में रेल सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता, स्वच्छता और यात्री सुविधाओं के लिए धन्यवाद दिया। रेल मंत्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस के चालक केबिन में जाकर भी जायजा लिया। जम्मू में रेलगाड़ी से उतरने के बाद रेल मंत्री ने जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और वहां मौजूद यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन पर प्रदर्शित स्टेशन पुनर्विकास योजना को देखा। उन्हें बताया गया कि जम्मूतवी रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना को 226 करोड़ रुपये की लागत से शुरू कर दिया गया है। ■

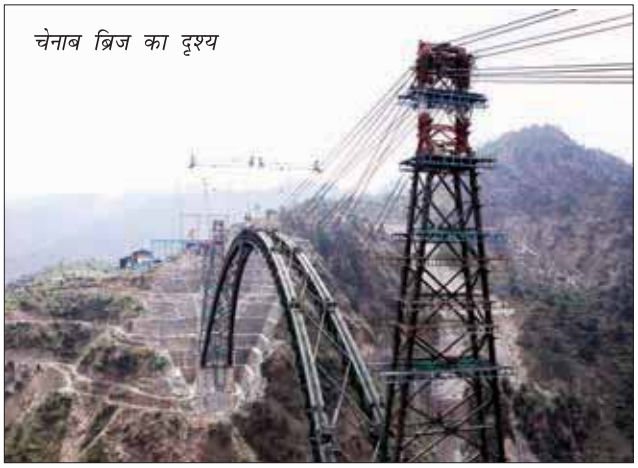
चेनाब ब्रिज का दृश्य

यूएसबीआरएल परियोजना की एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि

जम्मू एवं कश्मीर को एक वैकल्पिक और विश्वसनीय प्रणाली प्रदान करने के मद्देनजर भारत सरकार ने कश्मीर घाटी को भारतीय रेल के नेटवर्क के साथ जोड़ने के लिए जम्मू से बारामूला तक 326 किमी लम्बी रेल लाइन बिछाने की योजना बनाई थी। 326 किमी में से 215 किमी रेलमार्ग का कार्य पूरा हो चुका है और इस मार्ग पर रेलगाड़ियां भी चल रही हैं। कटड़ा-बनिहाल रेल सेक्शन (111 किमी) के शेष हिस्से का कार्य प्रगति पर है। हिमालयी भू-भाग एवं दुर्गम क्षेत्र वाले इस हिस्से में बड़ी संख्या में सुरंगों और पुलों का निर्माण किया जा रहा है।

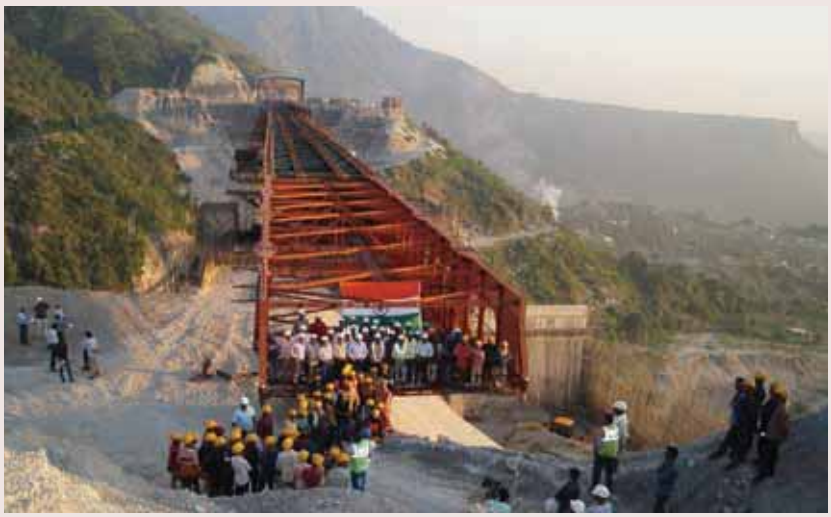

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल ने बताया कि कटड़ा-रियासी के बीच पुल संख्या 39 स्थित है। रियासी यार्ड स्टेशन ऊँचा, आयताकार और पतले खोखले खम्भों के साथ बना एक इंजीनियरिंग चमत्कार होगा। रियासी स्टेशन यार्ड इस पुल पर बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर लगभग 7 हजार मिलियन टन रि-इन्फोर्समेंट स्टील और 6,700 मिलियन टन स्ट्रक्चरल स्टील का इस्तेमाल किया गया है। कटड़ा-रियासी के बीच मेगा पुल संख्या 39 के गर्डर लगाने का कार्य 20 अक्टूबर, 2021 को पूरा हो गया है। इस परियोजना के लिए यह एक मील का पत्थर है। इस पुल की लम्बाई 490 मीटर है। यह पुल 105 मीटर ऊँचे कंक्रीट के खम्भे पर स्थित है। इस पुल के 8 स्पैन हैं। इस पुल पर रियासी स्टेशन यार्ड (मेन लाईन+ लूपलाइन और दोनों ओर प्लेटफॉर्म) का निर्माण किया जाएगा। ■

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेल मंत्री ने 'स्वच्छता पखवाड़े' का शुभारंभ किया

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे पर 'स्वच्छता पखवाड़े' के दौरान स्वच्छता अभियान की शुरुआत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के दौरे के साथ की। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुनीत शर्मा, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल, दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, श्री डिम्पी गर्ग तथा रेलवे बोर्ड व उत्तर रेलवे के अनेक वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

स्टेशन पहुँचने पर रेल मंत्री को स्टेशन प्लेटफॉर्म और रेलपथों की सफाई की पद्धति से अवगत कराया गया। उन्होंने एक कोच में लगी मशीन के माध्यम से फर्श को साफ करने वाली मशीन में दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने फर्श को साफ करने वाले स्कूटर को प्लेटफॉर्म पर कुछ दूरी तक चलाया। उन्हें स्काउट्स एंड गाइड्स स्वयं सेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान के लिए एक जैकेट और कैप भी भेंट की गई।

बाद में उन्होंने प्रतीक्षालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने दिल्ली मंडल की सांस्कृतिक सोसाइटी द्वारा स्वच्छता के महत्त्व पर प्रस्तुत एक नुक्कड़ नाटक भी देखा।

उन्होंने मुसाफिरों की पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्टेशन के अजमेरी गेट की ओर आईआरसीटीसी द्वारा संचालित एक फूड प्लाजा का भी उद्घाटन किया। उन्होंने प्लेटफॉर्म पर फूड स्टॉलों और कियॉस्क का भी निरीक्षण किया और उन्हें परामर्श दिया कि वे सेवाओं के भुगतान के लिए डिजिटल माध्यमों की भी व्यवस्था रखें। रेल मंत्री ने प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों से भी बात की और उनसे भारतीय रेल पर उनके यात्रा अनुभवों को जाना। अधिकतर यात्रियों ने रेलवे द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं की सराहना की। बाद में उन्होंने पावर सब-स्टेशन में विश्वकर्मा पूजा के लिए लगाए गए एक पंडाल का भी दौरा किया और पूजा में भी शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए रेल मंत्री ने प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन की बधाई दी और कहा कि रेलवे एक पखवाड़े तक लम्बे गहन स्वच्छता अभियान की शुरुआत कर रही है। उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों से कहा कि स्वच्छता के इस स्तर को रेल प्रणाली में सदैव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने रेल प्रणाली को चलाने में सहयोग देने वाले रेलकर्मियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि तीव्र और सुविधाजनक यात्रा के लिए और वंदे भारत एक्सप्रेस रेल सेवाएं शुरू की जाएंगी। ■

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे पर स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान स्वच्छता अभियान की शुरुआत की तथा फर्श को साफ करने वाले स्कूटर को प्लेटफॉर्म पर कुछ दूरी तक चलाया

प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों के अनुभव जानते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री ने सर्कुलेटिंग एरिया में ऐप आधारित 'व्हील चेयर सर्विसेज' का भी उद्घाटन किया। गूगल प्ले स्टोर के द्वारा डाउन लोड किए जाने वाले इस ऐप के माध्यम से दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक न्यूनतम दर पर पहले से ही व्हील चेयर सेवा के लिए बुकिंग कर सकते हैं। यह व्हील चेयर मोटरयुक्त और आरामदेह है इस सेवा में एक परिचर द्वारा यात्री को ट्रेन के कोच तक पहुँचाया जाता है।

रेलराज्य मंत्री द्वारा संगलदान रेलवे स्टेशन की इमारत का शिलान्यास

दिनांक 10 अक्टूबर, 2021 को रेल, कोयला और खान राज्यमंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने जम्मू-कश्मीर के पटणीटॉप में अधिकारियों के साथ ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में परियोजना के सीएओ श्री ए.के खंडेलवाल, एजीएम, उत्तर रेलवे श्री नवीन गुलाटी, मंडल रेल प्रबंधक, फिरोजपुर, श्रीमती सीमा शर्मा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इसी दौरे के दौरान आपने संगलदान रेलवे स्टेशन की इमारत की आधारशिला भी रखी। ■

रेल राज्यमंत्री ने जम्मू एवं कश्मीर में चल रही राष्ट्रीय रेल परियोजना की जानकारी ली

रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने कश्मीर घाटी के अपने दौरे के दौरान यूएसबीआरएल में चल रहे कार्यों की समीक्षा की

रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने कश्मीर के अपने दौरे पर ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक नेशनल प्रोजेक्ट (यूएसबीआरएल) में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। श्रीमती जरदोश शुरुआत में श्रीनगर से ट्रेन द्वारा बनिहाल रेलवे स्टेशन पहुंचीं, जिसमें उनके साथ अपर महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे श्री नवीन गुलाटी, मंडल रेल प्रबंधक, फिरोजपुर डॉ. सीमा शर्मा, मुख्य अभियंता यूएसबीआरएल श्री बी.बी.एस. तोमर, कार्यकारी निदेशक, इरकॉन श्री ए.के. गोयल और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। शुरुआत में ट्रेन आपने इंजन के केबिन पर यात्रा की। क्रू सदस्यों द्वारा उन्हें ड्राइविंग प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

आपने खूबसूरत बनिहाल स्टेशन का दौरा किया और टनल टी-80 के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। 11.2 किमी लम्बाई के साथ वर्तमान में यह भारत में सबसे लम्बी रेलवे टनल है। यह विशाल पीर पंजाल हिमालयी रेंज से गुजरती है जो जम्मू-कश्मीर में बनिहाल और काजीगुंड शहरों को जोड़ती है। टनल की निगरानी स्ट्रक्चर के भीतर प्रभावी रेल संचालन के लिए की जाती है। बाद में उन्होंने बनिहाल में इरकान परिसर का दौरा किया जहां उन्हें परियोजना के शेष बचे भाग (कटरा-बनिहाल) के कार्य की प्रगति के बारे में बताया गया। उन्होंने टनल टी-144 का दौरा किया और वहां पर चल रहे कट एवं कवर प्रक्रिया की समीक्षा की। रेल राज्यमंत्री ने बनिहाल के नजदीक पीर पंजाल के भीतर नवनिर्मित नवयुग रोड टनल का भी दौरा किया, और वहां पर उपस्थित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से बातचीत की। काजीगुंड स्टेशन और श्रीनगर रेलवे स्टेशन पर उन्होंने स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। ■

चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन को मिला 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाण-पत्र

भारतीय रेल के चंडीगढ़ स्टेशन को यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाला पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए 5-स्टार 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा मानक खाद्य भंडारण और स्वच्छता की प्रक्रियाओं का पालन करने वाले रेलवे स्टेशनों को यह प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। एफएसएसएआई द्वारा 'ईट राइट स्टेशन' के प्रमाण-पत्र से उन रेलवे स्टेशनों को सम्मानित किया जाता है, जो यात्रियों को सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में मानक स्थापित करते हैं। रेलवे स्टेशन को 1 से 5 तक की रेटिंग वाली एफएसएसएआई पैनल वाली तृतीय-पक्ष ऑडिट एजेंसी के निष्कर्ष पर उक्त प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया किया जाता है।

चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन यह मान्यता प्राप्त करने वाला देश का पांचवां स्टेशन बन गया है। यह प्रमाण-पत्र पाने वाले अन्य रेलवे स्टेशन हैं - आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशन (दिल्ली), छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (मुंबई), मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन और वडोदरा रेलवे स्टेशन।

भारतीय रेल स्टेशन विकास निगम लिमिटेड को 5 रेलवे स्टेशनों – केएसआर बेंगलुरु, पुणे, आनंद विहार, चंडीगढ़ और सिकंदराबाद में सुविधा प्रबंधन का कार्य सौंपा गया है। ■

रेल राज्यमंत्री द्वारा पश्चिम रेलवे की रेल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

रेल, कोयला और खान राज्यमंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे द्वारा 8 सितम्बर, 2021 को पश्चिम रेलवे के मुख्यालय, चर्चगेट, मुंबई में चल रही महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की गई। श्री दानवे ने महाराष्ट्र में पड़ने वाले हिस्से के लिए वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के निदेशक (इन्फ्रा) श्री हरि मोहन गुप्ता, नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के निदेशक (परियोजना) श्री राजेंद्र प्रसाद के अलावा मंडलीय आयुक्त कोंकण और जिला कलेक्टरों के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता रेल राज्यमंत्री श्री दानवे ने की। उन्होंने वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना की समीक्षा की। श्री दानवे को भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया, परियोजना से प्रभावित लोगों (पीएपी) के पुनर्वास सहित इन महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं की नवीनतम प्रगति के विभिन्न चरणों से अवगत कराया गया। रेल राज्य मंत्री ने राज्य सरकार सहित सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित लागत और समयावधि से अधिक लागत और समय से बचने के लिए तयशुदा लक्ष्य अवधि के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने के काम में तेजी लाई जाए। उन्होंने इन 2 महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं का महत्त्व भी प्रतिपादित किया। ■

रेल राज्यमंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे को विरासत मुख्यालय भवन के जीर्णोद्धार के बारे में अवगत कराते हुए महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल, पश्चिम रेलवे

रेल राज्यमंत्री ने उपनगरीय ट्रेन में यात्रा कर यात्रियों के साथ बातचीत की

उपनगरीय ट्रेन के द्वितीय श्रेणी में यात्रा के दौरान यात्रियों से बातचीत करते हुए रेल, कोयला और खान राज्यमंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे

श्री रावसाहेब पाटिल दानवे, रेल, कोयला और खान राज्यमंत्री ने 26 अक्टूबर, 2021 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से दादर तक एक उपनगरीय ट्रेन के द्वितीय श्रेणी में यात्रा की और यात्रियों के बातचीत कर उनके विचार जाने।

दादर में, श्री दानवे, दादर से सावंतवाड़ी रोड के लिए विशेष ट्रेन (फुल टैरिफ रेट स्पेशल) के प्रस्थान के समय उपस्थित थे। उन्होंने पुनः ट्रेन से माटुंगा तक यात्रा की और माटुंगा रेलवे स्टेशन की महिला कर्मचारियों का अभिनंदन किया, जो सभी महिला रेलकर्मियों के साथ पहला रेलवे स्टेशन होने के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल है और उनसे बातचीत भी की। उन्होंने उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछताछ की जाना कि वे उन्होंने उन चुनौतियों का धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ कैसे सामना करती हैं।

रेल राज्यमंत्री ने परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी लेने के लिए प्लेटफॉर्म संख्या 18 (पूर्वी प्रवेश) पर सीएसएमटी स्टेशन पुनर्विकास स्थल का भी दौरा किया। श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री शलभ गोयल, मंडल रेल प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी, निरीक्षण और चर्चा के दौरान उपस्थित थे। इससे पहले रेल राज्य मंत्री को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस की हेरिटेज बिल्डिंग में आरपीएफ की टुकड़ी द्वारा एक स्पेशल गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। ■

मणिपुर के मुख्यमंत्री तथा रेल राज्यमंत्री द्वारा जिरिबाम-सिलचर पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारम्भ

पुनर्बहाल जिरिबाम-सिलचर पैसेंजर ट्रेन को झंडी दिखाते हुए मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री नोंगथोम्बम बीरेन सिंह एवं रेल राज्यमंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे

मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री नांगथोमबाम बीरेन सिंह तथा रेल, कोयला तथा खान राज्यमंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने 29 अगस्त, 2021 को इम्फाल से वीडियो लिंक के जरिए मणिपुर के जिरिबाम तथा असम के सिलचर के बीच पैसेंजर ट्रेन (पुनः आरम्भ) को झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर राज्य के मंत्री, सांसद, विधायक और रेलवे एवं मणिपुर राज्य सरकार के अधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री दानवे ने कहा कि मणिपुर के लोगों की देश के शेष हिस्से तक यात्रा करने की आकांक्षा को रेल पूरा करेगी। रेल राज्यमंत्री तथा मणिपुर के मुख्यमंत्री ने मणिपुर राज्य के विकास के लिए रेलवे की भविष्य की योजना के बारे में भी चर्चा की जहां राज्य सरकार और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पूर्वोत्तर सीमा रेल की रेल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

रेल राज्यमंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने पूर्वोत्तर सीमा रेल की चल रही कई रेलवे परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा भी की। पूर्वोत्तर सीमा रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता ने मंत्री के समक्ष पूर्वोत्तर सीमा रेल (ओपेन लाइन) के सर्वांगीण कार्य निष्पादन संबंधित एक प्रस्तुति भी रखी। पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) के महाप्रबंधक श्री सुनील शर्मा ने पूर्वोत्तर में रेलवे निर्माण की चल रही परियोजना पर एक प्रस्तुति पेश की।

जिरिबाम-इम्फाल नई बीजी रेल लाइन परियोजना का निरीक्षण

रेल, कोयला और खान राज्यमंत्री, श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने 30 अगस्त, 2021 को जिरिबाम-इम्फाल नई बीजी रेल लाइन परियोजना के विभिन्न परियोजना स्थानों का निरीक्षण किया। रेल राज्यमंत्री रेलवे कनेक्टिविटी और परिचालन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए मणिपुर राज्य के 2 दिवसीय दौरे पर थे।

रेल राज्य मंत्री ने मणिपुर के इम्फाल रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। वे परियोजना के निर्माणाधीन सुरंग के अंदर गए तथा सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों में सुरंग के निर्माण कार्य में लगे हुए श्रमिकों से बातचीत भी की। उल्लेखनीय है कि निर्माणाधीन पूरी परियोजना में 71,066 मीटर से भी ज्यादा सुरंग का कार्य है। विभिन्न पहाड़ियों के विशेष भौगोलिक गठन के कारण तरह-तरह की तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषज्ञ सलाहकारों के साथ सलाह-मशविरा कर तकनीकी समाधान निकाले जा रहे हैं, ताकि काम बिना रुकावट के आगे बढ़ सके। इसी तरह कुछ पुल जो इस परियोजना में बनाये जा रहे हैं, वे सुदूर क्षेत्रों पर स्थित हैं। कुछ पुलों के पियर्स कुतुब मीनार की ऊंचाई से भी अधिक हैं। रेलवे इंजीनियरों और निर्माण एजेंसियों ने सभी सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखते हुए इन पुलों का निर्माण अत्यंत सावधानी और गुणवत्ता के साथ संभव किया है।

परियोजना के पूरा होने का लक्ष्य दिसंबर 2023 है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) संगठन 12,264.15 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर जिरिबाम-इम्फाल नई बीजी रेल लाइन परियोजनाओं (110.625 किमी) को क्रियान्वित कर रहा है। इस परियोजना में 8 नए स्टेशन भवन, 11 बड़े पुल, 134 छोटे पुल, 4 रोड ओवर ब्रिज, 12 रोड अंडर ब्रिज शामिल हैं।

भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति के मद्देनजर, इस परियोजना का समय पर पूरा होना काफी महत्त्वपूर्ण है। इस परियोजना के एक बार पूरा हो जाने के बाद, भविष्य में म्यांमार तक रेल संपर्क का विस्तार किया जा सकता है, जो पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को बदलने में मदद करेगा। ■

रेल राज्यमंत्री ने 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत का नया संस्करण राष्ट्र को समर्पित किया

रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत का नया संस्करण राष्ट्र को समर्पित किया

रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 8 अक्टूबर, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गीत का नया संस्करण राष्ट्र को समर्पित किया। इस गाने का नया संस्करण रेलकर्मियों ने तैयार किया है। इस कार्यक्रम के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुनीत शर्मा और रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह गीत भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने और अखिल भारतीय स्तर पर भारतीय रेल की विशिष्ट उपलब्धियों, विकास तथा एकीकरण को प्रदर्शित करने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा की जा रही पहल का हिस्सा है।

इस अवसर पर श्रीमती दर्शना जरदोश ने कहा, ''आजादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में यह गीत विविधता में एकता का प्रतिनिधित्व करता है। इस गाने का नया संस्करण न केवल रेल कर्मचारियों को बल्कि पूरे देश को भी प्रेरित करेगा। इतना ही नहीं, यह गीत आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा देगा।'' यह गीत 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' का एक नया संस्करण है, जिसे पहली बार वर्ष 1988 में स्वतंत्रता दिवस पर प्रसारित किया गया था। इसके लिए मूल गीत के बोल यथावत् रखे गए हैं, लेकिन संगीत को एक नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। यह गीत 13 अलग-अलग भाषाओं में गाया गया है, ताकि सभी क्षेत्रीय रेलवे में सौहार्द की भावना को बढ़ावा दिया जा सके। इस गाने को विशेष रूप से रेलकर्मियों ने गाया है। इसके वीडियो में रेलवे के विभिन्न कर्मचारी, प्रसिद्ध रेलवे खिलाड़ी, टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता, प्रसिद्ध हस्तियां, रेलवे अधिकारी और रेल मंत्री तथा दोनों रेल राज्य मंत्री नजर आ रहे हैं। ■

रेल राज्यमंत्री ने टेक्सटाइल पार्सल स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 4 सितम्बर, 2021 को पश्चिम रेलवे के उधना न्यू गुड्स शेड की पहली टेक्सटाइल पार्सल स्पेशल ट्रेन को पटना के पास दानापुर और मुजफ्फरपुर के पास राम दयालु नगर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (BDU) के निरंतर प्रयासों के कारण उधना न्यू गुड्स शेड में कस्टमाइज्ड एनएमजी वैगनों में पहली बार कपड़े के पार्सलों की लोडिंग की गई है। इस पहल के फलस्वरूप कपड़ा बाजार की विशाल क्षमता के अनुदोहन के उल्लेखनीय अवसर सृजित हुए हैं, जो सूरत शहर और उसके आसपास स्थित कपड़ा उद्योग और गोदाम केंद्रों की परिवहन जरूरतों को बखूबी पूरा करेंगे। इस अवसर पर कारंज के विधायक श्री प्रवीण घोघारी और लिंबायत की विधायक श्रीमती संगीता पाटिल के अलावा FOSTTA यानी फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि, पश्चिम रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल, श्री जीवीएल सत्य कुमार और अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित थे। परिवहन एग्रीगेटरों, ट्रांसपोर्टरों, STGTA जैसे परिवहन संगठनों और FOSTTA एवं SGTTA जैसे कपड़ा निर्माता एवं व्यापारी संगठनों के साथ नियमित बैठकों ने एक सेवा प्रदाता के रूप में रेलवे के प्रति उद्योगों की धारणा बदलने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। गौरतलब है कि हाल ही में पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल ने पहली बार 202.4 टन वजनी टेक्सटाइल पार्सलों को चलथान से कोलकाता के पास स्थित शालीमार तक पहुँचाया है। मुंबई मंडल में इस प्रकार के कपड़ा यातायात को हैंडल करने के उद्देश्य से सूरत, उधना न्यू गुड्स शेड, चलथान और गंगाधरा को एनएमजी वैगन लोडिंग के लिए नामित किया गया है। अत: कोई भी इच्छुक पक्ष इन स्थानों पर इन लोडिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकता है। ■

न्यू गुड्स शेड से टेक्सटाइल पार्सल स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

रेल राज्यमंत्री द्वारा सूरत स्टेशन पर विभिन्न सुविधाओं का उद्घाटन

रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 14 अक्टूबर, 2021 को सूरत स्टेशन पर आयोजित समारोह में सूरत स्टेशन पर सीसीटीवी निगरानी प्रणाली नियंत्रण कक्ष, कोच मार्गदर्शन प्रणाली और वीआईपी कक्ष का उद्घाटन पट्टिका का अनावरण किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ सूरत स्टेशन पर हेरिटेज लोकोमोटिव और सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन किया। महापौर श्रीमती हेमाली बोघावाला, सांसद श्री प्रभुभाई वसावा और विधायक श्री प्रवीणभाई घोघारी, पश्चिम रेलवे के मुंबई के मंडल रेल प्रबंधक श्री जी.वी.एल. सत्यकुमार और विभिन्न वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी इस मौके पर उपस्थित थे।

अपने संबोधन में रेल राज्य मंत्री ने भारतीय रेल द्वारा सूरत क्षेत्र में लाए जा रहे नए और सकारात्मक परिवर्तनों का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सूरत पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल का दूसरा सबसे अधिक यात्री राजस्व अर्जित करने वाला स्टेशन है और यह मुंबई-दिल्ली कनेक्टिविटी लाइन पर एक महत्त्वपूर्ण स्थिति रखता है, जहाँ अक्सर व्यापारियों द्वारा बिजनेस टूर किए जाते हैं। ■

विंटेज लोको के उद्घाटन के पश्चात् गणमान्य व्यक्तियों के साथ सेल्फी लेती हुईं रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

रेल राज्यमंत्री ने गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव पैसेंजर को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव पैसेंजर सेवा को हरी झंडी दिखाते हुए रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

स्थानीय यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए श्रीमती दर्शना जरदोश, रेल और वस्त्र राज्यमंत्री ने 24 सितंबर, 2021 पूर्वोत्तर सीमा रेल मुख्यालय से वीडियो लिंक के जरिये गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव पैसेंजर सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सांसदों में श्रीमती क्वीन ओझा, श्री कृपानाथ मल्लाह, श्री प्रदान बरुआ, श्री भुवनेश्वर कलिता, पल्लब लोचन दास, श्री कामाख्या प्रसाद तासा और श्री तपन कुमार गोगोई भी उपस्थित थे। इससे पहले, रेल राज्य मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ राज्य में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा भी की। उन्होंने असम के महामहिम राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी से भी मुलाकात की और उन्हें राज्य के समग्र आर्थिक विकास के लिए रेलवे संपर्क बढ़ाने के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

रेल राज्य मंत्री ने भी संपर्क, परिचालन और यात्री सुविधाओं से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की। श्री अंशुल गुप्ता, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने मंत्री को पूर्वोत्तर सीमा रेल (ओपन लाइन) के समग्र कार्य निष्पादन पर एक प्रस्तुति दी। श्री सुनील शर्मा महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे (निर्माण) की चल रही परियोजनाओं की एक प्रस्तुति भी दी। ■

रेल राज्यमंत्री ने सूरत-महुवा सुपरफास्ट ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

रेल और वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने सूरत स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में 19 अगस्त, 2021 को सूरत-महुवा सुपरफास्ट विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर गुजरात सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री किशोर कनानी, सूरत की महापौर श्रीमती हेमाली बोघावाला, सांसद श्री प्रभु वसावा तथा विधायक श्री वी. झालावाड़िया, श्री अरविंद राणा एवं श्री प्रवीण घोघारी तथा अन्य गणमान्य अतिथियों सहित पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। सांसद श्री नारण कछाडिया इस समारोह में वीडियो लिंक के जरिये शामिल हुए।

ट्रेन संख्या 09049 सूरत-महुवा विशेष एक्सप्रेस बुधवार और शुक्रवार को छोड़कर अन्य सभी दिनों को सूरत से 22.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 09.05 बजे महुवा पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन

गणमान्य अतिथियों के साथ सूरत-महुवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करती हुईं रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

नंबर 09050 महुवा-सूरत स्पेशल एक्सप्रेस गुरुवार और शनिवार को छोड़कर अन्य सभी दिनों को 19.35 बजे महुवा से रवाना होगी और अगले दिन 06.35 बजे सूरत पहुंचेगी। ■

रेल राज्यमंत्री ने चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस के फेरों में वृद्धि को दिखाई हरी झंडी

फेरों में वृद्धि के बाद चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस का उद्घाटन करती हुईं रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 10 सितम्बर, 2021 को नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन की आवृत्ति को सप्ताह में एक बार से बढ़ाकर दो बार कर दिया गया है। इस अवसर पर बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पर भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां सांसद एवं रेल विभाग से संबंधित स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री राधामोहन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। अब गाड़ी संख्या 14010 आनंद विहार टर्मिनस-बापूधाम मोतिहारी चम्पारण सत्याग्रह एक्सप्रेस आनंद विहार से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को 23.45 बजे खुलकर अगले दिन 18.45 बजे बापूधाम मोतिहारी पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 14009 बापूधाम मोतिहारी- आनंद विहार टर्मिनस चम्पारण सत्याग्रह एक्सप्रेस बापूधाम मोतिहारी से सप्ताह के प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार को 21.10 बजे खुलकर अगले दिन 18.15 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। चंपारण सत्याग्रह की आवृत्ति में वृद्धि से क्षेत्र के लोगों को लाभ होगा और रेल कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। ■

रेल राज्यमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर राज्य में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं के संबंध में चर्चा की

उत्तराखंड में चल रही रेल परियोजनाओं पर चर्चा करते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश। साथ में हैं अन्य अधिकारीगण

रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 26 सितम्बर, 2021 को देहरादून में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने राज्य में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। इस चर्चा के दौरान रेल सेक्शनों का विद्युतीकरण, पहले से मौजूद रेल लाइनों का दोहरीकरण, स्टेशन पुनर्विकास योजनाएं और नई रेल लाइन परियोजनाएं शामिल थीं। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री आशुतोष गंगल, मंडल रेल प्रबंधक, मुरादाबाद, श्री अजय नंदन और उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक के बारे में दोनों मंत्रियों ने कहा कि उत्तराखंड में रेलवे की उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। हिमालय की भूमि वाले इस राज्य में विभिन्न स्थानों के लिए रेल संपर्क लोगों की यात्रा को अधिक सुरक्षित, किफायती और आरामदायक बना देगा। पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील इस क्षेत्र के लिए रेलवे हर मौसम में उपलब्ध रहने वाली पर्यावरण अनुकूल आदर्श जन परिवहन प्रणाली साबित होगी। इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को रोजगार, विपणन और व्यापार के अवसर उपलब्ध होंगे। रेल राज्यमंत्री ने ऋषिकेश के समीप ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना स्थल का दौरा किया। उन्होंने वहां टनल बोरिंग का काम देखा। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ब्रॉडगेज रेल लाइन पर कार्य की स्थिति की समीक्षा करते हुए रेल राज्यमंत्री ने कहा कि यहां तीव्र गति से कार्य चल रहा है और इस प्रतिष्ठित परियोजना को समय पर पूरा करने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रेल परियोजना के साथ-साथ रेलवे सड़कों के निर्माण का कार्य भी कर रही है, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों के कई अनेक दूर-दराज के गांवों को रेल संपर्क मुहैया होगा। चारधाम सर्किट पर बात करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रारंभिक अध्ययन उत्साहजनक रहा है। परियोजना की व्यवहार्यता की विशेषताओं का पता लगाने के लिए सक्षम विशेषज्ञों द्वारा और अधिक सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कई स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाना है। इससे राज्य में आने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को सुविधा होगी।■

चारधाम परियोजना

उद्देश्य : उत्तराखंड राज्य में रेल मार्ग द्वारा चार प्रमुख धामों – गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को परस्पर जोड़ना।

- **वर्तमान स्थिति**
- टोही इंजीनियरिंग सर्वेक्षण करके रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है।
- परियोजना की व्यवहार्यता का अध्ययन करने और प्रस्तावित रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे चल रहा है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना

- ऋषिकेश और कर्णप्रयाग के बीच नई ब्रॉडगेज रेल लाइन उत्तराखंड की एक बहुत महत्त्वपूर्ण विकास परियोजना है।
- ऋषिकेश और कर्णप्रयाग के बीच रेल लिंक उपलब्ध कराने का उद्देश्य उत्तराखंड में स्थित तीर्थस्थलों तक सुगम पहुंच बनाना, नए व्यापार केंद्रों को जोड़ना, पिछड़े क्षेत्रों का विकास करना और क्षेत्र में रहने वाली आबादी को सुविधा प्रदान करना है।
- इस रेल लिंक से यात्रा समय और लागत में काफी कमी आने की उम्मीद है।
- यह रेल लिंक राज्य में औद्योगिक विकास, कुटीर उद्योग, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और राज्य में पर्यटन की संभावनाओं के अवसर उपलब्ध कराएगा।
- यह प्रस्तावित रेल लाइन देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्र प्रयाग और चमौली जिलों से होते हुए देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर और कर्णप्रयाग जैसे महत्त्वपूर्ण शहरों को जोड़ेगी।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर ने रफ्तार पकड़ी

नवसारी में एक और 40 मीटर बॉक्स गर्डर की कास्टिंग शुरू

रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 1 अक्टूबर को एनएचएसआरसीएल के मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए गुजरात के नवसारी कास्टिंग यार्ड में 40 मीटर स्पैन के एक और फुल स्पैन प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (PSC) बॉक्स गर्डर की कास्टिंग का शुभारभ किया। पिछले महीने, 28 अक्टूबर को गुजरात के आणंद में कास्टिंग यार्ड में पहले फुल स्पैन गर्डर की कास्टिंग की गई थी।

इस अवसर पर श्रीमती दर्शना जरदोश ने एनएचएसआरसीएल व एल-टी को बधाई देते हुए कहा, "जब देश कोरोना से झूझ रहा था, तब भी एनएचएसआरसीएल और एल-टी ने कोरोना सम्बंधित सुरक्षा अपनाते हुए जोर-शोर से काम जारी रखा तथा इस प्रोजेक्ट को आज इस मुकाम तक पहुंचाया।" उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट पर काम बहुत तेजी से चल रहा है और जल्दी ही यह इंफ्रास्ट्रक्चर दिखाई देने लगेगा।

40 मीटर स्पैन का पीएससी बॉक्स गर्डर का वजन लगभग 970 मीट्रिक टन है, जो भारत के निर्माण उद्योग में सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर होगा। 40 मीटर स्पैन गर्डर को सिंगल पीस के रूप में कास्ट किया जा रहा है यानी बिना किसी निर्माण जोड़ के, जिसमें 390 घन मीटर कंक्रीट और 42 मीट्रिक टन स्टील शामिल है।

वायडक्ट के निर्माण में तेजी लाने के लिए, सबस्ट्रक्चर और सुपरस्ट्रक्चर का निर्माण समानांतर में किया गया है। सबस्ट्रक्चर यानी पाइल, पाइल कैप, पियर और पियर कैप का काम प्रगति पर है, सुपरस्ट्रक्चर के लिए फुल स्पैन गर्डर्स और सेगमेंटल गर्डर्स को कास्ट करने के लिए सरेखण के साथ कास्टिंग यार्ड विकसित किया गया है ताकि उन्हें कास्ट पियर कैप्स पर भारी मशीनियों का उपयोग करके लॉन्च किया जा सके।

सुपरस्ट्रक्चर के लिए अधिकांश गर्डर 30,35 और 40 मीटर लंबे पूरे स्पैन के होंगे। हालांकि उन स्थानों के लिए जहां साइट की कमी है, प्रीकास्ट सेगमेंट के सेगमेंटल लॉन्चिंग का उपयोग किया जाएगा। सेगमेंटल गर्डर की तुलना में फुल स्पैन गर्डर को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि फुल स्पैन गर्डर लॉन्चिंग प्रगति सेगमेंटल गर्डर लॉन्चिंग की तुलना में सात गुना तेज होती है।

गर्डरों की कास्टिंग के लिए सरेखण के साथ-साथ 23 कास्टिंग यार्ड विकसित किए जा रहे हैं। प्रत्येक कास्टिंग यार्ड आवश्यकता के अनुसार 16 से 93 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है और हाई-स्पीड रेल एलाइनमेंट के निकट स्थित है। गुणवत्ता के साथ गर्डरों की शीघ्र कास्टिंग के लिए, प्रत्येक कास्टिंग यार्ड में रिबर केज बनाने के लिए जिग्स, हाइड्रोलिक रूप से संचालित प्री-फैब्रिकेटेड मोल्ड्स के साथ कास्टिंग बेड, बैचिंग, प्लांट, एग्रीगेट स्टैकिंग एरिया, सीमेंट साइलो, गुणवत्ता प्रयोगशाला और वर्कमैन कैंप जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं।

फुल स्पैन प्री-कास्ट बॉक्स गर्डर्स को स्ट्रैडल कैरियर, ब्रिज लॉन्चिंग गैंट्री, गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैन्ट्री जैसी भारी मशीनरी का उपयोग करके लॉन्च किया जाएगा। लॉन्चिंग के लिए गर्डरों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बॉक्स गर्डरों की कास्टिंग अग्रिम रूप से कास्टिंग यार्ड में की जाएगी और व्यवस्थित तरीके से स्टैक की जाएगी। स्ट्रैडल कैरियर बॉक्स गर्डर को स्टैकिंग यार्ड से उठाएगा और ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री को फीड करेगा, जो बॉक्स गर्डर को उठाएगा और गर्डर को पियर कैप पर बियरिंग्स के ऊपर रखेगा। ब्रिज लॉन्चिंग गैंट्री पहले 3-4 बॉक्स गर्डर्स लॉन्च करेगी, जिस पर गर्डर ट्रांसपोर्टर रखा जाएगा और गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैंट्री का उपयोग करते हुए क्रमिक तरीके से गर्डर्स की लॉन्चिंग आगे भी जारी रहेगी।

लॉन्चिंग के लिए कास्टिंग यार्ड और भारी मशीनरी की योजना इस तरह से बनाई गई है कि एक महीने में लगभग 300 फुल स्पैन बॉक्स गर्डर कास्टिंग और लॉन्चिंग की चरम आवश्यकता को पूरा किया जा सके, जो एक महीने में लगभग 12 किमी सुपरस्ट्रक्चर कास्टिंग और इरेक्शन के बराबर है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट (एमएएचएसआर) 508 किमी लंबा है। 508 किमी में से, 352 किमी गुजरात राज्य (348 किमी) और दादर और नगर हवेली (4 किमी) में और शेष 156 किमी महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। मैसर्स एलएंडटी 352 किमी में से, 325 किमी लंबाई के लिए कार्यकारी एजेंसी है। उन्हें दो पैकेज यानी C4 (237 किमी) और C6 (88 किमी) का ठेका दिया गया है। ■

रेल अस्पतालों में लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट्स राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एम्स, ऋषिकेश से वेबलिंक टेलिकास्ट के माध्यम से 07 अक्टूबर, 2021 को नवनिर्मित प्रत्येक राज्य एवं प्रत्येक केंद्र शासित प्रदेश में पीएसए आधारित ऑक्सीजन प्लांट्स का उद्घाटन किया। इसी क्रम में भारतीय रेल के रेल अस्पतालों में लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट्स भी राष्ट्र को समर्पित किए गए

कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की संभावनाओं के मद्देनजर देश के अन्य अस्पतालों की तरह ही भारतीय रेल ने भी अपने अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगा दिए हैं। इस क्रम में उत्तर रेलवे के दिल्ली, अम्बाला, फिरोजपुर और लखनऊ स्थित मंडल अस्पतालों में पीएसए ऑक्सीजन प्लांट लगाए गए हैं। 7 अक्टूबर, 2021 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एम्स, ऋषिकेश से प्रत्येक राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में पीएसए ऑक्सीजन प्लांटों के उद्घाटन के साथ ही उत्तर रेलवे के 6 अस्पतालों में लगाए गए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट भी राष्ट्र को समर्पित कर किए गए।

उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल में लगाए गए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट को अस्पताल परिसर में आयोजित एक समारोह में श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल, उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल की चिकित्सा निदेशक, डॉ. अमिता जैन, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली, श्री डिम्पी गर्ग, उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल के चिकित्साकर्मी और उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के केन्द्रीय अस्पताल, मालेगांव, गुवाहाटी में 500 एलपीएम क्षमता के पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन कर 40 शैय्या वाले आइसोलेशन वार्ड की आधारशिला रखती हुई रेल एवं वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश। साथ में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक, श्री अंशुल गुप्ता

एक अन्य कार्यक्रम में दिल्ली जं. रेलवे स्टेशन के निकट मंडल अस्पताल में लोकसभा सांसद, डॉ. हर्षवर्धन द्वारा पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया गया। इस समारोह के दौरान उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक, श्री नवीन गुलाटी, अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. मान सिंह और मंडल के अनेक अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

चिरेका में स्थापित पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का शुभारंभ डॉ. सुभास सरकार, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा किया गया। इस मौके पर श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक, चिरेका चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी और कर्मचारियों की उपस्थित थे। ■

रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर, पूर्वोत्तर रेलवे

सांसद, श्री रवि किशन शुक्ला ने 15 अगस्त, 2021 को ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में 500 लीटर प्रति मिनट क्षमता वाले नवस्थापित ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनय कुमार त्रिपाठी तथा अन्य रेलकर्मी उपस्थित थे। ■

मंडलीय रेलवे चिकित्सालय, बादशाह नगर, लखनऊ, पूर्वोत्तर रेलवे

पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक, श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने मंडलीय रेलवे चिकित्सालय, बादशाहनगर, लखनऊ में 500 लीटर प्रति मिनट क्षमता वाले नवस्थापित ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र एवं पाइप्ड ऑक्सीजन वितरण प्रणाली का शुभारम्भ 04 सितम्बर, 2021 को किया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल की मंडल रेल प्रबन्धक डॉ. मोनिका अग्निहोत्री, अपर मंडल रेल प्रबन्धक (परिचालन) श्री शिशिर सोमवंशी, अपर मंडल रेल प्रबन्धक (इंफ्रा) श्री संजय यादव, अपर मंडल रेल प्रबन्धक (प्रशासन) श्री राघवेन्द्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय श्रीवास्तव तथा शाखाधिकारी उपस्थित थे। ■

मंडल चिकित्सालय, वाराणसी, पूर्वोत्तर रेलवे

पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने वाराणसी मंडल चिकित्सालय में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सौजन्य से निर्मित एवं आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के सी.एस.आर. फण्ड द्वारा वित्त पोषित 250 लीटर प्रति मिनट क्षमता के ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट का उद्घाटन 06 अगस्त, 2021 को किया।

यह ऑक्सीजन प्लांट पूर्वोत्तर रेलवे का पहला प्लांट है। इस अवसर पर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक श्री आर.के. जैन, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक से चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री अनुज अग्रवाल, मंडल रेल प्रबन्धक श्री वी.के. पंजियार तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। ■

केंद्रीय चिकित्सालय, जबलपुर, भोपाल एवं कोटा, पश्चिम मध्य रेल

दिनाँक 15 अगस्त 221 को पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं पमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना सिंह द्वारा केन्द्रीय चिकित्सालय जबलपुर, भोपाल एवं कोटा के ऑक्सीजन प्लांट्स का शुभारम्भ किया गया। पश्चिम मध्य रेल के केंद्रीय चिकित्सालय जबलपुर में 600 लीटर प्रति मिनट, भोपाल में 500 लीटर प्रति मिनट एवं कोटा में 500 लीटर प्रति मिनट की क्षमता के साथ ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए गए हैं। केंद्रीय चिकित्सालय जबलपुर में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट पूरे महाकौशल क्षेत्र का पहला ऑक्सीजन प्लांट है। ■

मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश ने तीन मेमू ट्रेन सेवाओं का शुभारम्भ किया

यात्री सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करना हमेशा से ही पश्चिम मध्य रेल की प्राथमिकता रही है। इसी शृंखला में 13 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश, श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा वर्चुअल माध्यम से 03 मेमू ट्रेनों (सतना-कटनी-इटारसी, सतना-मानिकपुर एवं कटनी-बीना मेमू ट्रेन) का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में सांसद, सतना, श्री गणेश सिंह, सतना से एवं सांसद, खजुराहो, श्री विष्णु दत्त शर्मा, मुख्यमंत्री के साथ सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मेमू ट्रेनों के चलने से विशेषकर विंध्य, महाकौशल के क्षेत्रवासियों का अत्याधिक विकास होगा। विशेषकर प्रतिदिन आने जाने वाले मासिक सीजन टिकटधारी यात्रियों को एवं व्यापारियों को बहुत अधिक राहत मिलेगी। कटनी एवं सतना के विकास के लिए रेलवे पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ■

सतना-कटनी-इटारसी, सतना-मानिकपुर एवं कटनी-बीना मेमू ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश, श्री शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण मध्य रेलवे ने पहली बार लंबी दूरी की 2 मालगाड़ियों 'त्रिशूल' और 'गरुड़' का सफलतापूर्वक संचालन किया

भारतीय रेल ने दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) पर पहली बार दो लंबी दूरी की मालगाड़ियों 'त्रिशूल' और 'गरुड़' का सफलतापूर्वक संचालन किया है। मालगाड़ियों की सामान्य संरचना से दोगुनी या कई गुना बड़ी, लंबी दूरी की यह रेल महत्त्वपूर्ण सेक्शनों में क्षमता की कमी की समस्या का एक बहुत प्रभावी समाधान प्रदान करती हैं। 'त्रिशूल' दक्षिण मध्य रेलवे की पहली लंबी दूरी की रेल है, जिसमें तीन मालगाड़ियां यानी 177 वैगन शामिल हैं। यह रेल 7 अक्टूबर, 2021 को विजयवाड़ा मंडल के कोंडापल्ली स्टेशन से पूर्वी तट रेलवे के खुर्दा मंडल के लिए रवाना हुई थी। दमरे ने इसके बाद 08 अक्टूबर, 2021 को गुंतकल मंडल के रायचूर से सिकंदराबाद मंडल के मनुगुरु तक इसी तरह की एक और रेल को रवाना किया और इसे 'गरुड़' नाम दिया गया है। दोनों ही मामलों में लंबी दूरी की रेलों में मुख्य रूप से थर्मल पावर स्टेशनों के लिए कोयले की लदान के लिए खाली खुले वैगन शामिल थे। दमरे भारतीय रेल पर पांच प्रमुख माल ढुलाई वाले रेलवे में से एक है।

विशाखापत्तनम-विजयवाड़ा- गुडुर-रेनिगुंटा, बल्लारशाह-काजीपेट-विजयवाड़ा, काजीपेट-सिकंदराबाद-वाडी, विजयवाड़ा-गुंटूर-गुंतकल खंडों जैसे कुछ मुख्य मार्गों पर दमरे थोक माल के यातायात का संचालन करता है। चूंकि इसके अधिकांश माल यातायात को इन प्रमुख मार्गों से होकर गुजरना पड़ता है, इसलिए दमरे के लिए इन महत्त्वपूर्ण सेक्शनों में उपलब्ध प्रवाह क्षमता को अधिकतम करना आवश्यक है। लंबी दूरी की इन रेलों के माध्यम से परिचालन में भीड़भाड़ वाले मार्गों पर पथ की बचत, शीघ्र आवागमन समय, महत्त्वपूर्ण सेक्शन में प्रवाह क्षमता को अधिकतम करना, चालक दल में बचत करना जैसे लाभ शामिल हैं। इन उपायों के माध्यम से भारतीय रेल अपने मालवाहक ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने में मदद करती है। ■

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दो विस्टाडोम टूरिस्ट स्पेशल ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ

पूर्वोत्तर और उत्तर बंगाल क्षेत्रों के पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए 28 अगस्त, 2021 को दो विस्टाडोम टूरिस्ट स्पेशल सेवाओं को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। गुवाहाटी-न्यू हाफ्लांग के बीच विशेष विस्टाडोम ट्रेन सेवा को श्री बिमल बोरा, खेल और युवा कल्याण सांस्कृतिक मामलों, बिजली और पर्यटन मंत्री, असम ने श्रीमती क्वीन ओजा, सांसद, लोकसभा, गुवाहाटी, श्री देवोलाल गॉरलोसा, एनसी हिल्स स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य की उपस्थिति में गुवाहाटी में झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री अंशुल गुप्ता, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सरकार के पर्यटन विभाग के निदेशक, सचिव और आयुक्त भी मौजूद थे।

न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर आयोजित एक अन्य समारोह में न्यू जलपाईगुड़ी-अलीपुरद्वार जंक्शन के बीच विस्टाडोम विशेष ट्रेन सेवा को श्री जॉन बरला, केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। डॉ. जयंत कुमार रॉय, सांसद, लोकसभा, श्रीमती शिखा चटर्जी, विधायक, श्री शंकर घोष, विधायक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ■

सांसदों संग महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बैठक

सांसदों संग महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बीच हुई बैठक का दृश्य

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में संसदीय क्षेत्रों के सांसदों की बैठक महाप्रबंधक बिलासपुर श्री आलोक कुमार के साथ श्री विजय बघेल, सांसद दुर्ग की अध्यक्षता में मंडल कार्यालय के सभाकक्ष में 7 अक्टूबर, 2021 को आयोजित की गई। बैठक में श्रीमती छाया वर्मा, सांसद, राज्यसभा, श्री के.टी. एस. तुलसी सांसद, राज्यसभा, श्री सुनील कुमार सोनी, सांसद, लोकसभा (रायपुर), श्री. मोहन मंडावी, सांसद, लोकसभा, (कांकेर) एवं अन्य सांसदों के प्रतिनिधि, मंडल रेल प्रबंधक रायपुर श्री श्याम सुन्दर गुप्ता एवं वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर ने रायपुर रेल मंडल में चल रहे विकासात्मक कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। सांसदों ने कहा कि सरकार के संकल्प को पूरा करने हेतु छत्तीसगढ़ के अन्य क्षेत्रों में भी रेल परिवहन की सुविधा प्रदान की जाए ताकि वहां के युवकों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हों। छत्तीसगढ़ की खनिज, अयस्क, वन-सम्पदा का लाभ पूरे देश को मिले एवं छत्तीसगढ़ का हर क्षेत्र रेल मार्ग से पूरी तरह जुड़ सके। इसी कड़ी में बस्तर क्षेत्र का रेल विकास, रेल परियोजनाओं में गतिशीलता, दैनिक यात्री ट्रेनों, स्थानीय स्तर की समस्याओं, रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल, रेलवे हॉस्पिटल का विस्तार, दुर्ग स्टेशन पर दूसरे छोर पर भी यात्री सुविधाओं में विकास करने, रेल परिचालन, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की। महाप्रबंधक ने बैठक में उठाए गए सभी सुझाव एवं विकास कार्यों को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास करने के प्रति आश्वस्त किया। ■

पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता कैसे प्राप्त करें
देखें पेज नं. 38-39 पर

पूर्वोत्तर रेलवे के 4 स्टेशनों पर सांसदों ने लहराए 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज

फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन : श्री मुकेश राजपूत, सांसद ने 30 अगस्त, 2021 को फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में 100 फीट ऊँचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में श्री अशोक सिद्धार्थ, सांसद, राज्य सभा, मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, विधायक, श्री आशुतोष पन्त, मंडल रेल प्रबन्धक, इज्जतनगर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनता उपस्थित थी। ■

कन्नौज रेलवे स्टेशन : श्री सुब्रत पाठक, सांसद ने कन्नौज रेलवे स्टेशन पर 30 अगस्त, 2021 को आयोजित एक कार्यक्रम में 100 फीट ऊँचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर श्री आशुतोष पन्त, मंडल रेल प्रबन्धक, इज्जतनगर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनता उपस्थित थी। ■

बदायूँ रेलवे स्टेशन : श्री बी.एल. वर्मा, केन्द्रीय सहकारिता एवं पूर्वोत्तर विकास राज्यमंत्री ने 21 सितम्बर, 2021 को बदायूँ रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में 100 फीट ऊँचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में श्री महेश गुप्ता, राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री राजीव कुमार सिंह, विधायक, श्री अजय वार्ष्णेय, अपर मंडल रेल प्रबन्धक, इज्जतनगर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनता उपस्थित थी। ■

पीलीभीत रेलवे स्टेशन : श्री वरुण गांधी, सांसद ने 24 सितम्बर, 2021 को पीलीभीत रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में 100 फीट ऊँचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम में श्री किशन लाल राजपूत, विधायक, श्री आशुतोष पंत, मंडल रेल प्रबन्धक, इज्जतनगर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनता उपस्थित थी। ■

आपकी पसंदीदा

भारतीय रेल

पत्रिका अब

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आरडीएसओ का दौरा किया

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुनीत शर्मा ने 28 अगस्त, 2021 को आरडीएसओ का दौरा किया। अपने दौरे पर श्री शर्मा ने आरडीएसओ के अतिरिक्त मंडल अस्पताल में अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली तथा पुनर्निर्मित व्यायामशाला का भी उद्घाटन किया। इस दौरे में उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री आशुतोष गंगल भी श्री शर्मा के साथ थे।

इस अवसर पर आरडीएसओ के विविध विभागाध्यक्षों द्वारा हाल की उपलब्धियों और वर्तमान में चल रही परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए विस्तृत प्रस्तुति दी गई। श्री शर्मा ने आरडीएसओ के यूटीएचएस निदेशालय द्वारा विकसित ऑनलाइन मेट्रो प्रमाणन मॉड्यूल का औपचारिक उद्घाटन किया। यह ऑनलाइन प्रमाणन मॉड्यूल आगामी मेट्रो रेल परियोजनाओं की त्वरित प्रमाणन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाएगा।

श्री सुनीत शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से पिछले कुछ वर्षों में आरडीएसओ के प्रयासों की सराहना की और विज्ञान

और प्रौद्योगिकी के तेजी से बदलते परिवेश के बीच और सुधार का आग्रह किया। श्री शर्मा ने आरडीएसओ के अधिकारियों को खुद को फिर से संरेखित करने और परिवर्तनों को अपनाने और अपने ज्ञान के आधार और मूल दक्षताओं को बढ़ाने पर जोर दिया। महानिदेशक, आरडीएसओ श्री संजीव भुटानी ने आरडीएसओ श्री शर्मा को आश्वासन दिया कि आरडीएसओ उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और सभी शोध कार्यों को समय पर पूरा करेगा। ■

रेलवे राजस्व बढ़ाने और अनावश्यक खर्चों में कटौती की सदस्य (वित्त) की सलाह

कोटा मंडल के दौरे पर आए श्री नरेश सालेचा ने पहले सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का सघन निरीक्षण किया। उसके बाद सवाईमाधोपुर से कोटा तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया तथा उसके पश्चात् मंडल कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज शर्मा तथा शाखा अधिकारियों के साथ बैठक करके कोटा मंडल में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। श्री सालेचा ने बैठक में कहा कि भारतीय रेल को हर मद में राजस्व बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण भी आज की आवश्यकता है। उन्होंने कोटा मंडल में प्रगतिशील कार्यों की सराहना की और आय बढ़ाने हेतु सभी को मिलजुल कर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। ■

महानिदेशक, आरपीएफ ने उत्तर रेलवे मुख्यालय का दौरा किया

रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिदेशक श्री संजय चंदर ने 8 अक्टूबर, 2021 को उत्तर रेलवे के मुख्यालय कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक और पीएचओडी के साथ भी बातचीत की। श्री चंदर को उत्तर रेलवे आरपीएफ कॉन्टिंजेंट कर्मी और बैंड द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने पीसीएससी आरपीएफ कार्यालय में कार्यरत सभी आरपीएफ अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने उत्तर रेलवे /

आरपीएफ के काम-काज और उसके प्रदर्शन की समीक्षा की जिसमें पीसीएससी, सीएससी, सीनियर डीएससी और एएससी इत्यादि अधिकारी मौजूद थे। ■

भारतीय रेल की अक्टूबर माह में भी माल ढुलाई की आय और लदान में उच्च गति को बरकरार

भारतीय रेल के लिए अक्टूबर,2021 के दौरान माल ढुलाई के आंकड़े आय और लदान के मामले में उच्च गति को बरकरार रखे हुए हैं।

मिशन मोड पर, अक्टूबर 2021 के लिए भारतीय रेल की माल लदान पिछले वर्ष की लदान और इसी अवधि के लिए आय की सीमा को पार कर गया। भारतीय रेल का लदान 117.34 मिलियन टन रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की लदान (109.01 मिलियन टन) की तुलना में 7.63% अधिक है। इस अवधि में, भारतीय रेल ने माल ढुलाई से 12311.46 करोड़ रुपये की कमाई की जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की आय (रु. 10416.60 करोड़) की तुलना में 18.19% अधिक है। अक्टूबर, 2021 के दौरान,भारतीय रेल की लदान 117.34 मिलियन टन थी जिसमें 54.65 मिलियन टन कोयला,12.80 मिलियन टन लौह अयस्क, 6.30 मिलियन टन खाद्यान्न, 4.18 मिलियन टन उर्वरक, 3.97 मिलियन टन खनिज तेल और 7.37 मिलियन टन सीमेंट (क्लिंकर को छोड़कर) शामिल हैं। यह बात गौर करने वाली है कि रेलवे माल ढुलाई को बेहद आकर्षक बनाने के लिए भारतीय रेल में कई तरह की रियायतें/छूट भी दी जा रही हैं। ■

सचिव, रेलवे बोर्ड ने सरदार पटेल से संबंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में दीप प्रज्ज्वलित कर सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से संबंधित तस्वीरों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए रेलवे बोर्ड के सचिव श्री आर.एन. सिंह

राष्ट्रीय एकता दिवस-लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय रेल संग्रहालय ने 31 अक्टूबर, 2021 को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन रेलवे बोर्ड के सचिव श्री आर. एन. सिंह ने किया। इस प्रदर्शनी में सरदार पटेल के जीवन से संबंधित प्रमुख घटनाओं से जुड़ी तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। यह प्रदर्शनी 14 नवंबर तक चलेगी।

श्री सिंह ने प्रदर्शनी में दर्शाई गई सरदार पटेल के जीवन की विभिन्न घटनाओं से संबंधित तस्वीरें देखीं। इनमें सरदार पटेल का बचपन, छात्र जीवन, खेड़ा जिले में किसानों पर कर में वृद्धि के खिलाफ आंदोलन, बारडोली किसान आंदोलन, अहमदाबाद नगर पालिका के चुनाव और स्वच्छता समिति की अध्यक्षता, महात्मा गांधी के साथ बैठक तथा स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान और भारत में 500 सौ से अधिक रियासतों के एकीकरण में उनकी भूमिका से जुड़ी हुई तस्वीरें लगाई गई हैं। श्री सिंह ने प्रदर्शनी के आयोजन में राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, धरोहर श्रीमती विनीता श्रीवास्तव, राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के निदेशक श्री आशीष गुंडल तथा बड़ी संख्या में रेल अधिकारी उपस्थित थे। ■

हमारे नए महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे : श्री प्रमोद कुमार

इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (आईआरएसईई 1984 बैच) के अधिकारी श्री प्रमोद कुमार ने 30 जुलाई, 2021 को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है।

आपने मध्य रेलवे के झांसी और जबलपुर मंडलों में विद्युत इंजीनियरिंग संबंधी विभिन्न कार्य क्षेत्रों, जैसे कर्षण वितरण, इंजनों के रखरखाव और संचालन, निर्माण, सामान्य सेवाओं आदि में कार्य किया और न्यू कटनी जंक्शन पर इलेक्ट्रिक लोकोशेड की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभाई।

मुख्य परियोजना निदेशक/आरई/जयपुर के पद पर काम करते हुए भारतीय रेल की पहली हाई राइज ओएचई की स्थापना आपके उल्लेखनीय योगदानों में से एक है। आपने अपर मंडल रेल प्रबंधक जयपुर, मंडल रेल प्रबंधक मुरादाबाद, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे के रूप में कार्य किया है। वर्तमान नियुक्ति से पूर्व आप अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रूप में कार्यरत थे।

प्रयागराज के साथ आपका जुड़ाव 2006 से है, जब आपने उप मुख्य सतर्कता अधिकारी, कोर और फिर मुख्यालय में सीईएसई के रूप में कार्य किया, जहां आप विभिन्न अवसंरचना कार्य संबंधी योजना और निष्पादन से जुड़े थे। ■

महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे : श्री आलोक कुमार

भारतीय रेल मैकेनिकल इंजीनियरिंग सर्विस के वरिष्ठ अधिकारी (एससीआरए 1981 बैच) श्री आलोक कुमार ने 30 जुलाई, 2021 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पद भार ग्रहण किया। आपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग, लंदन के इंजीनियरिंग काउंसिल से पूरा किया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में बैचलर डिग्री हासिल किया तथा बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हासिल की। इससे पूर्व आप पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। कॉनकोर में कार्य के दौरान ड्राय पोर्ट्स के संबंध में अभिनव कार्य किए। आपने मॉडर्न कोच

फैक्ट्री में चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर के तौर पर हाई स्पीड रेलवे कोच के मैन्युफैक्चरिंग के लिए मॉडर्न प्लांट को तैयार करने वाली टीम का और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रहते हुए भारतीय रेल वर्कशॉप में इंडस्ट्री 4.0 क्रियान्वयन करने वाली टीम का नेतृत्व किया।

आपने एडवांस मैनेजमेंट की ट्रेनिंग सीएमयू पिट्सबर्ग; एसडीए बॉस्नी, मिलान; एपीईसी, एंटवर्प; आईआईएम अहमदाबाद और आईएसबी हैदराबाद से ली है। आपको बेस्ट प्रोजेक्ट के लिए रेल मंत्री अवार्ड, जीएम एफिशिएंसी मंडल तथा इंजीनियरिंग अध्ययन के दौरान इंस्टीट्यूट के प्रदान किया गया। ■

हमारे नए महाप्रबंधक, आरडीएसओ : श्री संजीव भुटानी

श्री संजीव भुटानी ने 30 जुलाई, 2021 को महानिदेशक/आरडीएसओ के पद पर कार्यग्रहण किया। आप आईआरएसईई 1984 बैच के अधिकारी हैं।

आपने रतलाम, वडोदरा, कोटा एवं मुंबई सेंट्रल मंडल में विद्युत कर्षण वितरण, दक्षिण पूर्व रेलवे एवं पश्चिम रेलवे के विद्युत (निर्माण) और राइट्स लि. में शहरी यातायात में एसबीयू हेड के रूप में सेवा प्रदान की है। आपने हिटैची/जापान में प्रशिक्षण टीम लीडर के रूप में प्राप्त किया तथा चिरेका में हिटैची ट्रैक्शन मोटर की निर्माण सुविधाएं स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपने 10 से अधिक मेट्रो

रेलों हेतु डीपीआर तैयार की तथा अहमदाबाद मेट्रो हेतु अनुरक्षण डिपो, विद्युत आपूर्ति तथा कर्षण प्रणाली हेतु डिजाइन परामर्श प्रदान किया। पश्चिम रेलवे में पी.सी.ई.ई. के रूप में कार्य करते हुए आपने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2019 एवं 2020 अर्जित किया। आपने विश्व के सबसे ऊंचे ओएचई के नीचे विद्युत कर्षण की डबल स्टेक कंटेनर सेवाओं का परिचालन करवाया। आपने अंतर्राष्ट्रीय रेल सामरिक प्रबंधन कार्यक्रम में शामिल होने हेतु फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका एवं अमेरिका का दौरा किया। आपने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार तथा 3 महाप्रबंधक पुरस्कार प्राप्त किए गए हैं। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी नीमच-रतलाम तथा राजकोट-कनालूस रेल लाइनों के दोहरीकरण की मंजूरी

नीमच-रतलाम रेल लाइन

लागत

₹ 1,095.88 अनुमानित (करोड़ में)

₹ 1,184.67 बढ़ी हुई/कार्य समापन (करोड़ में)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने नीमच-रतलाम रेल लाइन के दोहरीकरण की मंजूरी दी है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1,095.88 करोड़ रुपये और बढ़ी हुई/कार्य समापन लागत 1,184.67 करोड़ रुपये होगी। इस लाइन के दोहरीकरण की कुल लंबाई 132.92 किमी है। यह परियोजना 4 साल में पूरी होगी। नीमच-रतलाम खंड की लाइन क्षमता उपयोग रख-रखाव ब्लॉकों के साथ 145.6 प्रतिशत तक है। इस परियोजना मार्ग खंड पर बिना रख-रखाव ब्लॉक के भी अधिकतम क्षमता से भी कहीं अधिक माल ढुलाई यातायात हो गया है। सीमेंट कंपनियों के कैप्टिव पॉवर प्लांट के लिए मुख्य आवक माल यातायात के रूप में कोयले की ढुलाई की जाती है। नीमच-चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में सीमेंट ग्रेड, चूना पत्थर के विशाल भंडारों की उपलब्धता होने से नए सीमेंट उद्योगों की स्थापना के कारण इस खंड पर यातायात में और बढ़ोत्तरी होगी।

नीमच-रतलाम खंड के दोहरीकरण से इस खंड की क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी। इस प्रकार सिस्टम में अधिक माल और यात्री ट्रेनें शामिल की जा सकेंगी। सीमेंट उद्योगों की निकटता के कारण पहले वर्ष से 5.67 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई की उम्मीद है, जो 11वें वर्ष में बढ़कर 9.45 मिलियन टन प्रति वर्ष हो जाएगी। इससे आसान कनेक्टिवटी उपलब्ध होने के साथ-साथ इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ-साथ इस इस परियोजना से इस क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि ऊंचागढ़ के किले सहित इस परियोजना क्षेत्र में कई ऐतिहासिक स्थल स्थित हैं। ■

राजकोट-कनालूस रेल लाइन

लागत

₹ 1,080.58 अनुमानित (करोड़ में)

₹ 1,168.13 बढ़ी हुई/कार्य समापन (करोड़ में)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने राजकोट-कनालूस रेल लाइन के दोहरीकरण की मंजूरी दी है।

इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1,080.58 करोड़ रुपये और बढ़ी हुई/कार्य समापन लागत 1,168.13 करोड़ रुपये होगी। इस लाइन के दोहरीकरण की कुल लंबाई 111.20 किमी है। यह परियोजना 4 साल में पूरी होगी।

इस खंड पर संचालित मौजूदा माल यातायात मुख्य रूप से पेट्रोल, तेल, कोयला, सीमेंट, उर्वरक और खाद्यान्नों का है।

माल का उत्पादन निजी साइडिंग्स से जुड़े उद्योगों से होता है, जिन्हें परियोजना मार्ग से ले जाया जाता है।

भविष्य में रिलायंस पेट्रोलियम, एस्सार ऑयल और टाटा केमिकल जैसे बड़े उद्योगों द्वारा पर्याप्त मात्रा में माल ढुलाई करने का अनुमान है।

राजकोट-कनालूस के बीच एकल बड़ी लाइन पर बहुत भीड़-भाड़ हो गई है और परिचालन कार्य को सरल बनाने के लिए एक अतिरिक्त समानांतर बड़ी लाइन बिछाने की आवश्यकता है।

इस खंड पर 30 जोड़ी यात्री/मेल एक्सप्रेस ट्रेन चलती हैं और रख-रखाव ब्लॉक के साथ मौजूदा लाइन क्षमता उपयोग 157.5 प्रतिशत तक है।

दोहरीकरण के बाद मालगाड़ी और यात्री गाड़ी यातायात की रुकावट में काफी कमी आएगी।

इस खंड के दोहरीकरण से क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी तथा रेल प्रणाली में और अधिक गाड़ियां चलाई जा सकेंगी।

राजकोट से कनालूस तक इस प्रस्तावित दोहरीकरण से सौराष्ट्र क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा। ■

लाइन के दोहरीकरण की कुल लंबाई 111.20

भारत
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्य

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु www.irctc.co.in पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

आप सीधे www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn पर भी जा सकते हैं।

❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग-इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

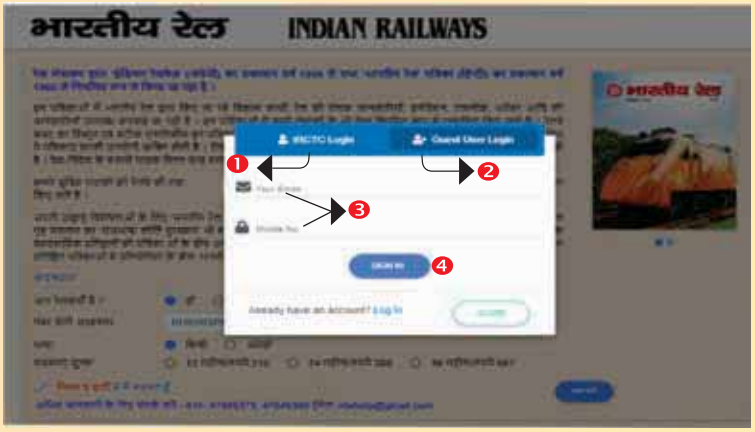

❷ लॉग-इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग-इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई-मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5

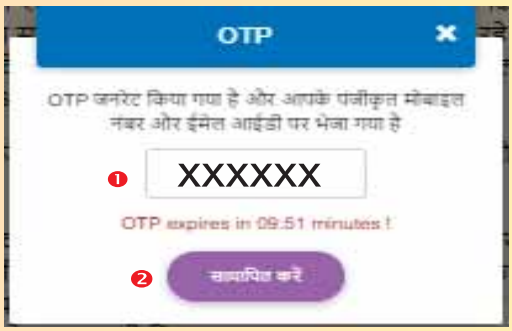

❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई-मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6

❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट-वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

ीय रेल
ता प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।

5 नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

STEP 4

1 अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें

2 सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7

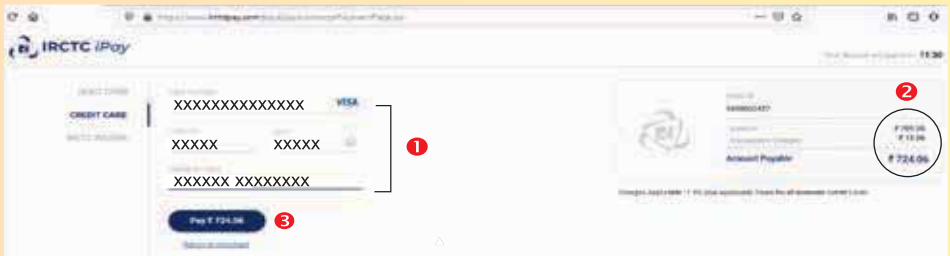

1 पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2 पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3 संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।
बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

टोक्यो ओलम्पिक : भारतीय रेल के खिलाड़ियों को रेल मंत्री ने किया सम्मानित

टोक्यो ओलंपिक में भारत का सिर ऊंचा करने वाले सितारों के साथ रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सुनीत शर्मा

केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेलवे के खिलाड़ियों के कॅरियर की सुनिश्चित प्रगति के लिए योजना बनाई जा रही है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को 30 अक्टूबर, 2021 तक रेलवे के खिलाड़ियों के कॅरियर की प्रगति का एक प्रारूप तैयार करने का निर्देश दिया। रेल मंत्री ने जापान के टोक्यो में आयोजित ओलंपिक 2020 खेलों में भाग लेने वाले भारतीय रेल के 25 पदक विजेता खिलाड़ियों तथा 6 कोचों को सम्मानित करने के लिए 'रेलवे खेलकूद संवर्धन बोर्ड' द्वारा आयोजित एक समारोह में टोक्यो ओलंपिक के रेलवे के पदक विजेताओं तथा प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुनीत शर्मा तथा रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रेल मंत्री ने 'रेलवे खेलकूद संवर्धन बोर्ड' के नियमित नकद पुरस्कारों के अतिरिक्त भारतीय रेल के एथलीटों तथा कोचों को विशेष नकद पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की थी। उन्होंने खिलाड़ियों (स्वर्ण-3 करोड़, रजत-2 करोड़, कांस्य-1 करोड़, 8वें प्रतिभागियों तक-35 लाख, प्रतिभागी-7.5 लाख) तथा कोचों (स्वर्ण-25 लाख, रजत-20 लाख, कांस्य-15 लाख) के लिए विशेष नकद पुरस्कारों की घोषणा की थी। भारतीय रेल के एथलीटों तथा कोचों को इस अवसर पर कुल 12 करोड़ 97 लाख 50 हजार रुपये की राशि के साथ विशेष नकदी पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इन ओलंपिक खेलों में रेलवे के कुल 25 खिलाड़ी, 6 कोच और 1 फिजियो, 126 सदस्यों वाले भारतीय ओलंपिक दल का हिस्सा थे। ■

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड के साथ ओलंपिक में भाग लेने वाला भारतीय रेल का संपूर्ण दल

महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा 3 ओलंपियन्स को सम्मानित किया गया

महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, सुश्री अर्चना जोशी ने 8 सितम्बर, 2021 को दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्यालय गार्डनरीच में आयोजित एक समारोह मे टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाली दक्षिण पूर्व रेलवे की 3 ओलंपियन्स को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि सुश्री निक्की प्रधान और सुश्री सलीमा टेटे, राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम की सदस्य के रूप में और सुश्री सुतीर्थ मुखर्जी ने टेबल टेनिस खिलाड़ी के रूप में टोक्यो ओलंपिक, 2020 में भाग लिया था। ■

उत्तर मध्य रेलवे की ओलंपिक खिलाड़ियों का प्रयागराज आगमन पर भव्य स्वागत

टोक्यो ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली भारतीय हॉकी टीम की गुरजीत कौर और निशा वारसी का प्रयागराज आगमन पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में शुक्रवार 20 अगस्त, 2021 को भव्य स्वागत किया गया। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री प्रमोद कुमार और उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती पूनम कुमार ने गुरजीत और निशा को शॉल, गुलदस्ता और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। ■

दिल्ली किशनगंज में कुश्ती अकादमी का उद्घाटन

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आशुतोष गंगल ने 6 अक्टूबर, 2021 दिल्ली किशनगंज में नवीकृत 'इंडियन रेलवे कुश्ती अकादमी' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के ओलम्पिक पदक विजेता, सुश्री साक्षी मलिक (रियो 2016), श्री बजरंग पूनिया व श्री रवि दहिया (टोकियो 2020) को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के खेल-कूद संघ के अध्यक्ष, श्री ए.के. खंडेलवाल, उत्तर रेलवे खेल-कूद संघ के सचिव, श्री कौस्तुभ मणि तथा उत्तर रेलवे के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कुश्ती अकादमी में कुश्ती का अभ्यास करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। कुश्ती अकादमी में नए कुश्ती मैट, जिम उपकरण और अन्य उन्नत सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इस समारोह के दौरान कुश्ती के कोचों को परम्परागत पगड़ी से सम्मानित भी किया गया। ■

12वीं विश्व बॉडी बिल्डिंग एवं फिजीक खेलकूद प्रतियोगिता में भारतीय रेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

12वीं विश्व बॉडी बिल्डिंग एवं फिजीक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में 1 से 7 अक्टूबर किया गया, जिसमें ओवरऑल चैंपियनशिप भारत को मिली। भारत ने 5 स्वर्ण, 8 रजत तथा 9 कांस्य समेत कुल 22 पदक जीते। प्रतियोगिता में भारतीय रेल के रामाकृष्णा ने सीनियर मेन के 70 किलो वर्ग में स्वर्ण, राजेन्द्र राघवन ने मास्टर्स मेन में रजत तथा जावेद अली खान ने 100 किलो से अधिक भार वर्ग में रजत पदक हासिल किए। इसके अतिरिक्त राजेन्द्र राघवन ने सीनियर मेन के 70 किलो वर्ग में पांचवां स्थान हासिल किया। रेल मंत्रालय के देवेन्द्र कुमार भारतीय दल के प्रशिक्षक थे। उल्लेखनीय है कि देवेन्द्र कुमार ने लगातार चौथे साल विश्व प्रतियोगिता में प्रशिक्षक के रूप में भारतीय दल का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में भारतीय दल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। ■

अंतर मंत्रालय कैरम टूर्नामेंट में रेल मंत्रालय का शानदार प्रदर्शन

केन्द्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड द्वारा 20 से 28 सितंबर, 2021 तक अंतर मंत्रालय कैरम टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय रेल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। रेल मंत्रालय की ओर से संजीव भटनागर ने ऑडिट के मोहम्मद नासिर को हराकर पुरुष एकल खिताब जीता। इसके अतिरिक्त पुरुष युगल में रेल मंत्रालय की ओर से संजीव भटनागर और विपिन कुमार राव की जोड़ी ने रजत पदक जीता। टीम वर्ग में रेल मंत्रालय को कांस्य पदक हासिल हुआ। महिला वर्ग में रक्षा मंत्रालय की देबजानी तामुली ने स्वर्ण पदक हासिल किया। संपूर्ण परिणाम तालिका में देखा जा सकता है। ■

स्पर्धा का नाम	स्वर्ण	रजत	कांस्य
पुरुष एकल	संजीव भटनागर, रेल मंत्रालय	मोहम्मद नासिर, सीएजी	मोहम्मद अली, पृथ्वी विज्ञान
पुरुष युगल	संजीव भटनागर एवं विपिन कुमार राव, रेल मंत्रालय	विजयेंद्र सिंह और सी.एस. बजाज, रक्षा मंत्रालय	विजेन्दर सिंह व राजेन्द्र कुमार, स्वास्थ्य मंत्रालय
टीम वर्ग	रक्षा मंत्रालय	गृह मंत्रालय	रेल मंत्रालय
महिला एकल	देबजानी तामुली, रक्षा मंत्रालय	गीता शंकर, सीएजी	वी. राधिका सीएजी
महिला युगल	गीता शंकर व वी. राधिका, सीएजी	देबजानी तामुली व प्रतिभा शुक्ला, रक्षा मंत्रालय	पूनम व श्वेता शर्मा, स्वास्थ्य मंत्रालय,
वेटरन एकल	सी.एस. बजाज, रक्षा मंत्रालय	जितेंद्र कुमार, रक्षा मंत्रालय	एच.सी. खन्ना, गृह मंत्रालय

यूटीएस मोबाइल ऐप अब हिंदी में भी

भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के तहत और तीन 'सी' - कैशलेस ट्रांजेक्शन (डिजिटल भुगतान), कॉण्टैक्ट लेस टिकटिंग (बिक्री वाले स्थान पर खुद जाने की कोई जरूरत नहीं) तथा ग्राहक सुविधा और अनुभव को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से यूटीएस और मोबाइल ऐप अब अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी भाषा में भी उपलब्ध हैं। उपयोगकर्ता अपनी पसंद की एक भाषा चुन सकते हैं। मोबाइल ऐप पर यूटीएस का उपयोग करते हुए, उपयोगकर्ता कागज रहित या कागज की टिकट में से एक विकल्प चुन सकते हैं और निम्नलिखित में से कोई टिकट बुक कर सकते हैं: यात्रा टिकट बुकिंग, सीजन टिकट बुकिंग/

ग्राहकों के लिए मोबाइल टिकटिंग के लाभ

- टिकट के लिए कतार में इंतजार करने की जरूरत नहीं।
- कागज रहित और पर्यावरण अनुकूल।
- एक बार टिकट बुक हो जाने पर टिकट को इंटरनेट कनेक्शन के बिना ही ऑफलाइन मोड में टीटीई को दिखाया जा सकता है।
- **चलते-चलते बुकिंग :** जो यात्री जल्दी में रहते हैं या अंतिम समय पर यात्रा का फैसला करते हैं, वे सीधे स्टेशन पर पहुंचें, स्टेशन पर विभिन्न स्थानों पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करें। इसे स्कैन करके टिकट बुक करें। वर्तमान में यह सुविधा 1,600 स्टेशनों पर उपलब्ध है।
- **पूरी तरह नकदी रहित :** ग्राहक रेल-वॉलेट, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई और ई-वॉलेट जैसे डिजिटल भुगतान के सभी प्रकार के विकल्पों को उपयोग कर सकते हैं।
- **सस्ता :** रेल-वॉलेट की सुविधा का उपयोग करने वाले ग्राहक को रिचार्ज पर 5 प्रतिशत बोनस की सुविधा मिलेगी। उदाहरण के लिए, यदि एक यात्री अपने वॉलेट में 1,000 रुपये का रिचार्ज कराता है तो उसे 1,050 रुपये मूल्य का रिचार्ज मिलता है।

नवीनीकरण, प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग। मोबाइल टिकट एप्लिकेशन को पूरी तरह भारतीय रेल (सीआरआईएस) द्वारा विकसित किया गया है और यह सभी प्लेटफॉर्म - एंड्रॉयड और आईओएस पर उपलब्ध है। इस एप्लिकेशन को इसकी उपयोगिता और ग्राहक अनुभव के लिए व्यापक सराहना मिली है और गूगल प्ले स्टोर पर इसे चार स्टार की रेटिंग मिली है। यूटीएस मोबाइल एप्लीकेशन के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 1.47 करोड़ है। ■

दूध दुरंतो ने रेनीगुंटा से दिल्ली राजधानी को 10 करोड़ लीटर दूध की आपूर्ति की

रेनीगुंटा से नई दिल्ली के लिए रेल के द्वारा दूध की आपूर्ति काफी महत्त्वपूर्ण है और देश की बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए अहम है। कोविड-19 से पहले नई दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की दूध की जरूरतों को पूरा करने के लिए साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेनों से दूध के टैंकर जोड़े जा रहे थे। 26 मार्च, 2020 से दक्षिण मध्य रेलवे ने विशेष रूप से दूध के टैंकरों के लिए 'दूध दुरंतो' विशेष ट्रेनों के संचालन की अनूठी पहल की थी।

आंध्र प्रदेश रेनीगुंटा से हजरत निजामुद्दीन स्टेशन की 2,300 किमी की दूरी 30 घंटों के उपयुक्त समय में तय करते हुए मेल एक्सप्रेस ट्रेनों के अनुरूप इन ट्रेनों का परिचालन कर रही है। दूध दुरंतो विशेष ट्रेनें आमतौर पर दूध के 6 टैंकर लेकर चलती हैं। हरेक टैंकर की क्षमता 40,000 लीटर होती है और इस प्रकार एक ट्रेन की कुल क्षमता 2.40 लाख लीटर होती है। अभी तक इन विशेष ट्रेनों ने 443 फेरों में दूध के 2,502 टैंकरों से 10 करोड़ लीटर से ज्यादा दूध की आपूर्ति की है। गुंटकल मंडल के अधिकारी माल भेजने वाले ग्राहकों के साथ संपर्क में हैं, जो दूध के लदान की पेशकश कर रहे हैं और उनकी आवश्कताओं को समझते रहे हैं, जिससे कि ट्रेनों के परिचालन में कोई बाधा न आए। ■

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में अपनी तरह का पहला 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स' स्थापित

मध्य रेल ने खानपान नीति के तहत एक अभिनव पहल के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर मुंबई में 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स' स्थापित किया है। रेस्टोरेंट को एक अनुपयोगी रेल कोच का उपयोग करके बनाया गया है। रेस्टोरेंट ऑन व्हील कोच हेरिटेज गली, प्लेटफॉर्म नंबर-18, सीएसएमटी के सामने स्थित है। हेरिटेज गली में नैरो गेज लोकोमोटिव, पुराने प्रिंटिंग प्रेस के हिस्से आदि सहित रेल कलाकृतियां हैं। फ्री-वे के रास्ते से आसान कनेक्टिविटी के साथ यहां पहुँचा जा सकता है।

रेस्टोरेंट भोजन करने वालों को एक अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है। 10 टेबल के साथ कोच के अंदर 40 लोगों को समायोजित करने की व्यवस्था है। रेस्टोरेंट के इंटीरियर को इस तरह से सजाया गया है कि रेलयात्रियों के साथ-साथ बाकी लोग भी इस रेस्टोरेंट में भोजन करने का आनंद ले सकते हैं।

रेस्टोरेंट का मेनू और दरें बाजार दरों के अनुसार लाइसेंसधारी द्वारा तय की जाएंगी जो कि रेलवे द्वारा अनुमोदित होंगीं। उत्तर, दक्षिण, कॉण्टिनेंटल इत्यादि खान-पान प्रकार उपलब्ध होंगे। श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने 18 अक्टूबर, 2021 को सीएसएमटी स्टेशन पर 'रेस्टोरेंट ऑन

व्हील्स' का निरीक्षण किया। मध्य रेल मुंबई मंडल के लोकमान्य तिलक टर्मिनस, कल्याण, नेरल, लोनावला और इगतपुरी में इसी तरह के रेस्टोरेंट खोलने की संभावना तलाश की जा रही है। इसके अतिरिक्त मध्य रेल के 5 स्टेशनों - नागपुर, आकुर्डी, बारामती, चिंचवड़ एवं मिरज के लिए टेंडर भी आवंटित हो चुके हैं। ■

पूर्वोत्तर सीमा रेल : पर्यटकों में लोकप्रिय हो रही 'स्टीम जंगल टी सफारी'

पूर्वोत्तर सीमा रेल ने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल-दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) में सिलीगुड़ी जंक्शन तथा रंगटंग स्टेशन अनुभाग के बीच हाल ही में 'स्टीम जंगल टी सफारी' नामक एक नई सेवा की शुरुआत की है। यात्रियों की मांग को पूरा करने तथा स्थानीय पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 30 अगस्त, 2021 को इस वाष्प चालित टॉय ट्रेन सेवा की शुरुआत की गई थी।

'स्टीम जंगल टी सफारी' टॉय ट्रेन की सेवा को मांग के आधार पर नियमित रूप से चलाने की योजना है। इसमें विस्टाडोम कोच की सुविधा उपलब्ध है तथा धरोहर वाष्प इंजन से संचालित की जाती है। यह टॉय ट्रेन चाय के बगीचों की प्राकृतिक सुंदरता के अलावा निचले हिमालयन पहाड़ियों के मनमोहक दृश्यों के बीच से गुजरती है। पर्यटक इस अनोखी 'स्टीम जंगल टी सफारी' की सवारी कर खुशियां मनाते हुए इस ट्रेन सेवा का आनंद उठा सकते हैं। विस्टोडोम कोच में 14 यात्रियों की यात्रा करने की व्यवस्था है। हालांकि मांग के अनुसार अतिरिक्त कोच भी संयोजित किए जा सकते हैं।

यह ट्रेन (सं. 52556) अप-डाउन संध्याकालीन सेवाएं प्रदान करती है। यह ट्रेन सिलीगुड़ी जंक्शन से 14.45 बजे रवाना होकर 16.20 बजे रंगटंग पहुंचती है। वापसी दिशा में यह ट्रेन रंगटंग से 16.40 बजे रवाना होकर 18.05 बजे सिलीगुड़ी जंक्शन पहुंचती है। दोनों की ओर यात्रा के दौरान यह सुकना स्टेशन पर

ठहरती है। इच्छुक पर्यटक सुकना स्टेशन पर म्यूजियम का भी परिदर्शन कर सकते हैं। इस तीन घंटे की यात्रा के दौरान पर्यटक विश्व विख्यात दार्जिलिंग चाय के जायके का आनंद उठा सकते हैं।

इस टॉय ट्रेन की शुरुआत से पू. सी. रेल को पर्यटकों की ओर से साकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। यह अनोखी 'स्टीम जंगल टी सफारी' यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पर जन्मदिन, सालगिरह तथा सम्मिलित रूप से समारोह मनाने का उत्तम साधन है। पू. सी. रेल आने वाले समय में ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने तथा इस क्षेत्र में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलने के प्रति आशान्वित है। ■

भारतीय रेल में पहले हाई स्पीड एनएमजीएच ऑटोमोबाइल कैरियर कोच की शुरुआत

भारतीय रेल ने माल यातायात के सुरक्षित और किफायती परिवहन के लिए आईसीएफ कोचों को परिवर्तित कर 110 किमी प्रति घंटे की गति से चलने के लिए न्यू मॉडिफाइड गुड्स (एनएमजीएच) के रूप में विकसित किया है। शुरुआत में रेलवे बोर्ड ने 100 कोचों को पमरे के भोपाल कोच पुनर्निर्माण कारखाने में बदलने का निर्णय लिया है। भारतीय रेल की पहली 25 कोचों वाला हाई स्पीड न्यू मॉडिफाइड गूड्स (एनएमजीएच) रेक पश्चिम मध्य रेल के सीआरडब्ल्यूएस कारखाना, भोपाल द्वारा 31 अगस्त, 2021 को परिवहन शुरू करने के लिए तैयार है। यह आरडीएसओ के नए डिजाइन ऑटोमोबाइल कॅरियर कोच (एनएमजीएच) के अनुसार भारतीय रेल में एनएमजीएच का अब तक का पहला रेक है। पुराने एनएमजी रेक के डिजाइन को बेहतर बनाते हुए नए एनएमजीएच रेक में निम्न उन्नयन किया गया है:-

- नए एनएमजीएच कोच की गति की 75 केएमपीएच से बढ़ाकर 110 केएमपीएच तक के लिए परिवर्तित किया गया है। इससे ट्रेन की गति क्षमता में लगभग 46.6 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी हुई है और यह कोच तेज परिवहन के लिए सक्षम है।
- इसी तरह प्रति कोच 30.4 प्रतिशत अधिक भार क्षमता प्राप्त करने के लिए एमएमजीएच में वहन क्षमता को 9.2 टन से बढ़ाकर 12 टन कर दिया गया है।
- नए डिजाइन कोच के अंदर उपलब्ध चौड़ाई और ऊंचाई के अधिकतम उपयोग को सक्षम बनाते हुए बड़े वाहनों, जैसे एसयूवी, ट्रैक्टर, टाटा 407 आदि ऑटोमोबाइल के परिवहन के लिए सक्षम बनाया है।

- नए डिजाइन में दरवाजे पर बैरल टाइप लॉकिंग व्यवस्था का प्रावधान किया गया है जोकि एल्ड्रॉप बोल्ट लॉकिंग व्यवस्था के पुराने डिजाइन की तुलना में अधिक सुरक्षा प्रदान करता है।
- कोचों के इंटीरियर में वेंटिलेशन और रौशनी को बढ़ाने के लिए 08 खिड़कियों को कोच के दोनों तरफ लगाया गया है।
- इसी प्रकार सुरक्षित लोडिंग/अनलोडिंग के लिए कर्मचारियों के मार्गदर्शन के लिए कोचों के इंटीरियर के साथ पीले रंग और बहु रंगी फुटपाथ ब्लॉकों में रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप का प्रावधान एवं कोच की छत के बीच में एक प्राकृतिक पाइप व्यवस्था का प्रावधान किया गया है।
- हाई स्पीड न्यू एनएमजीएच की आसान पहचान और बेहतर सौंदर्य उपस्थिति के लिए नई रंग योजना प्रदान की गई है। ■

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने चुनार में 80 मीटर लम्बा पुल 3 घंटे में बनाया

दिनांक 18 अक्टूबर, 2021 को चुनार-चोपन खंड में चुनार एवं विश्वनाथपुरी स्टेशनों के मध्य किमी 242/32-34 पर रेल फ्लाईओवर संख्या 273 के क्रम में 80 मीटर लंबा गर्डर लॉन्च किया गया। इस रेल फ्लाईओवर के निर्माण से उत्तर मध्य रेलवे के चुनार-चोपन रेल लाइन और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) रेल मार्ग की सर्फेस क्रॉसिंग से बचाव हो सकेगा और दोनों मार्गों पर निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित हो सकेगा। डीएफसी मे बेहतर बुनियादी ढांचे और साथ ही अत्याधुनिक प्राद्यौगिकी का एकीकरण शामिल है। ईस्टर्न डीएफसी पंजाब के लुधियाना से होकर पश्चिम बंगाल के दानकुनि तक निर्मित हो रहा है। डीएफसी भाऊपुर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन तक के प्रोजेक्ट के चीफ जनरल मैनेजर ओमप्रकाश ने यह बताया कि यह ब्रिज 520 टन का है जो 80 मीटर लंबा है। इसे मात्र 3 घंटे में बना कर तैयार किया गया है। इस ब्रिज से होकर प्रयागराज की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं चोपन होते हुए झारखंड को जाने वाली मालगाड़ियों को गति

डेडिकेट फ्रेट कॉरिडोर ने चुनार मे 80 मीटर लम्बा पुल 3 घंटे मे बनाया

मिलेगी। इस कार्यक्रम में जी.एम.आर. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजीव कुमार एवम परियोजना निदेशक राजसिंह टाक, सहित परियोजना प्रबंधक, देवेंद्र कुमार शर्मा एवं मुख्य परियोजना प्रबंधक पूर्णा नंद झा, ए.आई.एम.एल. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री दलजीत सिंह मौजूद रहे। ■

भारतीय रेल के 156 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली शुरू

वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी के युग में निर्बाध सेवा प्रदान करने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सेवा समय की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए 129 रेलवे अस्पतालों और 586 स्वास्थ्य इकाइयों में तेजी से, निर्बाध और बिना किसी परेशानी के स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए संपूर्ण रेलवे स्वास्थ्य प्रणाली को एक ही संरचना पर लाने के लिए रेल मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र की एक मिनीरत्न कम्पनी-रेलटेल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत सी-डैक की एक इकाई (ई-सुश्रुत) को अखिल भारतीय अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) को लागू करने का काम सौंपा गया है। रेलवे के कुल 11,76,300 कर्मचारियों में से 11,24,058 पंजीकृत कर्मचारी लाभार्थी हैं। कुल 10,33,143 एचएमआईएस कर्मचारी कार्ड बनाए गए हैं। कार्ड जनरेट करवाने वाले वे लोग हैं, जिन्होंने अपना यूएमआईडी कार्ड बनवाया है। रेलवे के कुल 16,52,082 पेंशनभोगियों में से 4,83,592 पंजीकृत पेंशनभोगी लाभार्थी हैं। कुल एचएमआईएस पेंशनभोगी लाभार्थी कार्ड 3,75,440 बनाए गए हैं। कर्मचारियों के औसतन 3-4 आश्रित हैं और पेंशनभोगियों के पास 2-3 आश्रित हैं। एचएमआईएस को भारतीय रेल में 156 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों में पहले ही शुरू किया जा चुका है। शेष स्वास्थ्य केंद्रों पर एचएमआईएस को 2021 में शीघ्र ही लागू किया जाएगा। एचएमआईएस समाधान लगभग 20 मॉड्यूल के साथ नैदानिक देखभाल के साथ-साथ

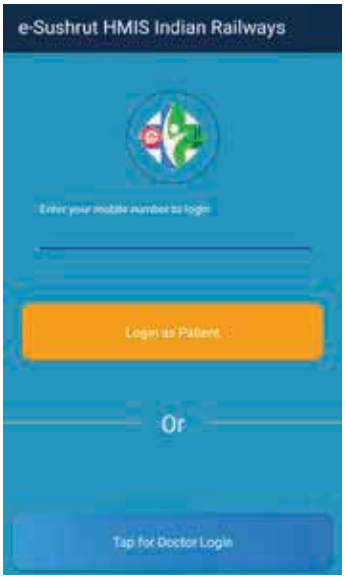

सम्पूर्ण अस्पताल प्रशासन को कवर करने जा रहा है, जो रेलवे अस्पतालों के लिए प्रासंगिक हैं। मॉड्यूल ओपीडी, आईपीडी, लैब्स, ओटी, ब्लड बैंक, फार्मेसी, रेफरल, चिकित्सा जांच और चिकित्सा दावों की प्रतिपूर्ति आदि जैसे अस्पताल प्रबंधन की मुख्य और सहायक आवश्यकताओं, दोनों को कवर करता है।

चिकित्सा लाभार्थियों को सशक्त बनाने के लिए एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है, जो मरीजों को अपने इलेक्ट्रॉनिक चिकित्सा रिकॉर्ड (ईएमआर) को कहीं से भी देखने की सुविधा प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। इस ऐप के माध्यम से टेली-परामर्श, प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट देखना, रोगी को दी जाने वाली दवाएं आदि जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। इस ऐप में स्वयं पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध है। यह प्रणाली स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के साथ पूरी तरह से एकीकृत है। एचएमआईएस को भारतीय रेल की अन्य विभिन्न डिजिटल पहलों, जैसे कि विशिष्ट चिकित्सा पहचान संख्या (यूएमआईडी), आईपीएएसएस और एआरपीएएन आदि के साथ सिंक्रनाइज किया गया है और आवश्यकतानुसार इस तरह के एकीकरण को आगे बढ़ाने में सक्षम है। स्वास्थ्य डेटा का डिजिटलीकरण स्वास्थ्य सेवाओं को परेशानी मुक्त और पारदर्शी बनाने जा रहा है। रोगी एचएमआईएस ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड को स्कैन करके ओपीडी अपॉइंटमेंट ले सकते हैं। इससे लगभग 10 मिलियन रेलवे स्वास्थ्य लाभार्थियों को फायदा होगा। ■

तेजस रेक के साथ राजेंद्र नगर टर्मिनल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस पटरी पर

ट्रेन नंबर 02309/10 'राजेंद्र नगर-नई दिल्ली-राजेंद्र नगर राजधानी स्पेशल एक्सप्रेस' के मौजूदा रेक, जो सबसे प्रतिष्ठित और प्रीमियम ट्रेनों में से एक है, इन्हें एकदम नए तेजस प्रकार के स्लीपर कोच से बदला गया है। इस नई ट्रेन में यात्री सुरक्षा और आराम को बढ़ाने के लिए विशेष स्मार्ट सुविधाएं होंगी। इस स्मार्ट कोच का मकसद इंटेलिजेंट सेंसर-आधारित सिस्टम की मदद से यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है। यह जीएसएम नेटवर्क कनेक्टिविटी के साथ मुहैया की गई यात्री सूचना और कोच कंप्यूटिंग यूनिट (पीआईसीसीयू) से लैस है, जो रिमोट सर्वर को रिपोर्ट करती है। पीआईसीसीयू यहां डब्ल्यूएसपी, सीसीटीवी रिकॉर्डिंग, टॉयलेट की गंध के सेंसर्स, पैनिक स्विच और आग का पता लगाने वाले तथा अलार्म सिस्टम, वायु गुणवत्ता और चोक फिल्टर सेंसर तथा एनर्जी मीटर के साथ एकीकृत अन्य वस्तुओं का डेटा रिकॉर्ड करेगा। इस नए रेक ने 01 सितंबर, 2021 से पहली बार यात्रा की। ■

पूर्वोत्तर क्षेत्रों में अधिक आवागमन वाले रेलवे नेटवर्क के विद्युतीकरण पर जोर

भारतीय रेल ने 2023-24 तक अपने संपूर्ण ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण की एक महत्त्वाकांक्षी योजना शुरू की है, जिसके परिणामस्वरूप न केवल बेहतर ईंधन ऊर्जा के इस्तेमाल से थ्रूपुट में वृद्धि होगी, ईंधन व्यय में कमी आएगी बल्कि कीमती विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। इसी कड़ी में, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने कटिहार से गुवाहाटी तक अधिक आवागमन वाले नेटवर्क (एचडीएन) के कुल 649 रूट किमी (आरकेएम)/1,294 टन किमी (टीकेएम) के विद्युतीकरण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस बड़ी उपलब्धि से अब देश के सभी प्रमुख शहर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पर गुवाहाटी से निर्बाध रूप से जुड़ जाएंगे। हरित परिवहन द्वारा राजधानी से जोड़ने के लिए यह पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे का एक अन्य प्रयास है। रेलवे सुरक्षा आयोग (सीआरएस) एनएफ सर्कल द्वारा 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर, 2021 तक उत्तरी सीमांत रेलवे पर 107 आरकेएम/273 टीकेएम के एचडीएन के अंतिम चरण का सफलतापूर्वक निरीक्षण किया गया था। इसके अलावा, तीव्र गति वाली यात्री रेलगाड़ियों और भारी मालगाड़ियों का परिचालन भी किया जा सकेगा। गुवाहाटी तक रेलवे विद्युतीकरण से एचएसडी ऑयल पर प्रतिवर्ष लगभग 300 करोड़ रुपये के व्यय के स्थान पर विदेशी मुद्रा की बचत होगी। एचएसडी तेल की खपत प्रतिमाह लगभग 3,400 केएल कम हो जाएगी। निर्बाध ट्रेन संचालन के कारण, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार में ट्रैक्शन परिवर्तन अब समाप्त हो जाएगा, जिससे ट्रेनों की गति में वृद्धि होगी। गुवाहाटी से कटिहार/मालदा टाउन के बीच चलने का समय 2 घंटे तक कम होने की संभावना है, क्योंकि बेहतर त्वरण/मंदी के कारण ट्रेनें अब अधिक गति से चल सकती हैं। लाइन क्षमता में 10- 15 प्रतिशत तक की वृद्धि से उत्तरी सीमांत रेलवे के कई खंडों पर सेचुरेशन के स्तर में कमी आएगी, जिससे अधिक कोचिंग ट्रेनें चल सकेंगी। विद्युतीकरण से भारी मालगाड़ियों को तेज गति से चलाया जा सकता है। उत्तर सीमांत रेलवे में बड़ी संख्या में श्रेणीबद्ध खंड, वक्र, पुलों के साथ दुर्गम भू-भाग है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन मल्टी डीजल इंजनों की आवश्यकता को समाप्त कर देगा, क्योंकि उच्च एचपी इलेक्ट्रिक इंजन ग्रेडिएंट सेक्शन में उच्च गति बनाए रख सकते हैं। मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नगालैंड और सिक्किम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों के लिए अब अतिरिक्त राजधानी एक्सप्रेस रेलगाड़ियां चलाई जा सकती हैं। इस खंड के विद्युतीकरण से परिचालन क्षमता में सुधार होगा और पावर कारों के लिए ईंधन की काफी बचत होगी (विद्युतीकृत मार्ग पर ही लगभग 10 करोड़ रुपये)। केवाईक्यू/जीएचवाई से शुरू होने वाली/समाप्त होने वाली मौजूदा रेलगाड़ियों के 15 जोड़े एक पावर कार को हटाकर एक अतिरिक्त यात्री कोच के साथ चल सकते हैं, इस प्रकार यात्री थ्रूपुट में सुधार होगा। विद्युतीकरण से बेहतर रखरखाव होगा, क्योंकि तीव्र रेलगाड़ियों के कारण रखरखाव ब्लॉकों के लिए अधिक समय मिलेगा। ■

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में ब्रह्मपुत्र मेल बिजली से चलने वाली पहली यात्री ट्रेन बनी

हरित परिवहन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूरी तरह से बिजली से चलने वाली पहली यात्री ट्रेन 28 अक्टूबर, 2021 को 05956 दिल्ली-कामाख्या (ब्रह्मपुत्र मेल) स्पेशल ट्रेन बिजली चलित ट्रैक पर 2,000 किमी से अधिक की दूरी तय कर कामाख्या स्टेशन पर पहुंची। इसी तरह वापसी में 05955 कामाख्या-दिल्ली (ब्रह्मपुत्र मेल) स्पेशल ट्रेन कामाख्या स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुई। एक दिन पहले बिजली से चलने वाली पार्सल ट्रेन के सफल संचालन के बाद यह ट्रेन गुवाहाटी के कामाख्या स्टेशन तक बिजली से चलने वाली पहली मेल/एक्सप्रेस ट्रेन बन गई थी। इस प्रकार, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में एक नए युग की शुरुआत हुई है। इससे पहले 21 अक्टूबर, 2021 को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने कामाख्या स्टेशन तक विद्युत कर्षण पर अपनी पहली पार्सल ट्रेन चलाई और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण हासिल किया। इसके साथ ही पूर्वोत्तर रेलवे के अंतर्गत कुल 760 किमी मार्ग /1701 ट्रैक किमी का विद्युतीकरण किया जा चुका है। ■

भोपाल–इटारसी तीसरी लाइन परियोजना

5 टनल का निर्माण कार्य तेजी पर

भारतीय रेल ने रेलवे के समक्ष उपस्थित कई बाधाओं के कारण कई वर्षों से लंबित रखरखाव के कार्य के निष्पादन पर ध्यान केंद्रित किया है। इस श्रृंखला में, भारतीय रेल ने पश्चिम मध्य रेलवे जोन की भोपाल–इटारसी तीसरी लाइन परियोजना के बारखेड़ा–बुदनी (26.50 किमी) खंड के बीच तीसरी लाइन के लिए व्यापक तरीके से प्रमुख सुरंग निर्माण कार्य आरंभ किया है। भारतीय रेल की पीएसयू, रेल विकास निगम लिमिटेड मध्य प्रदेश के सीहोर तथा रायसेन जिलों में पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के भोपाल–इटारसी मार्ग पर बारखेड़ा–बुदनी के बीच तीसरी विद्युतकृत ब्रॉड गेज रेल लाइन के संबंध में कंकड़ रहित ट्रैक वाली एनएटीएम (नई ऑस्ट्रियन सुरंग निर्माण पद्धति) के साथ पांच सुरंगों का निर्माण कर रही है। इससे दिल्ली–चेन्नई रूट के गोल्डेन डायग्नल पर भीड़भाड़ में कमी आएगी। तीसरी लाइन की कमीशनिंग के साथ रेलगाड़ियां बीना भोपाल–इटारसी खंड के बीच 130 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। क्षमता संवर्धन के लिए तीन अलग कार्यों 1. हबीबगंज (एचबीजे)–बारखेड़ा (बीकेए)–41.42 किमी–कार्य संपन्न, 2. बारखेड़ा (बीकेए)–बुदनी (बीएनआई)–26.5 किमी–कार्य प्रगति पर, 3. बुदनी (बीएनआई)–इटारसी (ईटी)–25 किमी–कार्य संपन्न। खंड–1 तथा 3 मैदानी क्षेत्र में हैं और इनमें वन्यजीवन/वन मंजूरी, जमीन अधिग्रहण आदि जैसे मुद्दे शामिल नहीं हैं। खंड 2 अर्थात् बारखेड़ा (बीकेए)–बुदनी (बीएनआई) खंड में विद्यमान दोनों ट्रैक तथा प्रस्तावित ट्रैक की पूरी लंबाई या तो रातापानी वन्यजीवन अभयारण्य (बाघ निवास क्षेत्र) या इसके पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं।

आरवीएनएल इन सुरंगों का निर्माण घोड़े की नाल खंड में कर रही है। इस रूप में एक अर्धगोलाकार छत होती है जिसके साथ धनुषाकार साइड तथा एक घुमावदार इनवर्ट होता है। इस सुरंग का निर्माण करने के लिए जो पद्धति उपयोग में लाई जाती है, वह एनएटीएम (नई ऑस्ट्रियन सुरंग निर्माण पद्धति) कहलाती है। एनएटीएम स्प्रेड कंक्रीट, ऐंकर्स तथा अन्य सपोर्ट के माध्यम से सुरंग की परिधि को स्थिर करती है तथा स्थिरता को नियंत्रित करने के लिए निगरानी का उपयोग करती है। ■

टनल टी–1

टनल टी–1 (1080.00 मीटर) की ब्रेकथ्रू 18 मार्च, 2021 को की गई थी

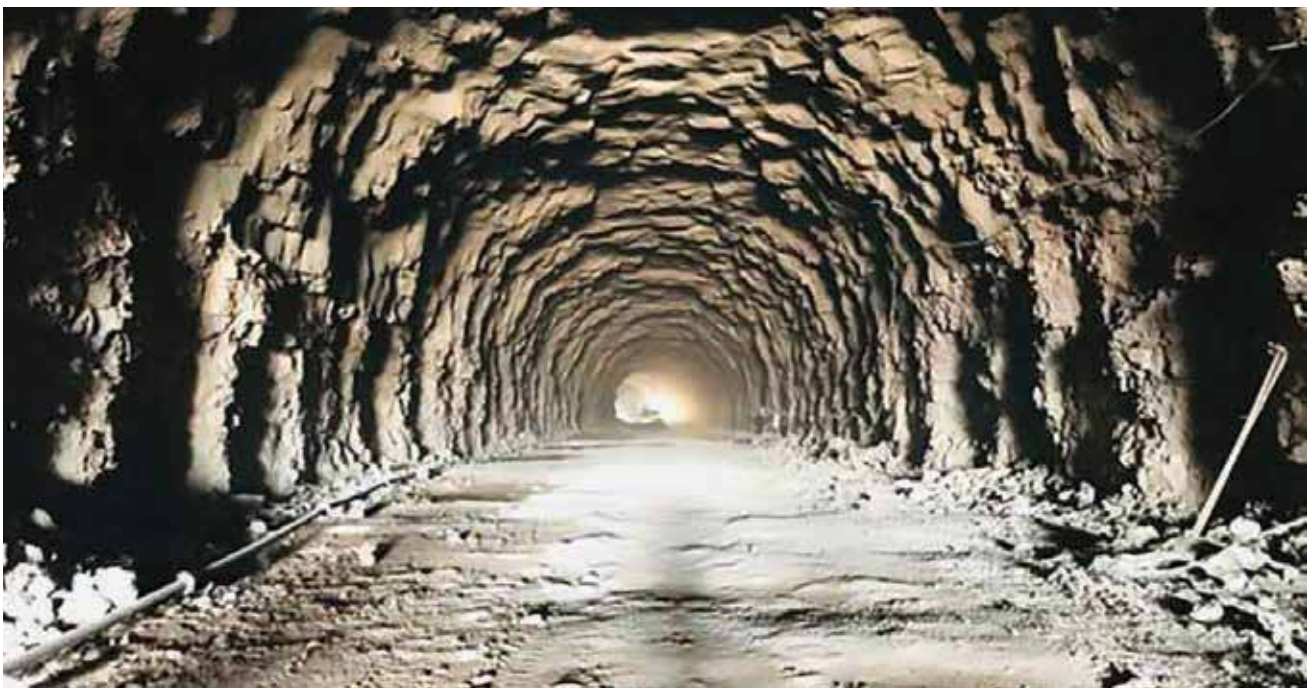

वर्तमान स्थिति

- इनवर्ट सफाई और पीसीसी कार्य प्रगति पर है, • 315 एमएम ब्यास मध्य नाली की खुदाई और संस्थापन कार्य प्रगति पर है,
- नो फाइन कंक्रीट के साथ 160 एमएम ब्यास छिद्रित साइड नाली की स्थापना का कार्य प्रगति पर है,
- वॉटरप्रूफिंग स्थापना का कार्य प्रगति पर है, इनवर्ट लाइनिंग (निचला आरसीसी) का कार्य प्रगति पर है

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

मंजूरी का वर्ष (बारखेड़ा-बुदनी तीसरी लाइन)	:	2011-2012
परियोजना की लागत बारखेड़ा-बुदनी	:	Rs 991.60 करोड़
परियोजना की लंबाई	:	26.50 किमी
स्टेशनों की संख्या	:	4
सुरंगों की संख्या	:	5
संपन्न होने की तिथि (बारखेड़ा-बुदनी)	:	जून 2022

इन सुरंगों के स्थान हैं

सुरंग संख्या	लंबाई	टिप्पणियां
टी 1 (बुदनी)	1080.00	सिंगल ट्रैक
टी 2 (मिडघाट)	200.00	सिंगल ट्रैक
टी 3 (भीमकोटी)	200.00	सिंगल ट्रैक
टी 4 (चोका)	140.00	सिंगल ट्रैक
टी 5 (बरखेरा)	530.00	सिंगल ट्रैक
कुल लंबाई	2150.00	

टनल टी-2

टनल टी-2 एक 200 मीटर सिंगल ट्रैक सुरंग है।

वर्तमान स्थिति

- पोर्टल विकास का कार्य प्रगति पर है,
- वर्तमान सुरंग में एपोक्सी ग्राउटिंग का कार्य प्रगति पर है

टनल टी-3

टनल टी-3 एक 200 मीटर सिंगल ट्रैक सुरंग है।

वर्तमान स्थिति

पोर्टल-1 और पोर्टल-2 से लगभग 51 मीटर की भूमिगत खुदाई पूरी हो चुकी है। वर्तमान में, पोर्टल 2 की तरफ से बेंचिंग खुदाई का कार्य प्रगति पर है।

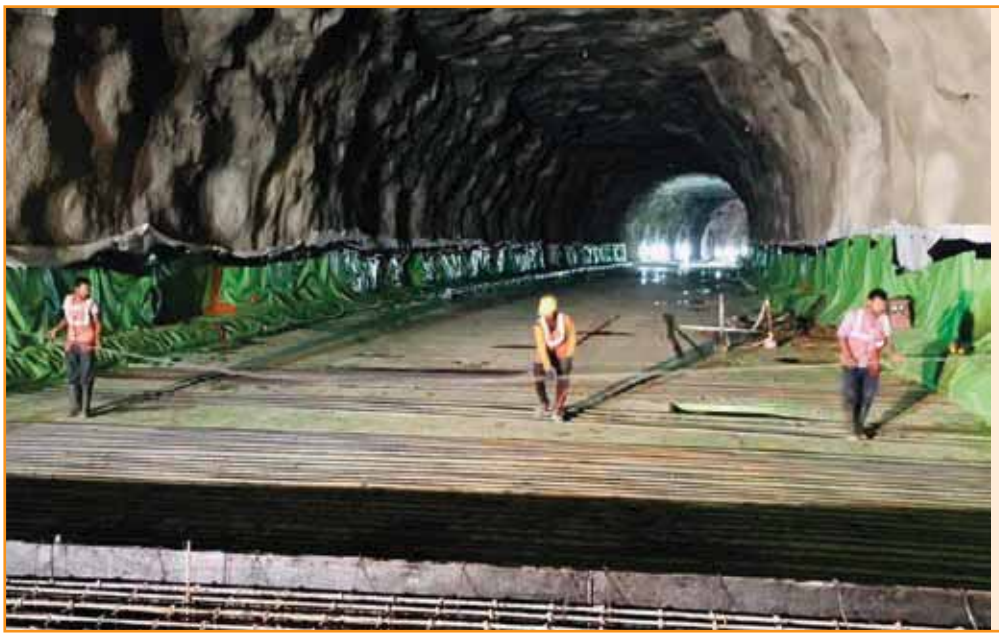

टनल टी–4

टनल टी–4 एक 140 मीटर डबल ट्रैक सुरंग है।

वर्तमान स्थिति

इटारसी की तरफ से पोर्टल विकास कार्य प्रगति पर है। सुरंग की खुदाई भोपाल की तरफ से शुरू हुई। 12 मीटर की खुदाई पूरी हो चुकी हैं।

टनल टी–5

टनल टी–5 (530 मीटर) की ब्रेकथ्रू 19 फरवरी, 2021 को हुई थी।

सुरंग का निर्माण 500 मीटर की गोलाई में हुआ था। टनल 5 की कुल लंबाई 530 मीटर और चौड़ाई 14.4 मीटर है जो असाधारण है क्योंकि यह एक डबल ट्रैक सुरंग है। सिंगल ट्रैक सुरंग का निर्माण भारतीय रेल में प्रचलित रहा है। चूंकि टनल 5 वन अभयारण्य में पड़ता है, इसलिए बहुत सख्त प्रक्रियाओं का अनुपालन किया गया जिनमें सूर्योदय से सूर्यास्त तक एक ही पाली में सुरंग का निर्माण कार्य किया जाना शामिल है। सुरंग का निर्माण प्रक्रिया के तहत दोनों तरफ से मई 2020 में आरंभ हुआ और फरवरी 2021 में पूरी सुरंग की खुदाई 19.02.2021 को संपन्न हो गई। दोनों तरफ से सुरंग की खुदाई शून्य त्रृटि के साथ बिल्कुल सटीक तरीके से खुदी है और इस प्रकार पूरी सटीकता बरती गई, जिसका परिणाम बिल्कुल सही ब्रेकथ्रू के रूप में आया। भारी मानसून तथा लॉकडाउन की अवधि के तीन महीनों के बावजूद इसे पूरा कर लिया गया। सभी सुरक्षा मानदंडों का सफलतापूर्वक पालन किया गया।

वर्तमान स्थिति

• डबल ट्रैक सुरंग टी–5 की हेंडिंग और बेंचिंग द्वारा 09.05.2021 को पूरी खुदाई संपन्न हो गई, • इनवर्ट सफाई और पीसीसी कार्य प्रगति पर हैं, • 315 एमएम व्यास मध्य नाली की खुदाई और संस्थापन कार्य प्रगति पर है, • नो फाइन कंक्रीट के साथ 160 एमएम व्यास छिद्रित साइड नाली की स्थापना का कार्य प्रगति पर है, • वॉटरप्रूफिंग स्थापना का कार्य प्रगति पर है, • इनवर्ट लाइनिंग (निचला आरसीसी) का कार्य प्रगति पर है।

जबलपुर रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण

रेल मंत्रालय ने स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत स्टेशनों पर बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की योजना बनाई है। इसी श्रृंखला में पमरे के जबलपुर रेलवे स्टेशन पर उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री का उपयोग करके नया लुक दिया गया है और साथ ही हवाई अड्डे स्तरीय सुविधाओं युक्त निर्माण किया गया है। जबलपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास में उपयोग किए जा रहे नए कंस्ट्रक्शन मैटेरियल इस प्रकार हैं :-

जबलपुर रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नं. 6 के ओर की बिल्डिंग

मेटल फसाड पाउडर कोटेड :- यह प्लेटफॉर्म नंबर 6 की तरफ एनेक्सी बिल्डिंग (मुख्य स्टेशन द्वार) के बाहरी हिस्से पर लगाया गया है। ये मेटल फसाड पाउडर कोटेड छिद्रित एल्युमिनियम शीट का होती है। इस धातु का अग्रभाग गैर भार वहन करने वाला है, जो बिल्डिंग को मौसम के प्रभाव से बचाता है। पमरे में पहली बार उच्च तकनीक का इस प्रकार का मेटल उपयोग किया गया है जो कि सौदर्यीकरण की दृष्टि से अपनी ओर आकर्षित करता है। कुल 1,600 Sqm फसाड एरिया में कार्य किया गया है।

ग्लास फाइबर :- प्लेटफॉर्म नंबर 6 के द्वितीय द्वार की बिल्डिंग के बाहरी फेस पर ग्लास फाइबर कंक्रीट सरंचना का उपयोग किया गया है। यह एक उच्च शक्तिशाली, टिकाऊ एवं सौन्दर्ययुक्त सामग्री है।

टेंसिल फाइबर :- प्लेटफॉर्म नंबर 6 के बाहर पैदल यात्रियों के लिए टेंसिल फाइबर फैब्रिक मैटेरियल का उपयोग किया गया है। सौंदर्यीकरण के लिए रेड कलर से कट्रॉस का उपयोग किया गया है। साथ ही साथ यात्रियों के लिए ड्रॉप एंड गो एवं पिक-अप के लिए सुविधाजनक होगा।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के ओर की बिल्डिंग

स्काई सीलिंग :- यह एक ट्रांसलूसेंट स्ट्रेच फैब्रिक फॉल्स सीलिंग है, जो प्लेटफॉर्म नंबर 1 के कॉनकोर्स एरिया में प्रदान की गई है। इसके ऊपर एलइडी लाइट्स लगाई गई हैं, जिसकी सुन्दरता वास्तविक आसमान जैसी प्रतीत होती है। मध्य प्रदेश में इस प्रकार का पहला प्रयोग है जोकि यात्रियों को भव्यता प्रदान करता है। पश्चिम मध्य रेल के रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास योजनाओं का कार्य जल्द से जल्द तीव्रगति से पूर्ण किया गया है।

पश्चिम मध्य रेलवे: आत्मनिर्भर भारतीय रेल की दिशा में एक और महत्त्वपूर्ण कदम

भारतीय रेल भी विश्व स्तरीय रेलों की भांति नई तकनीक का उपयोग करने में आगे बढ़ रहा है। भारतीय रेल ने 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में अपनी पहचान को बढ़ाया है। 'आत्मनिर्भर भारत' के अंतर्गत 'सेल' भिलाई स्टील प्लांट (SAIL) द्वारा भारतीय रेल के ट्रैक में नई तकनीक की सफलतापूर्वक अप्रैल 2021 से 'आर-260 ग्रेड' का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। इस नई ग्रेड को भारतीय रेल के अनुसंधान एवं मानक संगठन (RDSO) द्वारा विश्व स्तरीय मानक पर आधारित निर्देशों के अनुरूप उपयोग किया जा रहा है। सेल की तकनीक आरडीएसओ द्वारा निर्धारित निर्देश के अनुसार आर-260 ग्रेड यूरोपियन मानकों की तुलना में अधिक कठोर है। भारतीय रेल ट्रैक पर उच्च गति एवं अधिकतम फ्रेट लोड की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेल के आर-260 ग्रेड के ट्रैक का उपयोग किया जा रहा है।

पमरे द्वारा ट्रैक रिन्यूवल में इस नई तकनीक का उपयोग शुरू कर दिया है। साथ ही साथ, रेलों को जोड़ने के लिए नई R-260 वेल्डिंग पद्धति का भी उपयोग किया जा रहा है। गौरतलब है कि पहले 13 मीटर की रेल होती थी, जिसमें 01 किमी के ट्रैक में 70-80 वेल्ड जोड़ होते थे, पर अब नई तकनीक से ट्रैक रिन्यूवल में रेल आर-260 ग्रेड के 260 मीटर के एक रेल के उपयोग से 01 किमी के ट्रैक में मात्र लगभग 08-10 वेल्ड जोड़ का प्रयोग किया जाता है, जिससे राइडिंग क्वालिटी, संरक्षा, मैनपॉवर, ब्लॉक और धन राशि की भी बचत होती है। पश्चिम मध्य रेल को ट्रैक रिन्यूवल हेतु वर्ष 2021-22 में 170 किमी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें मुख्यत: R-260 रेल का प्रयोग किया जाएगा, जिसमें जबलपुर मंडल में कटनी-बीना एवं कटनी-सिंगरौली, भोपाल मंडल में बीना-भोपाल एवं बीना-गुना एवं कोटा मंडल में नागदा-मथुरा रूटों पर पूरा किया जाएगा।

नई ग्रेड ट्रैक रेल R-260 ग्रेड से रेलवे को कई बुनियादी फायदे होंगे।

- यह रेल की उच्च शक्ति 550 एमपीए (मेगा पास्कल) है, जिससे ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए तथा भारी एक्सल के ट्रेनों के परिचालन के लिए यह काफी उपयोगी है।
- यह रेल वैनेडियम युक्त मिश्र धातु की है, जिससे जंग एवं रेल फ्रैक्चर में कमी तथा रेल की स्थिति अच्छे रहने से रेल में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी।
- नई प्रकार की रेल जोकि 260 मीटर लम्बी है, ट्रैक की रिन्यूवल से गुणवत्ता में बेहतर सुधार होगा और इसके रखरखाव में खर्चा एवं समय की बचत होगी।
- भारी एक्सल से रेल यातायात की बढ़ोत्तरी होने से रेल राजस्व भी बढ़ेगा।
- ट्रैक में कम वेल्ड होने के कारण परिचालन गुणवत्ता सुधरेगी।

पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उसको पूरा करने और उससे भी बेहतर बनाने के लिए हमेशा ही नई तकनीक उपयोग करने में अग्रणी भूमिका निभाई गई है। ■

उत्तर रेलवे ने रेलगाड़ियों को कीटाणुरहित करने के लिए यूवीसी रोबोट तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया

उत्तर रेलवे किसी भी तकनीक के विकास में सदैव आगे रहा है। कोरोना महामारी के अशांत समय के दौरान उत्तर रेलवे ने यात्रा के दौरान यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर प्रदान करने के लिए अथक परिश्रम और समर्पण का परिचय दिया है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री आशुतोष गंगल ने बताया कि यात्रियों की संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उत्तर रेलवे ने यात्री डिब्बों को कीटाणुरहित करने के लिए अनेक प्रयासों और परीक्षणों के उपरांत एक क्रांतिकारी यूवीसी तकनीक को अपनाया है।

भारतीय रेल के दिल्ली मंडल में जुलाई, 2021 से डीएलटी डिपो में रेलगाड़ी संख्या 02004 (लखनऊ शताब्दी स्पेशल) में इस तकनीक का इस्तेमाल पहली बार किया जा रहा है। रिमोट कंट्रोल से चलने वाली इस मशीन के इस्तेमाल से पूरी रेलगाड़ी को स्वचालित रूप से कीटाणुरहित किया जा रहा है। यह तकनीक उन स्थानों पर भी कारगर है जहां तक किसी अन्य मौजूदा प्रक्रिया द्वारा नहीं पहुंचा जा सकता है। चूंकि इस प्रक्रिया में मनुष्य की कोई भागीदारी नहीं होती, अत: यह यूवीसी तकनीक पूरी तरह सुरक्षित और उपयोग के अनुकूल है। इस मशीन को वाशिंग लाइन पर सुगमता के साथ इस्तेमाल में लाया जा सकता है। रेलवे के इस प्रयास पर यात्रियों की प्रतिक्रियाएं सकारात्मक रही हैं।

यह तकनीक कम्पार्टमेंट क्षेत्र के शत-प्रतिशत कीटाणुशोधन के लिए यूवीसी लाइट्स के साथ लगे स्वायत्त पंखों वाले रोबोटिक उपकरण का उपयोग करती है। यह डिवाइस ऑपरेटर और आस-पास की सुरक्षा के लिए वायरलेस रिमोट कंट्रोल की मदद से संचालित होता है। गौरतलब है कि यह तकनीक कोरोना वायरस के न्यूक्लियस को नष्ट कर देती है, जिससे इसके वायरस के बढ़ने पर रोक लग जाती है। इसके साथ ही यह अपनी तरह का एक हरित उपाय भी है। सरकार द्वारा प्रमाणित प्रयोगशाला द्वारा किए गए परीक्षण और जांच के उपरांत यह पाया गया है कि यह तकनीक जीवाणु, कीटाणु और रोगाणु को 99.99% तक मार देती है।

इस तकनीक को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, सीएसआईओ और तनुवास अध्ययन केंद्र, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस केबिन को कीटाणुरहित करने के लिए पहले से ही इस तकनीक का इस्तेमाल कर रही है और पिछले लगभग दो दशकों से अस्पतालों द्वारा भी इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। ■

उत्तर पश्चिम रेलवे पर 66वां रेल सप्ताह समारोह मनाया

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा उत्सव भवन, रेलवे अधिकारी क्लब, जगतपुरा, जयपुर में 66वां रेल सप्ताह समारोह मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आनन्द प्रकाश द्वारा इस समारोह में श्रेष्ठ कार्य करने वाले 158 रेलकर्मियों को महाप्रबंधक स्तर पर पुरस्कृत किया गया, जिनमें 24 राजपत्रित एवं 134 अराजपत्रित कर्मचारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 15 सामूहिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

मंडलों को विभिन्न कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए कुल 35 शील्ड प्रदान की गई। इस वर्ष अजमेर मंडल को महाप्रबंधक की सम्पूर्ण कार्यकुशलता शील्ड एवं जयपुर मंडल को रनर-अप शील्ड दे कर सम्मानित किया गया है। ■

दक्षिण मध्य रेलवे : रेलवे पुलों पर बाढ़ से आगाह करेगा वॉटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत स्थित महत्त्वपूर्ण रेलवे पुलों पर नदियों का जलस्तर मापने के लिए मीटर गेज के स्थान पर नई तकनीक वॉटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है। सेंसर युक्त इस नए उपकरण से जलस्तर की पूरी जानकारी त्वरित मिल रही है। नदी में जल का स्तर अचानक बढ़ाने की स्थिति में इस सिस्टम से जुड़े अधिकारियों के मोबाइल पर तुरंत अलर्ट मैसेज भी आएगा, जिससे समय रहते संरक्षित रेल परिचालन को भी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत 11 महत्त्वपूर्ण रेलवे पुलों पर यह तकनीक स्थापित की गई है एवं अन्य महत्त्वपूर्ण रेलवे पुलों पर भी इसे लगाने की योजना है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण पुलों पर यह सिस्टम लगाया गया है :- बिलासपुर रेल मंडल के अंतर्गत झारसुगुड़ा एवं ईब स्टेशनों के मध्य ईब नदी पर रेलवे पुल (क्रमांक-184 UP), ईब एवं ब्रजराजनगर स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (182 UP), भूपदेवपुर एवं राबर्ट्सन स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (86 UP), कोरबा एवं गेवरारोड स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (63 DN), नैला एवं चांपा स्टेशनों के मध्य हसदेव नदी पर रेलवे

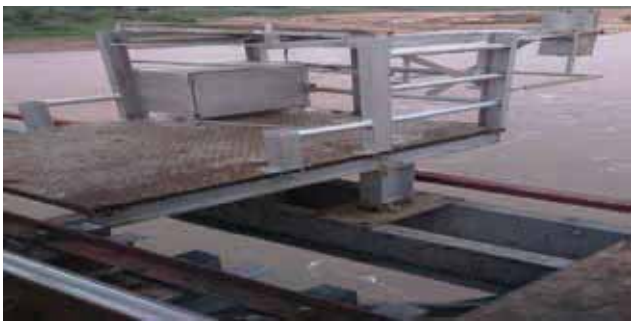

पुल क्रमांक (46 DN), रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत दगौरी एवं निपनिया स्टेशनों के मध्य शिवनाथ नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (462 MID), नागपुर रेल मंडल के अंतर्गत रसमड़ा एवं दुर्ग स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (348 DN), मुंडीकोटा एवं तुमसर स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (116 UP), कन्हान एवं कामठी स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (34 UP), वडसा एवं ब्रह्मपुरी स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (159 GCF), बरगी एवं ग्वारीघाट स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पुल क्रमांक (348 DN)। ■

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन की बचत हेतु प्रतिबद्ध

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में हेड ऑन जनरेशन (एचओजी) प्रणाली की स्थापना से पिछले 16 महीनों में लगभग 15 करोड़ रुपए के डीजल की बचत की गई है। अत्याधुनिक 'हेड ऑन जेनरेशन' (एचओजी) प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 15 ट्रेनें हरित यानी 'ग्रीन' ट्रेन हो गई हैं। अब ये ट्रेनें महंगे डीजल ईंधन को जलाने की बजाय ओवर हेड उपकरण (ओएचई) के माध्यम से सीधे ग्रिड से बिजली ले रही हैं।

HOG इंजन से सीधे इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पावर केबल की शक्ति का उपयोग करके प्रकाश और एयर कंडीशनिंग के लिए कोचों को विद्युत आपूर्ति करने की एक प्रणाली है। एलएचबी आधारित ट्रेनों के कोचों के लिए विद्युत उत्पादन के सबसे आम तरीके को एंड ऑन जेनरेशन (ईओजी) कहा जाता है। प्रत्येक एलएचबी गाड़ियों पर कोचों को विद्युत की आपूर्ति करने के लिए डीजल इंजन ले जाने वाली पावर कार के दो सेट होते थे जिसमें कोच में लाइट और एयर कंडीशनिंग के लिए बिजली की आपूर्ति ट्रेन के दोनों सिरों पर लगाए गए विद्युत कारों में उपलब्ध डीजल जेनरेटर सेट के माध्यम से की जाती थी। अब इन सभी 15 ट्रेनों में इंजन के माध्यम से ओवर हेड उपकरण (ओएचई) से विद्युत की सप्लाई की जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 'हेड ऑन जेनरेशन' (एचओजी) प्रणाली आधारित ट्रेनें:- बिलासपुर-चेन्नई एक्सप्रेस, बिलासपुर-पुणे, एक्सप्रेस, बिलासपुर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस, बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस, बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस, बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस, C.G. सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस, दुर्ग-निजामुद्दीन, हमसफर एक्सप्रेस, दुर्ग-जम्मूतवी एक्सप्रेस, दुर्ग-फिरोजपुर अंत्योदय एक्सप्रेस, कोरबा-रायपुर, हसदेव एक्सप्रेस, दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, दुर्ग-कानपुर, बेतवा एक्सप्रेस, दुर्ग-नौतनवा एवं दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस शामिल हैं। ■

उत्तर मध्य रेलवे का 66वां रेल सप्ताह समारोह सम्पन्न

दिनांक 01 अक्टूबर, 2021 को उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित वार्षिक 66वें रेल सप्ताह समारोह कार्यक्रम के तहत महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री प्रमोद कुमार द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 147 अधिकारियों और कर्मचारियों को महाप्रबंधक पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त 40 कर्मियों को 3 समूह पुरस्कार एवं विभिन्न शील्डें प्रदान की गईं। झांसी मंडल को मिली सर्वोत्तम मंडल एवं प्रयागराज मंडल को मिली समग्र सुधार शील्ड प्राप्त हुई।

समारोह के प्रारम्भ में मुख्य कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे, श्री नन्द किशोर ने महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, श्री प्रमोद कुमार और श्रीमती मंजु नन्द किशोर ने अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन उत्तर मध्य रेलवे श्रीमती पूनम कुमार को पौधा देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। प्रयागराज मंडल को वाणिज्य दक्षता शील्ड, इंजीनियरिंग दक्षता शील्ड, विद्युत दक्षता शील्ड, कार्मिक दक्षता शील्ड, संरक्षा दक्षता शील्ड, रेल पथ (ट्रैक) शील्ड, रनिंग रूम शील्ड, इलेक्ट्रिक लोको शेड शील्ड, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन शील्ड, सामान्य सेवा एवं ऊर्जा दक्षता शील्ड, बेस्ट कोचिंग रैक कप, समय पालन में सुधार शील्ड, माल भाड़ा परिचालन शील्ड, संकेत एवं दूरसंचार कार्य शील्ड, खेलकूद शील्ड, जन सम्पर्क समग्र दक्षता शील्ड प्राप्त हुई।

झांसी मंडल को लेखा दक्षता शील्ड, चिकित्सा दक्षता शील्ड, यांत्रिक दक्षता शील्ड, परिचालन दक्षता शील्ड, संकेत एवं दूर संचार दक्षता शील्ड, ब्रिज शील्ड, मंडल स्क्रैप संग्रहण शील्ड, राजभाषा शील्ड प्राप्त हुई। आगरा मंडल को सुरक्षा दक्षता शील्ड, कार्य बागवानी शील्ड, बेस्ट कोचिंग डिपो कप, यात्री सुरक्षा शील्ड, दूरसंचार शील्ड प्राप्त हुए।

इनके साथ ही इंजी./निर्माण दक्षता शील्ड ख्र उप मु.इंजी., नि. आगरा, भण्डार दक्षता शील्ड–इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन डिपो, कानपुर, स्टेशन साफ-सफाई शील्ड–आगरा कैंट, सर्वोत्तम स्टेशन प्रमाण-पत्र - ग्वालियर स्टेशन, सर्वोत्तम कारखाना शील्ड-सिथौली कारखाना, ग्वालियर, सर्वोत्तम चिकित्सालय शील्ड-केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज, सर्वोत्तम स्वास्थ्य केन्द्र शील्ड-फतेहपुर, स्वास्थ्य इकाई, कारखाना दक्षता शील्ड-झांसी कारखाना को प्राप्त हुए। ■

पश्चिम रेलवे का 66वां रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह सम्पन्न

पश्चिम रेलवे का 66वां रेलवे सप्ताह पुरस्कार समारोह मंगलवार, 20 जुलाई, 2021 को वाई.बी. चव्हाण सभागार, चर्चगेट में आयोजित किया गया।

इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल ने 150 मेधावी रेलकर्मियों को दक्षता पदक, योग्यता प्रमाण-पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए। रेल सप्ताह के दौरान विभिन्न श्रेणियों में मंडलों को दक्षता शील्ड भी प्रदान की जाती हैं। श्री कंसल ने वर्ष 2020-21 के लिए महाप्रबंधक की सर्वाधिक प्रतिष्ठित समग्र दक्षता शील्ड सहित विभिन्न क्षेत्रों में सबसे कुशल चुने गए मंडलों और इकाइयों को 27 दक्षता शील्ड प्रदान कीं।

मुंबई सेंट्रल मंडल ने इंटर मंडल स्वच्छता शील्ड के साथ-साथ ट्रैक्शन एफिशिएंसी शील्ड भी हासिल की। मुंबई सेंट्रल मंडल ने रतलाम मंडल के साथ वाणिज्यिक दक्षता शील्ड भी हासिल की। सर्वश्रेष्ठ रखरखाव वाली मेल/एक्सप्रेस ट्रेन के लिए मुंबई सेंट्रल डिपो ने प्रथम पुरस्कार जीता और वडोदरा डिपो ने दूसरा पुरस्कार जीता। सर्वश्रेष्ठ रखरखाव वाले रनिंग रूम के लिए रोलिंग शील्ड मुंबई मंडल के बांद्रा टर्मिनस को मिली और रतलाम मंडल के चित्तौड़गढ़ ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। बेस्ट इम्प्रूवमेंट शील्ड को संयुक्त रूप से मुंबई सेंट्रल और वडोदरा मंडल ने हासिल किया। इसके अलावा, परिचालन, चिकित्सा, सुरक्षा और संरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी सर्वश्रेष्ठ मंडलों/इकाइयों को दक्षता शील्ड प्रदान की गई। श्री कंसल द्वारा संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों, मुख्य निर्माण प्रबंधकों और डिपो प्रभारी को शील्ड प्रदान की गई। ■

उत्तर मध्य रेलवे : कैंटेड टर्नआउट थिक वेब स्विच परीक्षण हेतु स्थापित

दिनांक 12 अगस्त, 2021 को प्रयागराज मंडल के सासनी स्टेशन पर एक जोड़ी कैंटेड टर्नआउट थिक वेब स्विच को परीक्षण हेतु स्थापित किया गया है। यह पहली बार है जब भारतीय रेल पर किसी क्षेत्रीय रेलवे द्वारा ऐसा किया गया है। इससे पहले इस तरह के टर्नआउट थिक वेब स्विच का प्रयोग दिल्ली मेट्रो और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ट्रैक में किया जा रहा है। 160 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति पर रेल परिचालन के लिए कैंटेड जोड़ रहित टर्नआउट का उपयोग करना आवश्यक है ताकि, कैंटेड प्लेन स्लीपर से अनकैंटेड टर्नआउट स्लीपरों में चेंज ओवर की स्थिति में वाइब्रेशन को नियंत्रित किया जा सके। इससे पहले आरडीएसओ के मार्गदर्शन में फरवरी, 2021 में सासनी यार्ड में लूप लाइन पर इसका एक सेट स्थापित किया गया था।

स्विच की पूरी लंबाई तक स्विच की सेटिंग सुनिश्चित करने के लिए सिस्टम में अनूठी चीज सेकेंडरी मोटर ड्राइव का उपयोग है। सामान्य थिक वेब स्विच की तुलना में एसएसडी व्यवस्था के साथ इसकी सेटिंग गुणवत्ता बेहतर है। एक टर्नआउट कॉगिफर में MCEM9 पॉइंट मशीन और दूसरी IRS पॉइंट मशीन का उपयोग किया गया है। इसकी स्थापना के दौरान स्विच के अलावा अन्य स्लीपर 5 दिनों में कॉशन के तहत डाले गए। आरडीएसओ अधिकारियों के साथ सीनियर मंडल इंजीनियर श्री सुधीर कुमार और सीनियर डीएसटीई, अलीगढ़ श्री प्रदीप सोनी की उपस्थिति में ब्लॉक के तहत असेंबल स्विच डाला गया। कैंटेड टर्नआउट्स की विशेषता यह है कि स्टॉक रेल के सभी स्विच पार्ट बेयरिंग प्लेट्स में कैंट और टंग रेल में इनबिल्ट कैंट होते हैं। वेल्डेबल कास्ट मैंगनीज स्टील इनबिल्ट कैंट के साथ प्रदान किया जाता है। लीड हिस्से में रेल शीट के नीचे वेज ब्लॉक द्वारा कैंट प्रदान किया जाता है। इसमें थिक वेब स्विच और वेल्डेबल क्रॉसिंग दी गई है। श्री एस के मिश्रा प्रमुख मुख्य इंजीनियर, उत्तर मध्य रेलवे के अनुसार उच्च गति पर सुगम सवारी के लिए आवश्यक ये कैंटेड टर्नऑउट डीएमआरसी से प्राप्त किए गए हैं। परीक्षण सफल हो जाने के बाद आरडीएसओ के सहयोग से पूरे भारतीय रेल में उपयोग हेतु इसके स्वदेशीकरण का कार्य कर सकते हैं। ■

एंड ऑफ ट्रेन टेलीमेट्री का सफल परीक्षण

उत्तर मध्य रेलवे के कानपुर लोकोशेड द्वारा मालगाड़ी में एंड ऑफ ट्रेन टेलीमेट्री (ईओटीटी) प्रणाली के सफल ट्रायल के साथ रेल परिचालन में तकनीक के नए युग का सूत्रपात हुआ। इस परियोजना को फास्ट ट्रैक मोड पर रखा गया है। यह तकनीक ब्रेक वैन की आवश्यकता को समाप्त कर देगी और मालगाड़ियों में सुरक्षित संचालन के लिए गार्ड द्वारा निर्वहित की जाने वाली सभी संरक्षा गतिविधियों को पूरा करेगी। इस प्रकार, ब्रेक वैन के स्थान पर एक अतिरिक्त वैगन को जोड़ा जा सकता है जिससे अतिरिक्त राजस्व अर्जन हो सकेगा।

ईओटीटी में मुख्य रूप से दो यूनिट होती हैं अर्थात् हेड ऑफ ट्रेन यूनिट (HOT) जो लोकोमोटिव पर लगा होता है और एक पोर्टेबल एंड ऑफ ट्रेन यूनिट (EoT) होता है जो अंतिम वैगन के सेंटर बफर कपलिंग (CBC) पर लगा होता है। इन दो इकाइयों को जोड़ा जाता है और एक रेडियो लिंक पर एक दूसरे के साथ संवाद करते हैं। ट्रेन के अंतिम वाहन का ब्रेक पावर प्रेशर लोकोमोटिव के लोको कैब में एचओटी डिस्प्ले में ड्राइवर को प्रदर्शित होता है। इसके तहत जब भी लोको पायलट द्वारा लोको कैब में आपातकालीन ब्रेक लगाया जाता है, तो अंतिम वाहन से भी आपातकालीन ब्रेक लग जाता है, जिससे ट्रेन को नियंत्रित करने के लिए ब्रेकिंग दूरी और समय कम हो जाता है। इसके अलावा जब ट्रेन पार्टिंग या डिरेलमेंट की स्थिति में अंतिम डिब्बे का बीपी दबाव स्तर निर्दिष्ट सीमा के बाहर हो जाता है, तब भी यह प्रणाली लोको पायलट को भी सचेत करेगी।

परिवेशी प्रकाश की स्थिति के आधार पर ईओटी में स्वचालित स्विचिंग ऑन और ऑफ की सुविधायुक्त उच्च दृश्यता मार्कर लाइट प्रदान की गई है। ईओटीटी में ट्रेन के स्थान, लंबाई और गति को इंगित करने के लिए जीपीएस मॉड्यूल है। सर्वर पर डेटा हस्तांतरण के लिए जीएसएम संचार मॉड्यूल का उपयोग होता है। इलेक्ट्रिक लोको शेड, कानपुर के लोको नंबर 32266/डब्ल्यूएजी-9/सीएनबी में ईओटीटी सिस्टम चालू कर दिया गया है। 01.08.2021 को जीएमसी यार्ड और टूंडला सेक्शन के बीच एक मालगाड़ी में उत्तर मध्य रेलवे द्वारा ईओटीटी का फील्ड ट्रायल किया गया। ट्रायल के दौरान मुख्य विद्युत लोकोमोटिव इंजीनियर श्री पी.डी. मिश्रा मिश्रा मौजूद थे। इस डिवाइस को आरडीएसओ और बीएलडब्ल्यू द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। ■

केंद्रीय अस्पताल, प्रयागराज द्वारा जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया

रेलवे अस्पताल, प्रयागराज के सर्जरी विभाग ने 12 जुलाई, 2021 को चिकित्सा निदेशक डॉ. रूपा कपिल के नेतृत्व में एक जटिल एवं गंभीर आपरेशन किया गया। जन्म से ही रेयान पुत्र श्री अफजल अहमद, स्टेशन मास्टर, प्रयागराज की दाहिने हाथ की कनिष्ठ अंगुली जुड़ी हुई थी जो पूर्णत: खराब हो चुकी थी तथा खून की सप्लाई भी बगल वाली अंगुली से थी। डॉ. संजय कुमार, वरि. सर्जन द्वारा इनका सफल ऑपरेशन किया गया। इस ऑपरेशन द्वारा दोनों अंगुलियों

को एक दूसरे से अलग किया गया। अब रेयान 18 साल बाद अपनी अंगुली सामान्य होने पर खुश हैं। उन्होंने रेलवे अस्पताल एवं समस्त टीम को धन्यवाद दिया। इस ऑपरेशन के दौरान डॉ. मो. उसैद, डॉ. आलोक कुमार यादव, मेट्रन रुथ सिंह एवं नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती मंजू देवी सोनकर का योगदान रहा। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री प्रमोद कुमार ने डॉक्टरों की टीम को इस सफलता के लिए बधाई दी और कहा, ''हमारे लिए हर मुस्कान बेशकीमती है''। ■

उत्तर मध्य रेलवे : 'स्वच्छता जागरूकता साइकिल रैली'

दिनांक 02 अक्टूबर, 2021 को उत्तर मध्य रेलवे में आयोजित किए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के समापन दिवस पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में स्वच्छता जागरुकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार के नेतृत्व में आयोजित हुई इस रैली को अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन श्रीमती पूनम कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान साइकिल चालकों ने रेलगांव रेलवे कॉलोनी सूबेदारगंज मार्गों से गुजरते हुए लगभग 5 किमी की दूरी तय की। रैली में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के अधिकारियों, खिलाड़ियों और कर्मचारियो ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। ■

पश्चिम रेलवे के कलाकारों का सफल नाट्य मंचन

वेस्टर्न रेलवे फाइन आर्ट्स एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा दिनांक 1 अगस्त, 2021 को एक हिंदी नाटक 'सब गोलमाल है' का मंचन किया गया। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल इस अवसर पर मुख्य अतिथि और पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती तनुजा कंसल इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। नाटक 'सब गोलमाल है' का मंचन पश्चिम रेलवे के लोअर परेल वर्कशॉप, महालक्ष्मी वर्कशॉप, मुंबई मंडल ऑफिस और हेडक्वार्टर ऑफिस के कलाकारों ने किया। इस अवसर पर WRWWO की अध्यक्षा श्रीमती तनुजा कंसल ने नाट्य प्रदर्शन की सराहना की और सभी कलाकारों को प्रोत्साहित किया। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल द्वारा इस मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन के लिए 20 हजार रुपये के सामूहिक नकद पुरस्कार की घोषणा की गई। ■

पूर्वोत्तर रेलवे में स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक

पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री विनय कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में रेल प्रशासन की एन.ई. रेलवे मजूदर यूनियन (नरमू) के साथ स्थाई वार्ता तंत्र की दो दिवसीय बैठक 26-27 अगस्त, 2021 को महाप्रबन्धक बैठक कक्ष में हुई। बैठक में अपर महाप्रबन्धक श्री अमित कुमार अग्रवाल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती रीता पी. हेमराजानी, प्रधान विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी तथा नरमू के अध्यक्ष श्री बसन्त चतुर्वेदी, महामंत्री श्री के.एल. गुप्ता सहित मुख्यालय एवं मंडलों के यूनियन पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में महाप्रबन्धक ने कहा कि प्रशासन रेलकर्मियों की सभी समस्याओं के निराकरण एवं कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कोरोना संकट के दौरान रेलकर्मियों द्वारा समर्पण एवं कर्मठता की भावना से काम किए जाने की भूरि-भूरि प्रशंसा की। ■

पीलीभीत-शाहजहांपुर रेल खण्ड का आमान परिवर्तन पूर्ण

पूर्वोत्तर रेलवे पर पीलीभीत-शाहजहांपुर (83 किमी) रेल खण्ड का बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन कार्य निर्धारित योजना के अनुरूप पूरा कर लिया गया है। उत्तर रेलवे के अन्तर्गत आने वाले शाहजहांपुर के नान-इण्टरलॉकिंग का कार्य मुख्य चुनौती थी जिसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। आमान परिवर्तन परियोजना के अन्तिम चरण में शाहबाजनगर-शाहजहाँपुर (4.16 किमी) खण्ड का कार्य हाल ही में हुआ तथा इसका सी.आर.एस. निरीक्षण 04 अगस्त, 2021 को सम्पन्न हुआ है। इस कार्य की स्वीकृति वर्ष 2017-18 में रू0 426.74 करोड़ की अनुमानित लागत से प्रदान की गई थी। तद्नुसार इस खण्ड का आमान परिवर्तन करने के लिए 30 मई, 2018 से इस रेल खण्ड पर मीटर गेज की रेल गाड़ियों का संचलन बन्द कर दिया गया था। इस खण्ड पर रेल संचलन शीघ्र ही प्रारम्भ हो जाने की आशा है। ■

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे और वन विभाग के अधिकारियों के बीच अंतरविभागीय समन्वय बैठक

दिनांक 17 जुलाई को लामडिंग मंडल में वन और रेलवे अधिकारियों के बीच अंतरविभागीय समन्वय बैठक के साथ उन सभी स्थानों का संयुक्त निरीक्षण किया गया, जहां हाथी नियमित रूप से रेलवे ट्रैक पार करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए कि रेल की आवाजाही में बाधा डाले बिना ट्रेनों से हाथियों की टक्कर के मामलों को कम से कम किया जाए। यह सौभाग्य की बात है कि इस वर्ष रेलवे और वन अधिकारियों की सतर्कता और सक्रिय संयुक्त कार्रवाई के कारण 124 से अधिक हाथियों को बचाया गया है और इस वर्ष हाथियों के टकराने की घटना का कोई मामला नहीं है। ■

दक्षिण पूर्व रेलवे : आरपीएफ का 37वां स्थापना दिवस

दक्षिण पूर्व रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल ने 28 सितम्बर, 2021 को मुख्यालय गार्डनरीच में 37वां स्थापना दिवस मनाया। 20 सितंबर, 1985 को भारत संघ के अन्य अर्धसैनिक बलों के समान रेलवे सुरक्षा बल को सशस्त्र बल का दर्जा प्रदान पर 'स्थापना दिवस' मनाया जाता है। महाप्रबंधक सुश्री अर्चना जोशी ने सामान्य सलामी ली। श्री डी बी कसार, आईजी-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व रेलवे ने आरपीएफ कर्मियों प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर रांची मंडल की महिला आरपीएफ टुकड़ी द्वारा मार्शल आर्ट ड्रिल और महिला कमांडो द्वारा प्रदर्शन भी किया गया। सभी मंडल रेल प्रबंधकों ने अपने-अपने मंडलों में सलामी ली। ■

चिरेका द्वारा चालू वर्ष के 200वें रेलइंजन का लोकार्पण

दिनांक 10 अक्टूबर, 2021 को श्रगी सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक ने चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में उत्पादित 200वें रेलइंजन, डब्लूएजी-9 /एचसी (33326 श्रेणी) को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर चिरेका के सभी कर्मी उपस्थित थे। श्री कश्यप ने इस सफलता के लिए समस्त चिरेका परिवार को बधाई दी है और यह उम्मीद जाहिर की कि रेलइंजन उत्पादन के प्रगति के इस रफ्तार के बल पर चिरेका फिर एक नया कीर्तिमान स्थापित करने में सफल होगा। ■

रेल पर्यटन व साहित्य को साथ सँजोए

रेल मंत्रालय द्वारा विगत 60 सालों से भी अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं

भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें

Indian Railways
(English)

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home

शर्तें एवं दरें लागू

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय रेल पर

'आजादी का अमृत महोत्सव' प्रगतिशील भारत की आजादी के 75 साल को मनाने की एक पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च, 2021 को साबरमती आश्रम, अहमदाबाद से 'दांडी मार्च' को हरी झंडी दिखाकर 'आजादी के अमृत महोत्सव' का उद्घाटन किया था। यह भारत की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। यह महोत्सव 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना से प्रेरित है। समारोह स्वतंत्रता की हमारी 75वीं वर्षगांठ से 75 सप्ताह पहले शुरू हुआ और 15 अगस्त, 2023 को समाप्त होगा। 'अमृत महोत्सव' के तहत 13 अगस्त से 2 अक्टूबर, 2021 गांधी जयंती तक 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' का भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजन किया गया। भारतीय रेल भी यह महोत्सव जोर-शोर से मना रही है। यहां पेश है, ऐसे ही कार्यक्रमों की एक झलक...

दक्षिण पूर्व रेलवे

दक्षिण पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री अर्चना जोशी ने 13 अगस्त, 2021 को स्वतंत्रता दिवस के 75वें वर्ष – आजादी का अमृत महोत्सव पालन करने के अवसर पर दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय, गार्डनरीच में 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। वरिष्ठ अधिकारियों, रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों, खिलाड़ियों तथा कर्मचारियों सहित 70 से अधिक भागीदारों ने इस रन के तहत 3 किमी की दूरी तय की। इस रन के पीछे हमारे दैनिक जीवन में कम-से-कम 30 मिनट व्यायाम यानी फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज की अवधारणा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, रेल मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार 'आजादी का अमृत महोत्सव' राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार ने बिलासपुर स्टेशन से सुबह 7:00 बजे हरी झंडी दिखाकर 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' को रवाना किया। यह दौड़ बिलासपुर स्टेशन से प्रारंभ होकर तितली चौक के रास्ते क्षेत्रीय रेलवे ऑफिस होते हुए एन.आई. इंस्टिट्यूट ग्राउंड में समाप्त हुई। इस 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' दौड़ में सेक्रो अध्यक्षा, डॉ. श्रीमती वनिता जैन एवं मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष सहित अधिकारीगण सम्मलित हुए।

उत्तर पश्चिम रेलवे

'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे पर 'फिट इंडिया फ्रीडम रन' का आयोजन जगतपुरा स्थित अधिकारी क्लब में किया गया, जिसमें श्री आनन्द प्रकाश, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे, डॉ. अतुल गुप्ता, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक एवं अध्यक्ष उत्तर पश्चिम रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन, श्री बृजेश गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), श्री सतीश कुमार, वरि. उपमहाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित रेलवे के खिलाड़ी, अधिकारीगण व कर्मचारीगण एवं परिवाजन उपस्थित रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव

रेल कोच फैक्ट्री

रेल कोच फैक्ट्री में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत विशाल साईकल रैली का आयोजन किया गया। रैली को आर सी एफ के महाप्रबंधक श्री रवीन्द्र गुप्ता ने सुबह 6.30 बजे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में आरसीएफ के महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती नीता गुप्ता, उच्च अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएँ, युवा और बच्चे भारी गिनती में शामिल हुए।

उत्तर मध्य रेलवे

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री प्रमोद कुमार और उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती पूनम कुमार ने हरी झंडी दिखा कर 19 अगस्त, 2021 को सूबेदारगंज स्थित उत्तर मध्य रेलवे प्रधान कार्यालय की रेल कॉलोनी रेलगाँव में 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' को रवाना किया। कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक श्री रंजन यादव, अन्य प्रमुख विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण, बड़ी संख्या में खिलाड़ी, रेल सुरक्षा बल कर्मियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन खेल संघ के अध्यक्ष एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, निर्माण श्री शरद मेहता के नेतृत्व में किया गया।

मेट्रो रेलवे

आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में 14.अगस्त, 2021 को मेट्रो रेलवे में 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न पदों पर तैनात 104 आरपीएफ कर्मचारियों ने भाग लिया, जिन्होंने कोविड वैक्सीन की दोनों खुराकें ली हैं। मेट्रो रेल भवन से शुरू होकर यह दौड़ मैदान और पार्क स्ट्रीट स्टेशनों तक 3 किमी की दूरी तय करने के बाद उसी स्थान पर समाप्त हुई।

पूर्वोत्तर रेलवे

पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्वावधान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 26 सितम्बर, 2021 को आयोजित 'फिट इण्डिया फ्रीडम रन 2.0' का शुभारंभ महाप्रबन्धक श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने किया। महाप्रबन्धक ने पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मीना त्रिपाठी, प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ रेल अधिकारियों, पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं, खिलाड़ियों तथा रेलकर्मियों के साथ 'फिट इण्डिया फ्रीडम रन' में सहभागिता भी की।

उत्तर रेलवे

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री आशुतोष गंगल ने 13 अगस्त, 2021 को करनैल सिंह रेलवे स्टेडियम में 'फिट इंडिया फ्रीडम रन-2.0' अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और उत्तर रेलवे के अनेक वरिष्ठ अधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित थे। 09 अक्टूबर, 2021 को उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के द्वारा 'फिट इंडिया फ्रीडम रन' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री महाप्रबंधक व उपसंरक्षक, उ.रे. भारत स्काउट्स एवं गाइड्स मुख्य अतिथि तथा श्रीमती शिखा गंगल अध्यक्षा, उ.रे. महिला कल्याण संघठन व उपसंरक्षक, उ.रे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

आरडीएसओ

आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' का आयोजन आरडीएसओ में 13 अगस्त से 2 अक्टूबर, 2021 तक किया गया। इस अभियान के दौरान आरडीएसओ कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा दैनिक दौड़, योग अभ्यास और कई अन्य फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया। श्री संजीव भुटानी, डीजी, आरडीएसओ ने इस अभियान में कई अन्य अधिकारियों के साथ भाग लिया और आरडीएसओ कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के बीच फिटनेस को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

रायपुर स्टेशन पर 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रतीक के रूप में सरकारी निकायों से समन्वय कर हथकरघा / खादी के प्रदर्शनी-सह-बिक्री स्टाल खोला गया।

यह पूरी तरह से 'सरकार से सरकार' मॉडल है। 15 अगस्त, 2021 को मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता एवं अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती राधा गुप्ता द्वारा रायपुर स्टेशन पर हथकरघा / खादी के प्रदर्शनी-सह-बिक्री स्टॉल का अवलोकन किया गया।

पश्चिम मध्य रेलवे

'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत एलइडी स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 01 की ओर 'आजादी से समृद्धि' फोटो प्रदर्शनी 9 से 18 अगस्त, 2021 तक लगाई गई, जिसका शुभारंभ पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री शैलेंद्र कुमार सिंह एवं पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के दुर्लभ फोटो को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में बच्चों के लिए सेल्फी प्वाइंट एवं रोटोस्कोप रखा गया, जिसमें 4 रोचक वीडियो थे।

रेलवे बोर्ड में हिंदी सप्ताह-2021 का आयोजन

14 सितंबर, 2021 को 'हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) में 13-17 सितंबर, 2021 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान बोर्ड के कर्मियों में राजभाषा के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने तथा उनकी कलात्मक एवं साहित्यिक अभिव्यक्ति को नया आयाम देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हिंदी सप्ताह का शुभारंभ दिनांक 13 सितम्बर, 2021 को कार्यपालक निदेशक, स्थापना (आर.) श्री मनोज कुमार राम द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात् निदेशक (राजभाषा) ने रेल मंत्री तथा संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने गृहमंत्री के 'हिंदी दिवस' संदेश को पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर, निदेशक (राजभाषा) और कार्यपालक निदेशक, स्थापना (आर.) ने वर्ष 2019-20 में हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए रेल मंत्रालय को 'राजभाषा कीर्ति' पुरस्कार के तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सभी को शुभकामनाएं दीं।

रेल मंत्रालय का राजभाषा निदेशालय हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए 13 सितम्बर, 2021 को 'हिंदी के विकास में हिंदीतर भाषा-भाषियों का योगदान' तथा 'पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में रेलवे की भूमिका' नामक दो विषयों पर 'हिंदी निबंध प्रतियोगिता' का तथा दिनांक 14 सितम्बर, 2021 को 'हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' का ऑनलाइन आयोजन किया गया एवं 15 सितम्बर, 2021 को हिंदी वाक् प्रतियोगिता आयोजित की गई। अंतिम दिन अर्थात् दिनांक 17 सितम्बर, 2021 को अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, रेलवे बोर्ड की अध्यक्षता में रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसके दौरान उन्होंने 'रेल राजभाषा' पत्रिका का विमोचन किया। तत्पश्चात् हिंदी सप्ताह का औपचारिक रूप से समापन हुआ। ■

भारतीय रेल ने इच्छुक पार्टियों को कोचिंग स्टॉक लीज पर देकर पर्यटक सर्किट पर ट्रेन चलाने की योजना

भारतीय रेल ने इच्छुक पार्टियों को कोचिंग स्टॉक लीज पर देकर आम जनता के बीच थीम आधारित सांस्कृतिक, धार्मिक और अन्य पर्यटक सर्किट रेलगाड़ी के रूप में चलाने के लिए रेल आधारित पर्यटन का विस्तार करने की योजना बनाई है। इसका उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र की क्षमता का उपयोग करना और विपणन, आतिथ्य क्षेत्र, सेवाओं के समेकन, ग्राहक आधार के साथ संपर्क, पर्यटन सर्किटों के विकास/पहचान में विशेषज्ञता आदि जैसी पर्यटन गतिविधियों में पर्यटन क्षेत्र के पेशेवरों की मूलभूत शक्ति का लाभ उठाना है।

प्रस्तावित मॉडल की व्यापक विशेषताएं

- इच्छुक पार्टियों की वांछित कॉन्फिग्रेशन के अनुरूप कोचों को लीज पर देना। बेयर शेल्स भी लीज पर लिए जा सकते हैं। कोचों की एकमुश्त खरीद भी की जा सकती है।
- कोचों में मामूली सुधार की अनुमति है।
- लीजिंग न्यूनतम पांच वर्षों के लिए की जा सकती है और इन कोचों की कोडल लाइफ तक बढ़ाई जा सकती है।
- लीजिंग उद्देश्य के लिए न्यूनतम रेलगाड़ी संरचना नीतिगत दिशानिर्देशों के अनुरूप होंगे।
- इच्छुक पार्टी बिजनेस मॉडल (मार्ग, यात्रा कार्यक्रम, टैरिफ आदि) का विकास/निर्णय करेंगे।
- पात्रता मानदंड के आधार पर इच्छुक पार्टियों के लिए सरल पंजीकरण प्रक्रिया होगी।
- भारतीय रेल हॉलेज शुल्क, मामूली स्टैब्लिंग शुल्क तथा लीज शुल्क लगाएगी (एकमुश्त खरीद के लिए कोई लीज शुल्क नहीं)
- समय की पाबंदी को प्राथमिकता।
- कोच नवीनीकरण तथा यात्रा कार्यक्रमों के लिए समय पर मंजूरी।
- रखरखाव संचालनों के लिए कोई हॉलेज नहीं।
- रेलगाड़ी के भीतर तीसरी पार्टी के विज्ञापनों की अनुमति, रेलगाड़ी की ब्रांडिंग की अनुमति।
- नीति निर्माण और नियम व शर्तों के लिए रेल मंत्रालय द्वारा कार्यकारी निदेशक स्तर की समिति गठित की गई है। ■

राजभाषा हिंदी : समस्याएं एवं समाधान

श्री विपिन पवार

भारतीय संविधान की धारा 343 से 351 तक के प्रावधानों के कार्यान्वयन के उद्देश्य से राजभाषा अधिनियम 1963 तथा राजभाषा नियम 1976 बनाए गए हैं। भाषा का मुद्दा काफी संवेदनशील है क्योंकि भाषा हमारी भावनाओं से जुड़ी हुई होती है और संविधान की अष्टम अनुसूची में उल्लिखित समस्त 22 भाषाएं हमारे लिए महत्त्वपूर्ण हैं। हमारे देश में अंग्रेजी लगभग सवा दो सौ वर्षों से अपनी जड़ें जमाए हुए है। इसलिए राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार में किसी प्रकार की जल्दबाजी न करते हुए इसे धीरे-धीरे सभी की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया। राजभाषा की नीति प्रेरणा एवं प्रोत्साहन की नीति है। इसलिए सबसे पहले हिंदी को राजभाषा के रूप में केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में लागू करने का विचार किया गया। इसके पश्चात् सार्वजनिक क्षेत्र के निगमों-उपक्रमों आदि में हिंदी के प्रवेश को उचित समझा गया और वर्तमान स्थिति यह है कि सभी सरकारी कार्यालयों, निगमों एवं उपक्रमों आदि के लिए हिंदी को लागू करने में पूर्ण रूप से समानता कर दी गई है। अत: जो बात सरकारी कार्यालयों के लिए लागू होती है, वही निगमों-उपक्रमों आदि के लिए भी लागू होती है।

ऐसा नहीं है कि केंद्र सरकार ने हिंदी के संबंध में केवल आदेश देकर छुट्टी पा ली हो, बल्कि उसकी ओर से इस बात की भी पूरी निगरानी रखी जाती है कि इस आदेश का सभी स्तरों पर समुचित रूप से अनुपालन हो। इसके लिए देश भर में उपाय योजना की गई है। इतना ही नहीं, बल्कि हिंदी में कार्य करने में जो समस्याएं आती हैं, उन्हें दूर करने की भी पहल की जाती है।

देश में राजभाषा हिंदी को लेकर जिन समस्याओं की बात की जा रही है, उन पर चर्चा करने के पूर्व हमें राजभाषा नियमों के बारे में जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। राजभाषा नियम 12 नियमों में विभाजित है। पहले 2 नियम नाम, विस्तार, प्रारंभ तथा परिभाषा से संबंधित पूर्णत: औपचारिक हैं, जबकि अंतिम नियम सबसे महत्त्वपूर्ण है, जिसके अंतर्गत राजभाषा अधिनियम और राजभाषा नियमों के अनुपालन के लिए संपूर्ण दायित्व कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान को सौंपा गया है तथा उन्हें ये निर्देश दिए गए हैं कि इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त तथा प्रभावकारी जांच के लिए उपाय भी करें। नियम-9 हिंदी में प्रवीणता तथा नियम-10 हिंदी के कार्यसाधक ज्ञान होने की स्थिति को स्पष्ट करते हैं। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि जिस कर्मचारी ने हिंदी माध्यम से मैट्रिक या उसकी समतुल्य परीक्षा या हिंदी विषय के साथ स्नातक या समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की है, वह हिंदी में प्रवीणता प्राप्त है। जिस कर्मचारी ने मैट्रिक या समतुल्य परीक्षा हिंदी विषय लेकर उत्तीर्ण की है या केंद्रीय सरकार की हिंदी शिक्षण योजना की प्राज्ञ परीक्षा अथवा केंद्रीय सरकार द्वारा निर्धारित कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, उसे हिंदी का कार्यसाधक अर्थात् कामचलाऊ ज्ञान हो गया है। इन्हीं नियमों में यह भी उल्लेख किया गया है कि जो कर्मचारी निर्धारित प्रारूप में घोषणा कर देता है कि उसे हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान या हिंदी में प्रवीणता प्राप्त है, तो उसे हिंदी में प्रवीण या कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त मान लिया जाएगा।

इसके अलावा, जो नियम शेष रह जाते हैं अर्थात् नियम 3, 4, 5, 6 7, 8 तथा 11 इनमें यह बताया गया है कि राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु क्या किया जाना है? देखा जाए तो राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु ये नियम सबसे महत्त्वपूर्ण एवं कारगर हैं। उपर्युक्त नियमों पर अलग-अलग विचार करने के स्थान पर हम इन नियमों को 4 प्रमुख श्रेणियों में बांटकर उन पर विचार करने का प्रयास करेंगे।

केवल हिंदी में क्या होगा

जो पत्र ,आवेदन, अभ्यावेदन, अपील या ऐसे कागजात, जिनका उत्तर देना अनिवार्य होता है और वे यदि हिंदी में प्राप्त होते हैं या यदि अंग्रेजी में प्राप्त होते हैं और उन पर प्रेषक द्वारा हस्ताक्षर हिंदी में कर दिए गए हैं, तो उनका उत्तर हिंदी में दिया जाना है। कुछ लोग इस नियम की व्याख्या अपनी सुविधानुसार इस प्रकार कर लेते हैं कि यदि हम अंग्रेजी में पत्र लिखें और उस पर हिंदी में हस्ताक्षर कर दें, तो उसे हिंदी का पत्र मान लिया जाएगा। यह व्याख्या गलत एवं अमान्य है।

'क' क्षेत्र में स्थित राज्य सरकार के कार्यालय या व्यक्ति को पत्र हिंदी में भेजे जाने चाहिए या यदि पत्र अंग्रेजी में भेजे जाएं तो उनका हिंदी अनुवाद अनिवार्य रूप से संलग्न होना चाहिए।

'क' क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों के बीच पारस्परिक पत्राचार हिंदी में ही होगा।

'ख' क्षेत्र के राज्य सरकार के कार्यालय या व्यक्ति को

भेजे गए पत्र मामूली तौर पर हिंदी में होने चाहिए और यदि अंग्रेजी में हों तो उनका हिंदी अनुवाद संलग्न होना चाहिए।

'क' क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों का आंतरिक पत्राचार हिंदी में होगा।

केवल अंग्रेजी में क्या होगा

'ग' क्षेत्र में स्थित व्यक्ति या राज्य सरकार के कार्यालय को भेजे गए पत्र अंग्रेजी में होंगे और यदि हिंदी में हो तो उनका अंग्रेजी अनुवाद संलग्न होना चाहिए।

अंग्रेजी या हिंदी में क्या होगा

'ख' क्षेत्र के किसी व्यक्ति को पत्र हिंदी या अंग्रेजी में भेजे जा सकते हैं।

'ग' क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालय से 'क' या 'ख' क्षेत्र के व्यक्ति या राज्य सरकार को भेजे गए पत्र हिंदी या अंग्रेजी में हो सकते हैं।

'क', 'ख' एवं 'ग' क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों के बीच पारस्परिक पत्राचार हिंदी या अंग्रेजी में हो सकता है।

कर्मचारी अपना आवेदन, अपील या अभ्यावेदन हिंदी या अंग्रेजी में दे सकता है।

कर्मचारी अपनी फाइल पर नोटिंग हिंदी या अंग्रेजी में कर सकता है।

हिंदी और अंग्रेजी भाषा में क्या होगा

सभी नियम, मैन्युअल, संकल्प, साधारण आदेश, ज्ञापन, सूचनाएं, संहिताएं, निविदा प्रपत्र, अनुज्ञप्ति, अनुज्ञा-पत्र, प्रक्रिया संबंधी अन्य साहित्य, प्रतिवेदन, प्रेस विज्ञप्ति, समस्त लेखन सामग्री, रजिस्टरों के प्रारूप, शीर्षक, नाम पट्ट, सूचना पट्ट, पत्र-शीर्ष, लिफाफों एवं फर्नीचरों पर उत्कीर्ण लेख, लोगो, उत्पादों पर अंकित विवरण, नियॉन साइन बोर्ड, सरकारी निमंत्रण पत्र आदि समस्त ऐसी सामग्री, जो मुद्रित की जाती है, उत्कीर्ण की जाती है, विद्युतीकृत रूप से प्रदर्शित की जाती है, हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

जो प्रतिवेदन आदि संसद के समक्ष रखे जाएं, वे हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में होंगे।

निष्पादित संविदा तथा करार हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में होंगे।

लेकिन भारत सरकार के गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग प्रतिवर्ष हिंदी के प्रयोग के लिए एक वार्षिक कार्यक्रम तैयार करता है, जिसमें 'क' 'ख' एवं 'ग', तीनों क्षेत्रों के लिए हिंदी में कामकाज के अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। राजभाषा नियमों में संभ्रम की कोई गुंजाइश नहीं है। सब कुछ बिल्कुल स्पष्ट रूप से बताया गया है कि हिंदी का प्रयोग कहां करना है।

हिंदी भाषा की जानकारी न होने की समस्या बताई जाती है। 'क' क्षेत्र में तो यह समस्या नहीं आती, क्योंकि 'क' क्षेत्र के राज्यों में रहने वाले लोगों की मातृभाषा हिंदी होती है। 'ख' एवं 'ग' क्षेत्र में यह समस्या पाई जाती है कि इन क्षेत्रों के निवासियों की मातृभाषा हिंदी नहीं है। अत: मराठी, गुजराती एवं पंजाबी भाषी हिंदी बोल, पढ़ और समझ तो लेता है, लेकिन हिंदी के माध्यम से अपने विचारों को उस सरलता एवं सहजता से अभिव्यक्त नहीं कर पाता, जितनी सरलता एवं सहजता से वह अपनी मातृभाषा में कर पाता है। 'ग' क्षेत्र में तो कुछ लोगों को हिंदी बोलना, पढ़ना एवं लिखना नहीं आता। जो व्यक्ति भाषा ही नहीं जानता, वह उस भाषा में काम क्या करेगा?

यह कोई ऐसी समस्या नहीं है, जिसका समाधान उपलब्ध न हो। इस संबंध में महामहिम राष्ट्रपति के 27 अप्रैल, 1960 के स्पष्ट आदेश हैं कि हिंदी सीखना केंद्रीय सरकार के प्रत्येक कर्मचारी के लिए अनिवार्य है। इसके लिए गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी शिक्षण योजना के प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ तथा पारंगत पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम कार्यालय समय में कार्यालय में ही नि:शुल्क चलाए जाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को पूरी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। निजी प्रयत्नों से भी हिंदी सीखी जा सकती है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में कंप्यूटर के माध्यम से आसानी से हिंदी सीख सकते हैं। मैंने स्वयं कुछ ऐसे विदेशी देखे हैं, जिन्होंने पहले कभी हिंदी का 'अ' भी नहीं सुना था, लेकिन आज वे 'लीला' (Learn Indian Languages throughArtificial Intelligence) के माध्यम से व्याकरण सम्मत हिंदी सीखकर विदेशों में हिंदी पढ़ा रहे हैं। वास्तव में यदि देखा जाए तो यह कोई समस्या नहीं है बल्कि हिंदी में काम न करने का एक बहाना मात्र है।

प्राय: लोगों को यह कहते हुए सुना जाता है कि अंग्रेजी में काम करना सरल है, जबकि भाषा के संदर्भ में सरल या कठिन कुछ नहीं होता बल्कि प्रचलित या अप्रचलित होता है। आदत होना या न होना होता है। सरकारी कार्यालयों में अंग्रेजी में काम करने की आदत पड़ जाती है। अंग्रेजों के जमाने में जो ड्राफ्ट तैयार कर लिए गए थे, उन्हीं के आधार पर कामकाज किया जाने लगा। मूल रूप से अंग्रेजी में काम करने वालों की संख्या नगण्य है। जब हिंदी में काम करने की आदत पड़ जाएगी तो हिंदी में काम करना भी आसान हो जाएगा और यह एक शुभ संकेत है कि इसका प्रारंभ हो चुका है। आज हिंदी सीखने के इतने आधुनिक साधन उपलब्ध हैं कि एक सप्ताह के प्रयास से ही हिंदी सीखकर उसमें आसानी से निपुणता एवं गति से काम किया जा सकता है।

जो लोग हिंदी जानते हैं, वे भी हिंदी में कार्य करने में इसलिए संकोच हैं या हिचकिचाते हैं कि कहीं गलतियां न हो जाएं क्योंकि हिंदी में हुई गलती जल्दी पकड़ में आती है। यह भय भी सही लगता है, लेकिन क्या अंग्रेजी बिल्कुल सही लिखी जा रही है? अंग्रेजी की गलतियां इसलिए पकड़ में नहीं आतीं क्योंकि अच्छी अंग्रेजी जानने वालों की संख्या नगण्य है। अंग्रेजी की गलती पकड़ने वाले को यह भय हमेशा बना रहता है कि कहीं मैं ही गलत न होऊं जबकि हिंदी के साथ यह स्थिति नहीं है। गलतियां भी तो काम करने पर ही होती हैं। जो व्यक्ति काम ही नहीं करता, उससे गलती क्या होगी? और गलतियों को ठीक भी तभी किया जा सकेगा, जब गलतियां होंगी। यदि आप हिंदी में काम ही नहीं करेंगे, तो यह कैसे पता चलेगा कि यह गलती हो सकती है? इसलिए गलतियों से घबराने से तो काम नहीं चलेगा, फिर हिंदी में गलतियों की दृष्टि से तो आपके सौ खून माफ हैं अर्थात् हिंदी में आपकी किसी भी प्रकार की गलती क्षम्य है। इसके अतिरिक्त यह भय आपको तभी तक सताता है जब तक कि आप उससे डरते हैं। आप यदि हिम्मत करेंगे तो यह भय कहां तक टिक पाएगा?

कुछ लोगों का कहना है कि हम हिंदी में काम इसलिए नहीं करते हैं क्योंकि हमें समय पर हिंदी के उपयुक्त शब्द ध्यान नहीं आते। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि हम कोई भी बात अपनी मातृभाषा में सोचते हैं और फिर उसे उस भाषा में अनूदित करते हैं, जो हमारी मातृभाषा नहीं है। अभ्यास के अभाव में होता यह है कि लिखते-लिखते हिंदी का उपयुक्त शब्द ध्यान नहीं आता। इस संबंध में यहां यह कहना उपयुक्त होगा कि हिंदी का राजभाषा वाला स्वरूप साहित्यिक हिंदी से सर्वथा भिन्न है। इसमें आपको देवनागरी लिपि में वही कुछ लिखना है, जो आप बोलते हैं और बोलते समय आप केवल अंग्रेजी का पल्ला नहीं पकड़े रहते, हिंदी या स्थानीय भाषा का भी धड़ल्ले से प्रयोग करते हैं। यही स्थिति हिंदी लिखने में भी अपनाइए और किसी भी भाषा का शब्द हो, उसे देवनागरी में लिप्यंतरित कर दीजिए। यह भारत सरकार के आदेशों के अनुरूप है। इस बात का ध्यान जरूर रखिए कि क्रियापद हिंदी में हो, जैसे कि 'एंप्लाइज को ऑफिसर कैंटीन में जाने की परमीशन नहीं है।' यदि जरूरी न हो तो इस प्रकार की खिचड़ी भाषा से बचा जाना चाहिए।

कर्मचारियों को हिंदी में काम करते समय यह भय भी रहता है कि कहीं उनसे इसका अंग्रेजी अनुवाद तो नहीं मांगा जाएगा? इस संबंध में इतना ही कहना पर्याप्त होगा कि यह भय उचित नहीं है, क्योंकि आवेदन, टिप्पण आदि प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति से उसका अनुवाद नहीं मांगा जा सकता। यदि अनुवाद की आवश्यकता महसूस भी की जाती है, तो उसके लिए राजभाषा अनुभाग की सहायता ली जा सकती है। अनुवाद का भय मन से एकदम निकाल कर आगे बढ़ना चाहिए। जब तक अंग्रेजी का पल्ला नहीं छोड़ा जाएगा, तभी तक यह समस्या है, अन्यथा बांग्ला, मराठी एवं मलयालम के अनेक शब्द जो कि संस्कृत से लिए गए हैं, इसीलिए समान हैं। इसके अलावा भी यदि अनुवाद की समस्या खड़ी होती है, तो आप अपने हिंदी अधिकारी से संपर्क कीजिए। वह आपके काम को आसान बना देगा।

कहा जाता है कि हिंदी में तकनीकी कार्य तो हो ही नहीं सकता क्योंकि हमारे पास हिंदी में संदर्भ साहित्य का अभाव है, किंतु यह अभाव वाकई में उतना नहीं है जितना कि प्रतीत होता है, नदी के पानी की तरह। जब तक हम नदी में उतरेंगे नहीं, तब तक उसकी गहराई का पता कैसे चलेगा? इसी तरह जब आप हिंदी में काम आरंभ कर देंगे, तो आपको पता चलेगा कि हिंदी में सामान्य संदर्भ साहित्य का अभाव नहीं है। तकनीकी कार्यों में हिंदी के प्रयोग की दिशा में सबसे पहली और बड़ी समस्या यह थी कि हमारे देश में इंजीनियरी और चिकित्सा की शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी था और इससे बड़ी विचित्र स्थिति पैदा हो रही थी। मैट्रिक तक तो छात्र मातृभाषा में पढ़ता है और जब तकनीकी शिक्षा संस्थान में उसका प्रवेश होता है, तो उसका सामना अंग्रेजी से होता है। प्रथम वर्ष तो उसे अंग्रेजी लिखने-पढ़ने की ट्यूशन में लगाना पड़ता है। फिर जब वह अंग्रेजी माध्यम से पढ़कर डॉक्टर या इंजीनियर बनकर निकलता है, तो उसकी मातृभाषा या हिंदी उसके लिए पराई भाषा बन चुकी होती है या वह ऐसा दिखाने का प्रयास करता है। लेकिन मैंने यह भी देखा है कि कुछ डॉक्टरों एवं इंजीनियरों ने अंग्रेजी में व्याख्यान सुनकर परीक्षा हिंदी माध्यम से दी एवं सफलता प्राप्त की। प्रसन्नता की बात है कि अब देश में इंजीनियरी की पढ़ाई क्षेत्रीय भाषाओं में भी होने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है।

जहां समस्या होती है वहां समाधान भी होता है। आज देश ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शोध छात्रों ने अपने शोधपत्र पत्र हिंदी में देना प्रारंभ कर दिया है। विदेशी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी इस बात को जान चुका है कि यदि भारत में अपने पांव जमाने हैं, तो हिंदी को अपनाना होगा। ज्ञान-विज्ञान के अनेक चैनलों पर अब हिंदी ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय भाषाओं का विकल्प उपलब्ध है। गति बेशक बहुत धीमी है, लेकिन संतोष इस बात का है कि कार्य प्रारंभ हो चुका है। वह दिन दूर नहीं जब हमारे यहां तकनीकी कार्यों की भाषा भी हिंदी ही होगी।

असली समस्या इच्छाशक्ति के अभाव की है। यह एक जैविक स्वभाव है कि जब तक किसी कार्य से हमारा स्वार्थ न जुड़ा हो, तब तक हम यथास्थिति को बनाए रखना चाहते हैं। हम जानते हैं कि भाषा का संबंध हमारी भावनाओं से है। विश्व के किसी भी व्यक्ति के लिए अपनी मातृभाषा सबसे अधिक प्रिय होती है। ऐसी स्थिति में जिस व्यक्ति की मातृभाषा हिंदी नहीं है, उसे यदि हिंदी सीखने या हिंदी में काम करने को कहा जाए, तो स्वाभाविक है कि वह पूछेगा कि क्यों मेरी अपनी भाषा, मातृभाषा में क्यों नहीं? यदि मुझे दूसरी भाषा में ही काम करना है, तो अंग्रेजी में क्यों नहीं? जिसमें अब तक मैं करता रहा हूं, जिसकी मुझे अब आदत पड़ चुकी है। इस प्रकार के संवेदनशील एवं भावनात्मक प्रश्नों का उत्तर देने के लिए हिंदी अधिकारियों को तैयार रहना होगा तथा साथ ही एक ऐसे वातावरण की भी सृष्टि करनी होगी कि इस प्रकार के प्रश्न सामने ही न आएं। इस प्रकार का वातावरण तैयार करने के लिए कर्मचारियों के दिलों में राष्ट्रीय भावनाओं को जाग्रत करना होगा तथा अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति अपनत्व के बीज बोने होंगे और यह कैसे संभव होगा? हमारे राजभाषा विभाग को स्वयं एक उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उस क्षेत्र विशेष की स्थानीय भाषा सीखनी होगी। यदि आप किसी कर्मचारी को हिंदी में काम करने के लिए हिंदी में कहते हैं और यदि आप किसी कर्मचारी को हिंदी में काम करने के लिए उसकी मातृभाषा में कहते हैं, तो परिणाम आप स्वयं देख लीजिए कि कितना शानदार होगा?

इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आज तीस-पैंतीस वर्षों तक महाराष्ट्र में नौकरी करने के बाद भी हमारे कुछ स्वनामधन्य हिंदी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मराठी नहीं आती क्योंकि केंद्र सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। तमाम बाधाओं एवं समस्याओं के बाद भी मेरा विश्वास है कि आने वाला कल हिंदी का ही होगा। ■

निदेशक, राजभाषा, रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड

सूचना

'भारतीय रेल' पत्रिका में लेखक के नाम के साथ प्रकाशित हुए लेख (फोटोग्राफ के साथ) लेखक द्वारा उपलब्ध करवाए जाते हैं। भविष्य में लेख तथा फोटोग्राफ्स से संबंधित कॉपी राइट्स के उल्लंघन तथा अन्य किसी भी प्रकार के विवाद के लिए लेखक संपूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। रेल मंत्रालय या संपादकीय टीम किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी। – *संपादक*

साइक्लिंग
फिटनेस के नए आयाम

लेफ्टिनेंट शशि किरण

आज के महामारी के दौर में 'फिटनेस' शब्द का अपना एक तार्किक महत्त्व है। Fitness मूल रूप से दो शब्दों 'fit' और 'ness' की संधि का परिणाम है। इसका अर्थ है–'शारीरिक रूप से स्वस्थ और स्वस्थ होने की स्थिति।' इससे आशय है मानसिक एवं शारीरिक रूप से पूर्ण सक्षमता, जिससे कि व्यक्ति अपने कर्तव्य का निर्वहन सुचारू रूप से कर सके, जिसके अभाव में व्यक्ति का जीवन न केवल व्यक्ति अपितु राष्ट्र के लिए भी भारस्वरूप हो जाता है।

शारीरिक फिटनेस सर्वोपरि है क्योंकि यह अन्य सभी मानवीय शक्तियों, गुणों अथवा भावों का स्रोत है। शरीर को स्वस्थ, सबल, निरोग, चुस्त एवं दुरुस्त रखना प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसीलिए मां भी जन्म से ही अपने शिशु के शारीरिक पोषण पर अधिक ध्यान देती है। जीवन की सार्थकता एवं सफलता की प्राप्ति तभी संभव है, जब हम शारीरिक रूप से स्वस्थ, सबल एवं सक्षम रहें। इसी के अनुरूप हमारी मानसिक, बौद्धिक, आत्मिक एवं नैतिक योग्यता संचालित होती है।

स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती का आशय शारीरिक और मानसिक, दोनों का अच्छी स्थिति में होने से है। हम अपने स्वयं को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखने के लिए नियमित रुप से निम्नलिखित उपायों को अपना सकते हैं:-

- धूम्रपान और शराब पीने जैसी अस्वास्थ्यकर आदतों में शामिल लोगों के साथ अपने संपर्कों को सीमित करें
- स्वस्थ जीवन शैली के सकारात्मक तथ्यों के बारे में खुद को याद दिलाएं
- उन लोगों के साथ घुले-मिलें, जो आप की तरह स्वस्थ जीवनशैली का पालन कर रहे हैं
- अपने खाली समय के दौरान अपने शौक और हितों का पालन करें ताकि आपके पास अस्वास्थ्यकर आदतों में शामिल होने का समय न हो
- शारीरिक व्यायाम करें। यह तनाव और उसके नकारात्मक नतीजों को कम करने का एक बढ़िया तरीका है

केवल रोगमुक्त होना ही पर्याप्त नहीं है। व्यक्ति को इतना सक्षम और फिट होना चाहिए कि वो 8 घंटे निरंतर क्रियाशील रह सके। फिटनेस के अभाव में न केवल उसकी स्वयं की अपितु राष्ट्र की उत्पादन क्षमता का भी ह्रास होता है, बीमारियों में वृद्धि होती है एवं अनुउत्पादक व्यय बढ़ता है। अच्छी फिटनेस हासिल करना और फिर उसे बनाए रखना एक चुनौती है।

साइकिल चलाने के लाभ

- **वजन प्रबंधन :-** नियमित साइकिल चलाना शरीर के वसा के स्तर को प्रभावी तरीके से नियंत्रित करता है, पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है तथा शरीर में मांसपेशियों निर्माण करता है व मजबूत बनता है।
- **शरीर की मजबूती :-** साइक्लिंग करना शरीर के फेफड़ों एवं हृदय और सम्बन्धित तंत्र को सम्पूर्ण रूप से स्वस्थ बनाता है। मुख्यत: पैर की मांसपेशियों को बिना ज्यादा जोर दिए मजबूत बनाता है।
- **मानसिक स्वस्थता प्रदान करती है :-** जब हम साइकिल चलाते हैं तो सड़क पर ध्यान केन्द्रित करना एकमात्र जरुरत होती है, जिससे दिन भर के तनाव से ध्यान हटकर हमारी सांसों व सड़क पर ध्यान केन्द्रित करना हमारी प्राथमिकता हो जाती है। साइक्लिंग एक व्यायाम है, जिसके दौरान एंडोर्फिन हार्मोन का स्राव होता है जो मानसिक तनाव के स्तर को कम करके हमें बेहतर और तरोताजा महसूस कराता है।
- **दिन की बेहतर शुरुआत :-** सुबह साइक्लिंग से हमारे शरीर का रक्त संचरण तेज होता है, जिससे हमारी शुरुआत बढ़े हुए उर्जा स्तर के साथ होती है।
- **पर्यावरण का सहयोगी :-** साइक्लिंग एक व्यायाम के साथ ही साथ एक परिवहन के साधन के रूप में भी इस्तेमाल होता है। आजकल की साइकिलों में अनेक इनोवेशन हो रहे हैं, जिनके द्वारा लम्बी लम्बी दूरियों के लिए भी परिवहन में इनका उपयोग हो रहा है। यह साधन लोगों को स्वस्थ, शून्य प्रदूषण के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी महत्ता को रेखांकित कर रहा है।
- **संतुलन, मुद्रा और समन्वय में सुधार करता है :-** साइक्लिंग के दौरान हम अपने शारीर को स्थिर करते हुए साइकिल को सीधा रखते हैं और इससे समय संतुलन, समन्वय और मुद्रा में सुधार होता है।
- **कम प्रभाव वाले व्यायाम का विकल्प :-** जो व्यक्ति अपने जोड़ों पर अधिक जोर दिए बिना एक गहन कसरत का तरीका चाहते हैं, साइक्लिंग उनके लिए एक सर्वोतम विकल्प है।

इसे हासिल करने के लिए भोजन व व्यायाम का तालमेल अति आवश्यक है। भोजन पोषण देने वाला शुद्ध और कैलोरी की उचित मात्रा वाला होना चाहिए। हर व्यक्ति की दिनचर्या के हिसाब से अलग-अलग कैलोरी की आवश्यकता होती है। अत्यधिक कैलोरी के सेवन से बचना चाहिए।

कम-से-कम 30 मिनट रोजाना व्यायाम करने से न सिर्फ आपका वजन कम होता है इसके अलावा नॉन-कम्युनिकेबल बीमारी को रोकने में भी मदद मिलती है। कोविड-19 ने जिस तरह से हम पहले व्यायाम करते थे, वैसा करना मुश्किल बना दिया है। अब यह वक्त है कि हम अपने आपको फिट, एक्टिव और हेल्थी रखने के लिए तरीके खोजें जोकि सहज उपलब्ध व कोविड प्रोटोकोल के अनुरूप हों। कुछ इस तरह की गतिविधियां निम्न हैं, जिसमें से साइक्लिंग एक अत्यधिक लाभकारी गतिविधि है। हर व्यक्ति को अपनी आवश्यकता के अनुरूप उचित गतिविधि का चयन कर लेना चाहिए।

रस्सी कूदना : रस्सी कूदना एक अंडर-रेटेड, लेकिन बहुत ही लाभकारी एक्सरसाइज है। दिन में 20 मिनट रस्सी कूदने से कैलोरी जलाने और वजन कम करने में बहुत फायदा मिलता है। 'रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी' में प्रकाशित एक अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि हार्ट हेल्थ और फिजिकल फिटनेस के लिए रस्सी कूदने के अलावा स्किपिंग के महत्त्वपूर्ण लाभ होते हैं।

सीढ़ियां चढ़ना : जब हम सीढ़ियां चढ़ते या उतरते हैं, तो यह एक्टीविटी हमारा वजन को संतुलित रखती है। सीढ़ियां चढ़ने से निचले शरीर को मजबूत करने में भी मदद मिलती है। इससे मांसपेशियों, सहनशक्ति और संयम में सुधार होता है।

योग : योग कोई धर्म नहीं है। यह जीने की एक कला है, जिसका लक्ष्य है - स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन। योग हमें शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक रूप से सबल व सक्षम बनता है।

साइक्लिंग : साइकिल चलाने से सफर के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अच्छे तरीके से कर सकते हैं। अगर आप साइकिल चलाते हैं, तो आपको जिम या पार्क जैसी अन्य जगहों पर जाने की जरूरत नहीं है। साइकिल चलाने से दिल का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

सभी बच्चे, बुजुर्ग, जवान, पुरुष, महिला, पतले, मोटे तथा सभी तरह के पहनावे के साथ सहजता से किया जा सकने वाला व्यायाम साइक्लिंग है। साइकिल चलाना एक प्रभावशाली एरोबिक व्यायाम है। यह एक अद्‌भुत कसरत है जो हमको शारीरिक व मानसिक, दोनों रूप से एक स्वस्थ जीवनशैली को आकर देने व अपनाने में मदद करता है।

साइक्लिंग एक अत्यंत लाभकारी कार्डियो एक्सरसाइज है, जिसे नियमित रूप से करने से फिटनेस में चमत्कारिक रूप से वृद्धि होती है। इससे व्यक्ति के रक्त संचरण में वृद्धि होती है एवं इससे शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है तथा व्यक्ति की कार्यक्षमता और उर्जा में वृद्धि होती है एवं रक्त संचरण के तेज होने के कारण खून में थक्का जमने की संभावना क्षीण होती है और परिणमस्वरूप हृदयघात एवं पैरेलाइसिस की आशंका काफी कम हो जाती है। साइक्लिंग से जोड़ों की गतिशीलता में वृद्धि होती है और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है।

हृदय रोगियों एवं जोड़ प्रत्यारोपण कराने वाले रोगियों को चिकित्सक से अनुमति लेने के उपरांत साइक्लिंग करनी चाहिए तथा मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप के मरीजों को साइक्लिंग अकेले नहीं करके किसी साथी के साथ करनी चाहिए। साइक्लिंग करते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट एवं संरक्षा उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए।

वर्तमान में साइक्लिंग को लोकप्रिय बनाने हेतु नागरिक धारणा सर्वेक्षण शहरों में अपनाया जाने वाला पहला कदम है। देश भर के 60,000 से अधिक नागरिकों ने साइकिल चलाने में

आने वाली बाधाओं पर प्रकाश डाला और साइकिल को सुरक्षित और मजेदार बनाने के लिए क्या होना चाहिए, इस पर अपने विचार व्यक्त किए। गहराई तक जाने के लिए शहरों ने फोकस समूह चर्चाओं का आयोजन किया।

आज दशकों की गिरावट के बाद साइक्लिंग ने 2020 के मध्य में भारतीय शहरों में साइक्लिंग का पुनरुद्धार देखा गया। भारत सरकार ने शहरों को साइकिल को सुरक्षित और मजेदार बनाने के लिए 'इंडिया साइकिल्स फॉर चेंज' चौलेंज की शुरुआत की। इसके अनुरूप भारत सरकार ने 100 से अधिक शहरों में साइकिल चलाने को आम चलन बनाने के लिए प्रयासों की शुरुआत की। यह राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति (2006) की दृष्टि के अनुरूप है, जो शहरों को साइकिल जैसे परिवहन के हरित साधनों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करती है।

पिछले वर्ष में 50 से अधिक शहरों ने इन प्रयासों की मेजबानी की; राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया ने बड़े पैमाने पर साइकिल चलाने की आवश्यकता का समर्थन किया है। कुछ शहरों में साइक्लिंग को बढ़ावा देने हेतु उल्लेखनीय प्रयास किए गए जैसे :-

- नए साइकिल ट्रैक का निर्माण।
- अधिकांश मेट्रो, बस व रेलवे स्टेशनों में साइकिल किराए पर लेने की योजना के साथ मानसिकता बदलाव के प्रयास, जिससे लोग दैनिक यात्रा के साथ-साथ अवकाश के दिन में भी साइकिलों को अपनाने में शर्म महसूस न करें।
- नए साइकिल चालकों को अधिक अनुभवी साइकिल चालकों के साथ जोड़कर साइकिल चलाने के प्रति लोगों में अधिकाधिक रुझान पैदा करना।
- रैलियों और साइक्लोथॉन से लेकर हजारों लोगों को आकर्षित करने वाले छोटे-छोटे कार्यक्रमों की मेजबानी।

'इंडिया साइकिल्स फॉर चेंज' चैलेंज ने सभी उम्र के लोगों को साइकिल चलाने के प्रति उनके प्यार को फिर से खोजने के लिए के लिए एक मंच प्रदान किया और साइकलिंग हेतु आवश्यक सुविधाओं के विकास और जनभागिता को समाज, देश, प्रशासन की नजर में एक महत्त्वपूर्ण ज्वलंत मुद्दे का स्थान दिलाया। 'इंडिया साइकिल फॉर चेंज' चैलेंज के लिए 107 शहरों ने अपना श्रीगणेश किया। उन्होंने राष्ट्रीय कार्यक्रम को शहर के नेतृत्व वाले लेकिन समुदाय संचालित आंदोलन में बदल दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि नियमित रूप से हल्का शारीरिक व्यायाम किया जाता है, तो शारीरिक व्यायाम में कोविड-19 महामारी व अन्य बीमारियों के बुरे शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रभावों को कम करने की क्षमता स्वयं हमारे में विकसित होती है। इसलिए आमजन को शारीरिक फिटनेस हेतु अभ्यास अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप न केवल बेहतर शारीरिक बल्कि बेहतर मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य भी हमें प्राप्त होगा। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि व्यक्ति को शारीरिक व्यायाम और उसके विकल्पों को प्रगतिशील तरीके से शुरू करना चाहिए और इन अभ्यासों की मात्रा और तीव्रता को चुनने के लिए अपने फिटनेस स्तर का पालन करना चाहिए ताकि व्यक्ति स्वस्थ रहे क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ आत्मा का वास होता है। ■

मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
उत्तर पश्चिम रेलवे

आप सब का
भारतीय रेल
के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री लेख की जानकारी ई-मेल से दी जाएगी। प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

शर्तें लागू

छत्तीसगढ़ के महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल

श्री साकेत रंजन

छत्तीसगढ़ मध्य भारत का एक विशाल वनों से घिरा हुआ राज्य है, जो अपने मंदिरों और झरनों के लिए जाना जाता है। छत्तीसगढ़ भारत का 10 वां सबसे बड़ा और 16वां सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। छत्तीसगढ़ को मुख्य रूप से दक्षिण कौसल के रूप में जाना जाता है, जिसका उल्लेख 'रामायण' और 'महाभारत', दोनों में मिलता है।

प्राकृतिक विविधता और अपने सांस्कृतिक और पारंपरिक इतिहास के लिए प्रसिद्ध, छत्तीसगढ़ धीरे-धीरे भारत के सबसे लोकप्रिय पर्यटन के रूप में विकसित हो रहा है। यहां चित्रकोट वॉटर फॉल्स स्थित है, जिसे भारत के मिनी नियाग्रा फॉल्स के रूप में भी जाना जाता है। इसकी ऊँचाई के साथ-साथ चौड़ाई भी विशाल है। छत्तीसगढ़ राज्य का लोकप्रिय आवागमन एवं परिवहन का माध्यम होने के कारण छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित इन सभी पर्यटन स्थलों के विकास में भारतीय रेल की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

तालागाँव (मूर्तिकला का अनूठा संग्रह) (बाएं) रतनपुर (शक्तिपीठ) (दाएं)

तालागाँव (मूर्तिकला का अनूठा संग्रह)

तालागाँव बिलासपुर से 30 किमी दूर रायपुर राजमार्ग पर मनियारी नदी के तट पर स्थित है। तालागाँव में 5वीं सदी का देवरानी- जेठानी का एक प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर विशिष्ट तल विन्यास, विलक्षण प्रतिमा निरूपण तथा मौलिक अलंकरण की दृष्टि से भारतीय कला जगत में विशेष रूप से चर्चित है। मंदिर में 7 फुट ऊंची और 4 फुट चौड़ी करीब 8 टन वजनी एक अद्भुत प्रतिमा विराजमान है। विभिन्न जीव-जन्तुओं की मुखाकृति से अलंकृत यह प्रतिमा शिव के रौद्र रूप के लिए

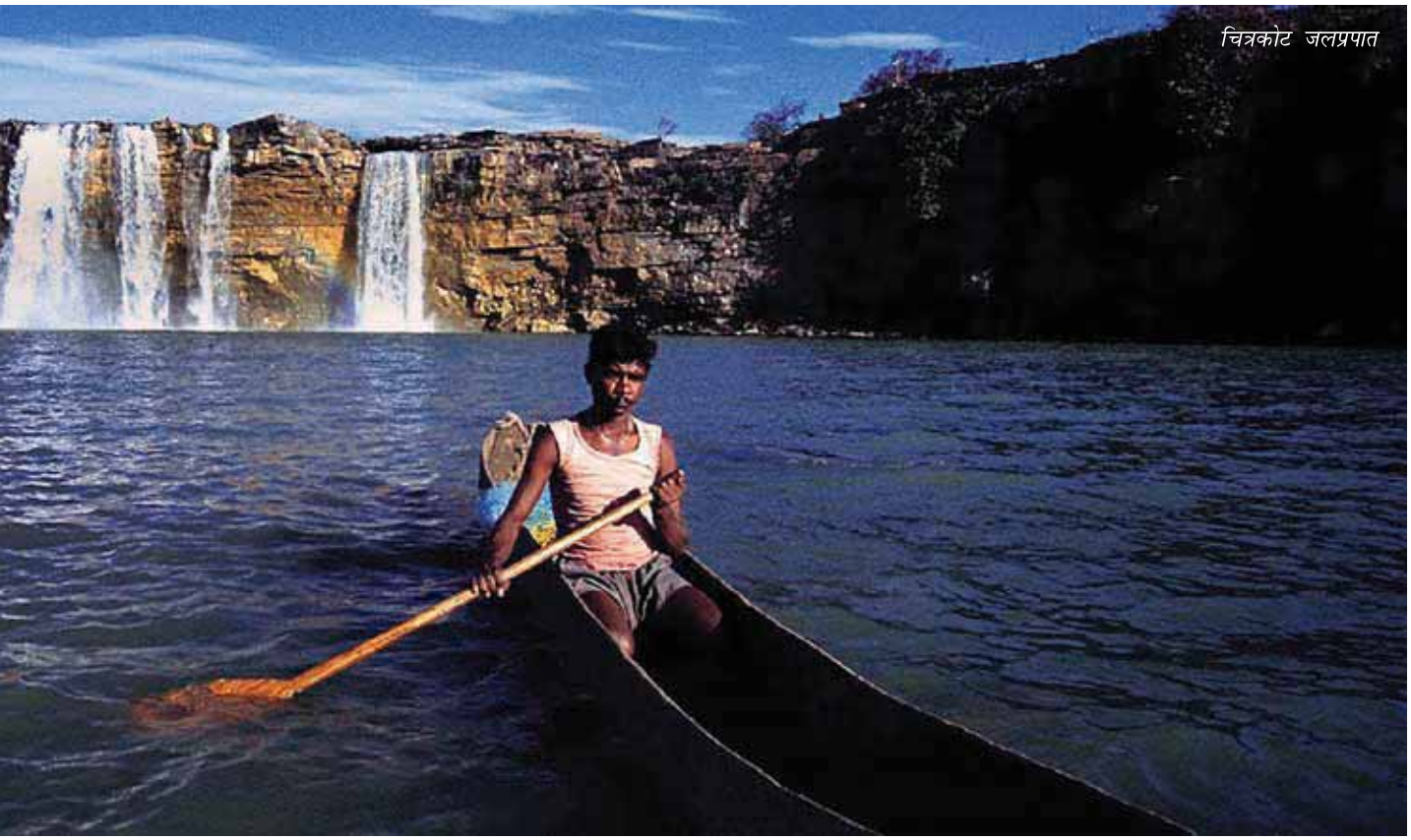
चित्रकोट जलप्रपात

प्रसिद्ध है। इसके अलावा यहां उत्खनन में 6वीं से 10वीं शताब्दी तक की मूर्तियां तथा अवशेष प्राप्त हुए हैं।

रतनपुर (शक्तिपीठ)

छत्तीसगढ़ की गोद में अलिखित, निस्तब्ध, आडम्बर-रहित ऋषिराज की भांति समाधि में लीन रतनपुर में अनेक प्राचीन दर्शनीय स्थल, मंदिर, कंदराएं, खण्डहर और शीतल आश्रय हैं। प्राचीन ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से यह छत्तीसगढ़ का महत्त्वपूर्ण स्थान है। मनोरम पहाड़ियों के बीच स्थित रतनपुर कल्चुरी काल में प्राचीन छत्तीसगढ़ की राजधानी रही है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग 200 पर बिलासपुर शहर से 25 किमी की दूरी पर स्थित है। इसे 'मंदिरों एवं तालाबों की नगरी' भी कहा जाता है। 11वीं सदी में राजा रत्नदेव द्वारा निर्मित दिव्य एवं भव्य महामाया मंदिर दर्शनीय है। यहां बाबा ज्ञानगिरि द्वारा निर्मित श्री कालभैरव मंदिर में कालभैरव की 9 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा विराजमान है। इसके अलावा यहां रामटेकरी मंदिर, वृद्धेश्वर नाथ मंदिर, रत्नेश्वर महादेव मंदिर, कैलारेश्वर महादेव मंदिर, भुनेश्वर मंदिर, लखनीदेवी मंदिर, कण्ठीदेवी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर सहित सैकड़ों प्राचीन एवं दर्शनीय मंदिर स्थित हैं।

अचानकमार अभ्यारण्य

अचानकमार वन्यजीव अभयारण्य छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध अभयारण्यों में से एक है। यहां तेंदुआ, बंगाल टाइगर और जंगली भैंसों जैसी असंख्य लुप्तप्राय प्रजातियां रहती हैं। अन्य जानवरों में चीतल, धारीदार लकड़बग्घा, कैनीस, आलस भालू, ढोले, सांभर हिरण, नील गाय, भारतीय चार सींग वाले मृग और चिंकारा भी शामिल हैं।

1975 में स्थापित अचानकमार एक टाइगर रिजर्व भी है। 557.55 वर्ग किमी क्षेत्रफल में फैला यह जंगल, वन्य जीवन की विविधता से भरा है। यह बिलासपुर से 55 किमी की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है। मानसून के मौसम में यहां पर्यटकों का प्रवेश वर्जित है। पूरे जंगल में साल, साजा, बीजा और बांस के पेड़ भारी संख्या में पाए जाते हैं। ईको टूरिज्म के लिए यह स्थान बहुत अच्छा है।

अमरकंटक

भारत के पर्यटन स्थलों में अमरकंटक प्रसिद्ध तीर्थ और नयनाभिराम पर्यटन स्थल है। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के बीच 1,065 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हरा-भरा होने के साथ-साथ काफी लुभावना भी है। भारत की प्रमुख सात नदियों में से अनुपम नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक ही है। नर्मदा और सोन नदियों का यह उद्गम आदिकाल से ऋषि-मुनियों की तपोभूमि रहा है। नर्मदा का उद्गम यहां एक कुंड से तथा सोनभद्रा का पर्वत शिखर से है। यहां पर जलेश्वर महादेव, सोनमुड़ा, भृगु कमंडल, धूनी पानी, दुग्धधारा, नर्मदा का उद्गम, नर्मदा मंदिर व कुंड, कपिलधारा, दुग्धधारा, माई की बगिया, सर्वोदय जैन मंदिर आदि स्थान देखने योग्य हैं।

- **नर्मदा उद्गम** - यहां नर्मदा के उद्गम पर पवित्र मंदिर है जहां तीर्थयात्रियों की कतारें लगी रहती हैं। नर्मदा का उद्गम एक कुंड से और सोन नदी का उद्गम एक पर्वत से हुआ है।

अमरकंटक

- **सोनमुड़ा** – यह सोन नदी का उद्गम है। अमरकंटक के जर्रे-जर्रे में नर्मदा और सोन की असफल प्रेम कहानी की अनुगूंज सुनाई देती है।
- **भृगु कमंडल** – यहां एक प्राचीन कमंडल है जो हमेशा पानी से भरा रहता है।
- **धूनी पानी** – यहां घने जंगल में गर्म पानी का स्रोत देखा जा सकता है। यह पानी औषधीय गुणों से संपन्न होने के कारण इस पानी से स्नान करने से शरीर के असाध्य रोग ठीक हो जाते हैं।
- **दुग्धधारा** – यह 50 फीट ऊंचा प्रपात है जो दूध की तरह सफेद दिखाई देता है। जल जब ऊंचाई से गिरता है, तब दूध की तरह सफेद दिखाई देता है।
- **कपिलधारा** – यह बेहद खूबसूरत पिकनिक स्थल है और यहां जल-प्रपात भी है। यह अमरकंटक का प्रसिद्ध झरना है। यहीं पर नर्मदा नदी लगभग 100 फुट की ऊंचाई से गिरती है। यहां कभी कपिल मुनि भी निवास करते थे।
- **माई की बगिया** – यहां मंदिर के साथ-साथ एक खूबसूरत बगीचा है। अमरकटंक के मंदिरों की संख्या 24 हैं। कबीरा चौरा, भृगु कमंडल और पुष्कर बांध भी देखने योग्य हैं।
- **कबीर चबूतरा** – इस स्थल पर संत कबीर ने कई वर्ष बिताए थे। यह स्थल दो महान संत, गुरुनानक देव और संत कबीर का मिलन-स्थल होने के कारण सिख और कबीरपंथियों, दोनों के लिए विशेष महत्त्वपूर्ण है।

चौतुरगढ़ (लाफा)

चौतुरगढ़ छत्तीसगढ़ के 36 किलों में से एक किला है। इसे लाफागढ़ के नाम से भी जाना जाता है। यह कोरबा

चौतुरगढ़ (लाफा)

बिलासपुर मार्ग पर पाली से 25 किमी की दूरी पर स्थित है। चौतुरगढ़ (लाफागढ़) मैकल पर्वत श्रृंखला में पहाड़ी के ऊपर 3060 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह मजबूत प्राकृतिक दीवारों से घिरा हुआ एक प्राकृतिक किला है। इस किले का निर्माण कल्चुरी राजा पृथ्वीदेव द्वारा किया गया है। इसके तीन प्रमुख प्रवेश द्वार हैं जिसे मेनका, हुंकारा तथा सिंहद्वार के नाम से जाना जाता है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारक है। चौतुरगढ़ पहाड़ी के ऊपर 5 वर्ग किमी का समतल स्थल है, जहां 5 तालाब बने हुए हैं। यहां महिषासुर मर्दिनी माता का एक मंदिर है। यहां से 3 किमी की दूरी पर 25 फीट लंबाई की सुरंगनुमा शंकर गुफा स्थित है।

शिवरीनारायण

शिवरीनारायण, छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक और पुरातात्विक नगर है। यह महानदी (चित्रोत्पला), शिवनाथ और जोंक नदियों का संगम स्थल है। इसीलिए इसकी 'प्रयाग' जैसी मान्यता है। बिलासपुर से इसकी दूरी 64 किमी है तथा निकटतम रेलवे स्टेशन बिलासपुर है।

शिवरीनारायण मन्दिर को लक्ष्मीनारायण मंदिर तथा बड़ा मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस अति प्राचीन पूर्वाभिमुखी मंदिर का निर्माण हैहय वंश के शासकों ने 11वीं शताब्दी में कराया था। शिवरीनारायण मन्दिर का निर्माण वैष्णव शैली में किया गया है। यहां 9वीं शताब्दी से लेकर 12वीं शताब्दी तक की कल्चुरि कालीन मूर्तियां स्थापित हैं। मंदिर अत्यन्त सुंदर है तथा पत्थरों पर पुष्पों तथा लताओं की नक्काशी कर इसे सजाया गया है। यह मंदिर हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र रहा है तथा छत्तीसगढ़ की जगन्नाथपुरी के नाम से प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि इसी स्थान पर पहले भगवान जगन्नाथ जी की प्रतिमा स्थापित रही थी, परंतु बाद में इस प्रतिमा को जगन्नाथ पुरी ले जाया गया था। 'स्कंदपुराण' में इसे 'श्री पुरुषोत्तम क्षेत्र' कहा गया है। प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक यहाँ एक बृहत् मेले का आयोजन होता है। इस मेले में दूर-दूर से हजारों-लाखों दर्शनार्थी भगवान शिबरीनारायण के दर्शन करने आते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान जगन्नाथ यहाँ विराजते हैं तथा उनका दर्शन मोक्षदायी होता है। इसी कारण शिवरीनारायण को 'छत्तीसगढ़ का जगन्नाथ पुरी' भी कहा जाता है।

प्राचीन काल में इस नगर में मतंग ऋषि का आश्रम था

और यह शबरी की साधना स्थली भी रहा है। इसी स्थान पर भगवान श्री राम का सीता की खोज करते हुए आगमन हुआ था तथा अपनी परम भक्त शबरी को दर्शन देकर उसके जूठे बेर खाए थे। यहां मुख्य मंदिर प्रांगण में शबरी के नाम से ईटों से बना प्राचीन मंदिर भी है। ऐसा माना जाता है कि श्री राम का नारायणी रूप यहां गुप्त रूप से विराजमान है। इसलिए इसे गुप्त तीर्थ के रूप में जाना जाता है। कहा जाता है कि वनवास के समय भगवान राम इसी रास्ते से होकर गए थे और उनको वन गमन के समय यहीं पर माता शबरी ने बेर खिलाए थे, इसके कारण इस नगरी का नाम 'शबरीनारायण' पड़ा तथा कालांतर में इसे 'शिवरीनारायण' के नाम से पुकारा जाने लगा।

खरौद नगर

शिवरीनारायण से 3 किमी दूरी पर खरौद नगर बसा है जिसे 'छत्तीसगढ़ का काशी' कहा जाता है। यहां सोमवंशी शासक ईशान देव द्वारा निर्मित प्राचीन लक्ष्मणेश्वर मंदिर है। मंदिर के गर्भगृह में अवस्थित लक्ष्मणेश्वर शिवलिंग स्वयंभू है। यह भी जनश्रुति है कि रावण वध के पश्चात् वापसी के समय ब्राह्मण हत्या के अपराध से मुक्त होने के उद्देश्य से लक्ष्मण ने इस शिवलिंग की स्थापना की है, जिससें इसका नाम 'लक्ष्मणेश्वर' पड़ा।

मल्हार

मल्हार बिलासपुर से 33 किमी दूरी पर बिलासपुर-रायगढ़ मार्ग पर स्थित है। यह अपने पुरातात्विक स्थलों के लिए जाना जाता है। यहां स्थित पातालेश्वर मंदिर, देउर मंदिर और डिंडनेश्वरी मंदिर 10वीं और 11वीं सदी के प्राचीन मंदिरों में से हैं। यहां जैन धर्म के स्मारक भी खुदाई में निकले हैं। उत्खनन में प्राप्त विष्णु के चार हाथ वाली मूर्ति पर्यटकों को आकर्षित करती है। ईसा पूर्व 1000 से कलचुरी राजवंश के प्राचीन अवशेष यहां पाए गए है। पातालेश्वर केदार मंदिर आकर्षण का केंद्र है, जहां गोमुखी शिवलिंग बनाया गया है। डिंडनेश्वरी मंदिर मंदिर कलचुरी शासन के अंतर्गत आता है। देउर मंदिर में कुछ मंत्रमुग्ध कलात्मक मूर्तियां हैं। मल्हार में एक संग्रहालय है। इसमें प्राचीन मूर्तियों का एक अद्भुत संग्रह है। मल्हार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा स्वीकृत प्रसिद्ध पुरातात्विक शहरों में से एक है। डिंडनेश्वरी मंदिर में कल्चुरी कालीन शिल्प कला के दर्शन होते हैं। मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित सिद्ध शक्ति डिंडनेश्वरी की काले ग्रेनाइट पत्थरों में तराशी गई प्रतिमा कारीगरी की अनुपम कृति के रूप में मां पार्वती की तपस्यारत मुद्रा बरबस ही दर्शनार्थियों को चकाचौंध कर देती है।

मल्हार

पातालेश्वर मंदिर

भूमिज शैली के बने इस मंदिर की आधार पीठिका 108 कोणों वाली है। मंदिर के गर्भ गृह में भगवान शिव की विलक्षण प्रतिमा गोमुखी आकार के सुंदर काले चमकदार पत्थर वाली जलहरि के मध्य त्रिकोणाकृति में अवस्थित है। इस मंदिर में जितना भी जल चढ़ाया जाए, अंदर समाहित हो जाता है इसीलिए इसे 'पातालेश्वर' की संज्ञा दी गई है।

माँ बम्लेश्वरी - डोंगरगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में स्थित है मां बम्लेश्वरी का भव्य मंदिर। जो डोंगरगढ़ स्टेशन से ही पूरी तरह दिखाई देता है। छत्तीसगढ़ राज्य की सबसे ऊंची चोटी पर विराजमान डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी के दरबार में वैसे तो साल भर भक्तों का रेला लगा रहता है, लेकिन नवरात्रि के दौरान अलग ही दृश्य होता है। मां बम्लेश्वरी छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में खूबसूरत हरी-भरी वादियों और झील के किनारे विराजती हैं। उन्हें मां बगलामुखी का रूप माना जाता है। डोंगरगढ़ में जमीन से करीब 2 हजार फीट की ऊंचाई पर विराजने वाली मां बम्लेश्वरी की एक झलक पाने के लिए भक्तों का जत्था दूर-दूर से माता के इस धाम में पहुंचता है। कोई रोप-वे का सहारा लेकर तो कोई पैदल ही चलकर माता के इस धाम में अपने आस्था के फूल चढ़ाने पहुंचता है। मंदिर में प्रवेश करते ही सिंदूरी रंग में सजा मां बम्लेश्वरी का भव्य रूप बरबस ही भक्तों को अपनी ओर खींच लेता है। साल के दो नवरात्रों, चैत्र और शारदीय नवरात्रों में तो यहां की छटा देखते ही बनती है। घंटों लंबी-लंबी कतारों में खड़े भक्त यहां मां की एक झलक भर पाने का इंतजार करते हैं।

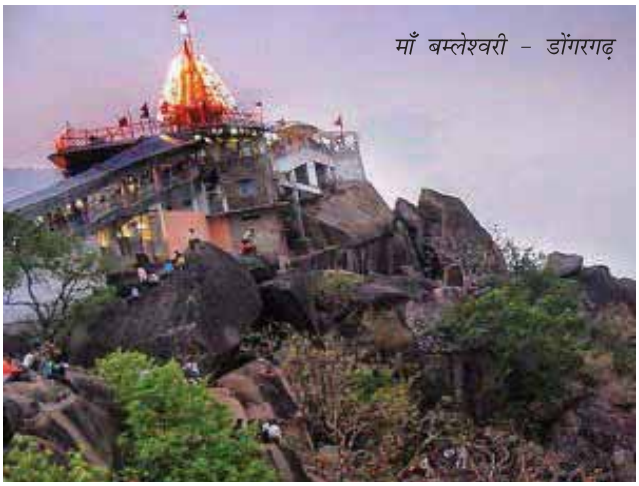

माँ बम्लेश्वरी - डोंगरगढ़

पुरखौती मुक्तांगन

पुरखौती मुक्तांगन, नया रायपुर

रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन का लोकार्पण भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने वर्ष 2006 में किया था। मुक्तांगन 200 एकड़ भूमि पर फैला एक खुला संग्रहालय है, जहाँ पुरखों की समृद्ध संस्कृति को संजोया गया है। यह परिसर हमें छतीसगढ़ की लोक-संस्कृति से परिचित कराता है। वनवासी जीवन शैली और ग्राम्य जीवन के दर्शन भी यहाँ होते हैं। मुक्तांगन में छतीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की यह प्रतिकृतियां दो उद्देश्य पूर्ण करती हैं। एक, आप उक्त स्थानों पर जाए बिना भी उनकी सुंदरता एवं महत्त्व को अनुभव कर सकते हैं। दो, ये प्रतिकृतियां मुक्तांगन में आने वाले पर्यटकों को अपने मूल पर आने के लिए आमंत्रित करती हैं। इस उन्मुक्त संग्रहालय के धातु के बने प्रवेश द्वार पर चित्रों के रूप में अनेक कहानियाँ कहते हैं - आदिवासियों की, आदिवासी जनजातियों की और उनकी संस्कृति की। इस मुक्तांगन में प्रवेश करते ही वहाँ पर खड़ी सुंदर सी आदमकद मूर्तियाँ आपका स्वागत करती करती हैं। इन मूर्तियों द्वारा छत्तीसगढ़ी लोगों के जीवन को बहुत अच्छी तरह से दर्शाया गया है। व्यापक रूप से फैले इस आँगन के चारों ओर खड़ी दीवारें उज्ज्वल रंगों में की गई आदिवासी चित्रकारी से सजी हुई हैं। यहाँ की सभी आदिवासी जातियों को उनकी पारंपरिक वेश-भूषा में लोक-नृत्य करते हुए चित्रावली के रूप में प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा यहाँ पर अनेक मौखिक भाव दर्शाते हुए मुखौटे भी दिखाई देते हैं।

चित्रकोट जल-प्रपात

चित्रकोट जल-प्रपात भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले में इन्द्रावती नदी पर स्थित एक सुंदर जल-प्रपात है। इस जल-प्रपात की ऊँचाई 90 फीट है। इस जल-प्रपात की विशेषता यह है कि वर्षा के दिनों में यह रक्त लालिमा लिए हुए होता है, तो गर्मियों की चाँदनी रात में यह बिल्कुल सफेद दिखाई देता है। जगदलपुर से 40 किमी और रायपुर से 273 किमी की दूरी पर स्थित यह जल-प्रपात छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा, सबसे चौड़ा और सबसे ज्यादा जल की मात्रा प्रवाहित करने वाला जल-प्रपात है। घोड़े की नाल समान अपने मुख के कारण इस जल-प्रपात को 'भारत का निआग्रा' भी कहा जाता है। सघन वृक्षों एवं विंध्य पर्वतमालाओं के मध्य स्थित इस जल-प्रपात से गिरने वाली विशाल जलराशि पर्यटकों का मन मोह लेती है। 'भारतीय नियाग्रा' के नाम से प्रसिद्ध चित्रकोट प्रपात वैसे तो प्रत्येक मौसम में दर्शनीय है, परंतु वर्षा ऋतु में इसे देखना अधिक रोमांचकारी अनुभव होता है। वर्षा में ऊंचाई से विशाल जलराशि की गर्जना रोमांच और सिहरन पैदा कर देती है। वर्षा ऋतु में इन झरनों की खूबसूरती अत्यधिक बढ़ जाती है। चित्रकोट जल-प्रपात के आसपास घने वन विराजमान हैं, जो कि उसके प्राकृतिक सौंदर्य को और बढ़ा देते हैं। रात में इस जगह को पूरा रौशनी के साथ प्रबुद्ध किया गया है। यहाँ के झरने से गिरते पानी के सौंदर्य को पर्यटक रौशनी के साथ देख सकते हैं। अलग-अलग अवसरों पर इस जल-प्रपात से कम-से-कम 3 और अधिकतम 7 धाराएँ गिरती हैं

अमृतधारा जल-प्रपात

यह जल-प्रपात छत्तीसगढ़ राज्य के कोरिया जिले में स्थित है। प्रकृति ने इस जिले को अपनी अमूल्य निधियों से सजाया और सँवारा है। यहाँ चारों ओर प्रकृति के मनोरम दृश्य बिखरे पड़े हैं। इन्हीं में से एक 'अमृतधारा जल-प्रपात' है, जो कि हसदो नदी पर स्थित है। अमृतधारा जल-प्रपात एक प्राकृतिक झरना है। यह झरना अनुपपुर-मनेन्द्रगढ़-अम्बिकापुर रेलखंड पर नागपुर रोड स्टेशन के समीप स्थित है। इस जल-प्रपात का जल 90 फीट की ऊंचाई से गिरता है। वह बिंदु जहाँ पानी गिरता है, वहाँ एक बड़ा ही प्यारा-सा बादल के जैसा माहौल चारों ओर बन जाता है, जिससे प्रपात की सुन्दरता में चार चाँद लग जाते हैं।

भोरमदेव

भोरमदेव मंदिर छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में कबीरधाम से 18 किमी दूर तथा रायपुर से 125 किमी दूर चौरागाँव में एक हजार वर्ष पुराना मंदिर है। इस मंदिर को 11वीं शताब्दी में नागवंशी राजा गोपाल देव ने बनवाया था। ऐसा कहा जाता है कि गोड राजाओं के देवता भोरमदेव थे एवं वे भगवान शिव के उपासक थे। भोरमदेव, शिवजी का ही एक नाम है, जिसके कारण इस मंदिर का नाम भोरमदेव पड़ा। इस मंदिर की बनावट खजुराहो तथा कोणार्क के मंदिर के समान है, जिसके कारण लोग इस मंदिर को 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो' भी कहते हैं। मंदिर के चारों ओर मैकल पर्वतसमूह है, जिनके मध्य हरी भरी घाटी में यह मंदिर है। मंदिर के सामने एक सुंदर तालाब भी है। ■

मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

भोरमदेव

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपना विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं के तक अपना उत्पादों की पहुंच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में)

नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट से पूर्व व बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथबा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार

28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र

23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें :

प्रशांत कुमार पट्टनायक, व्यापार प्रबंधक

310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-1,

टेलिफोन : 9717647367, 011-233822531, 23303665, 23304456

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
आई.एस.एस.एन. 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिकाएं

भारतीय रेल
INDIAN RAILWAYS

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें

या

विजिट करें : **www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn**

पत्रिका की वार्षिक सदस्यता शुल्क तथा अन्य जानकारियों के लिए देखें
कवर पृष्ठ सं. नं. 2

पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता प्राप्त करने की पद्धति देखें
पृष्ठ सं. 38-39

मुद्रक व प्रकाशक : **प्रशान्त कुमार पट्टनायक** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.ली., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**